सत्यमेव जयते
जनजातीय कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

9 साल

जनजातीय सशक्तिकरण गौरवशाली भारत

जनजातीय कार्य मंत्रालय की प्रमुख उपलब्धियाँ 2014-15 से 2022-23 तक

जनजातीय सशक्तिकरण
गौरवशाली भारत

जनजातीय कार्य मंत्रालय की
प्रमुख उपलब्धियाँ

2014–15 से 2022–23

myGOV
मेरी सरकार
न्यू इंडिया सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम कर रहा है। सरकार लंबे समय से वंचितों को प्राथमिकता दे रही है
आदि महोत्सव के उद्घाटन पर पीएम मोदी
16 फरवरी 2023, दिल्ली

अर्जुन मुंडा
ARJUN MUNDA

मंत्री
जनजातीय कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
SHASTRI BHAWAN, NEW DELHI - 110001

प्रस्तावना

यह हर्ष का विषय है कि मंत्रालय पिछले 9 वर्षों में जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) में भारत सरकार की उपलब्धियों पर हमारे अनुसूचित जनजाति के भाई बहनों की अधिकारिता, कल्याण और विकास से संबंधित पुस्तिका प्रकाशित कर रहा है।

सरकार ने पिछले 9 वर्षों में एक समग्र दृष्टिकोण के साथ जनजातीय मानव संसाधन के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। मिशन मोड में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के विकास को पहली बार फोकस क्षेत्र के तहत शुरू किया गया है। यह पहली बार है कि पीवीटीजी समूहों के लिए डेटा केंद्रित मानव विकास सूचकांक के साथ पीवीटीजी के लिए एक विशेष योजना तैयार की गई है, जिसका लक्ष्य समुदाय का समग्र विकास करना है।

सरकार 740 एकलव्य आवासीय आदर्श विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना कर रही है, जो 3.5 लाख जनजातीय छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे। अगले तीन वर्षों में, 740 ईएमआरएस के लिए 38,800 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की केंद्रीय स्तर पर भर्ती की जाएगी । विद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय भाषाओं पर भी जोर देंगे कि छात्र अपनी जड़ों से अलग न हो जाएँ।

मंत्रालय 5 छात्रवृत्ति योजनाओं को लागू करता है, जिनके तहत प्रति वर्ष 30 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है, जिसका वार्षिक बजट 2500 करोड़ रुपये से अधिक है। पारदर्शिता और बिना परेशानी के समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए इन छात्रवृत्तियों का भुगतान डीबीटी मोड में किया जाता है।

सरकार ने 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को खत्म करने के मिशन के तहत, जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न कदम उठाए जाएंगे, प्रभावित जनजातीय क्षेत्रों में 0-40 वर्ष की आयु के 7 करोड़ लोगों की सार्वभौमिक जांच की जाएगी एवं केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोग-आधारित प्रयासों के माध्यम से परामर्श प्रदान किये जायेंगे।

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत जनजातीय कार्य मंत्रालय देश भर में जनजातीय बहुल 36000 से अधिक गांवों को मॉडल जनजातीय गांवों में विकसित करने के लिए कार्य कर रहा है, ताकि जनजातीय गांवों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सके।

प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) देश भर में वन धन विकास केंद्र/वन धन उत्पादक उद्यम स्थापित करने के साथ फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की सुविधा देने के माध्यम से आजीविका संचालित जनजातीय विकास हासिल करना चाहता है। इसके अलावा, राज्यों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर लघु वन उपज (एमएफपी) की खरीद के लिए सहायता दी जा रही है।

ट्राइफेड ने वर्ष 2017-18 में देश भर के सभी प्रमुख शहरों में 'आदि महोत्सव'-शिल्प, संस्कृति, व्यंजन और वाणिज्य का उत्सव" आयोजित करने की एक नई संकल्पना की भी शुरुआत की है। "वोकल फॉर लोकल" के मिशन को ध्यान में रखते हुए, ट्राइफेड ने 16 से 27 फरवरी, 2023 तक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली में आदि महोत्सव का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था और यह पूरे देश में बहुत सफल रहा था।

DRAFT

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम (एनएसटीएफडीसी) पात्र जनजातीय उद्यमियों और छात्रों को काफी कम ब्याज दरों के साथ-साथ छात्र ऋण भी प्रदान करता है। यह पुस्तिका ऐसी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। टीआरआई हमारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रशासित करने के साथ-साथ जनजातीय सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन और आजीविका के संरक्षण, और संवर्धन के लिए जनजातीय लोगों को समझने के हमारे ज्ञान के स्रोत के रूप में कार्य करता है।

जहाँ सरकारी योजनाएँ कुछ जनजातीय क्षेत्रों में प्रवेश करने में असमर्थ हैं, वहाँ स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान की योजना से, विशेष रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में, कई जनजातीय समुदायों की मदद हुई है। इसी तरह, हमारे उत्कृष्टता केंद्रों ने अनुसूचित जनजाति से संबंधित अनुसंधान सहित कई क्षेत्रों में परियोजनाएँ शुरू की हैं।

अंतिम, बहुत महत्वपूर्ण बात कि हमारी आजादी के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ बहादुरी से लड़ने वाले जनजातीय नायकों की स्मृति में, भारत सरकार ने 2021 में हर साल 15 नवंबर, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

मंत्रालय इस बात से भी अच्छी तरह वाकिफ है कि जनजातीय समुदायों की एक अनूठी संस्कृति और चरित्र है जो उन्हें कई कठिनाइयों के बावजूद एक संतोषजनक जीवन जीने में सक्षम बनाता है। वास्तव में पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली (Life), जीवन को पूर्णता से जीने और खुशी प्राप्त करने के कई सबक हैं, जो जनजातीय समुदाय बाकी दुनिया को सिखा सकते हैं। यह मंत्रालय इस देश की जनजातीय आबादी को राष्ट्रीय और वैश्विक सर्वश्रेष्ठ के बराबर लाने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करना जारी रखेगा, साथ ही सर्वोत्तम प्रथाओं, पारंपरिक ज्ञान और ज्ञान का प्रसार भी करेगा जो इन विविध समुदायों को राष्ट्र और दुनिया को प्रदान करना है। यह सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ, पूरे देश के दृष्टिकोण के सहित, हितधारक के साथ साझेदारी में किया जाएगा।

(अर्जुन मुंडा)

DRAFT

विषय-सूची

1. संक्षिप्त पृष्ठभूमि 09
2. प्रमुख राज्यों में जनजातीय जनसंख्या 09
3. विजन और भावी रूपरेखा (रोड मैप) 10
4. मंत्रालय की प्रमुख योजनाएं 11
5. जनजातियों के लिए बजट आवंटन 12
6. जनजातीय उप–योजना (एसटीसी)/अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) 13
7. 2021–26 का बजट अवलोकन 14
8. <u>पहल/उपलब्धियाँ:</u>
   - शिक्षा 17–23
   - सतत एवं लाभप्रद आजीविका 25–31
   - वन अधिकार अधिनियम (एफ.आर.ए.) 33–36
   - जनजातीय शोध संस्थान (टी.आर.आई.) 37–42
   - बहु–क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान) 43–57
   - गैर सरकारी संगठनों को अनुदान 59–62
   - नए बजट की घोषणा 2023 63–68
   - स्वास्थ्य 69–73
   - अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल नए समुदाय 75–80
   - अनुसूचित जनजाति घटक 81–96
   - डिजिटलीकरण 97–102
   - अभिनव पहल 103–114
   - अन्य मंत्रालयों/विभागों के साथ अभिनव पहल 115–117
   - आजादी का अमृत महोत्सव 119–128
   - कोविड–19 प्रबंधन में राज्यों के साथ सहयोग 129–132
   - पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ 133–135
   - मीडिया कवरेज 137–143
   - मन की बात 144–145

"

जनजातीय समुदाय वीरतापूर्ण है,
वे प्रकृति के साथ सहजीवी और
समावेशी संबंध में रहते हैं।
भारत को इस भव्य विरासत से सीखना होगा
और अपने भविष्य को आकार देना होगा।

माननीय प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर
15 नवंबर 2022

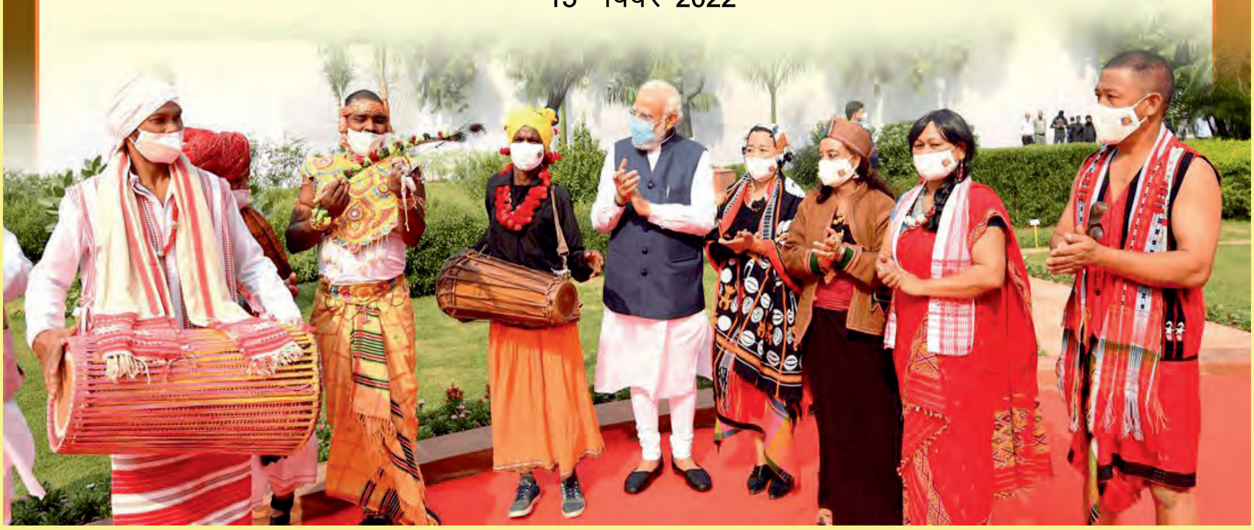

संक्षिप्त पृष्ठभूमि

- 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में जनजातीय जनसंख्या **10.45 करोड़** (8.6%) है।
- भारत में **700 से अधिक** जनजातीय समुदाय और **75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह** (पीवीटीजी) हैं।
- जनजातीय विकास और संबंधित मामलों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 1999 में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की।
- 2021 में भारत सरकार ने जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने और भारत के स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक विरासत में उनके योगदान को याद करने के लिए **15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस** घोषित किया।

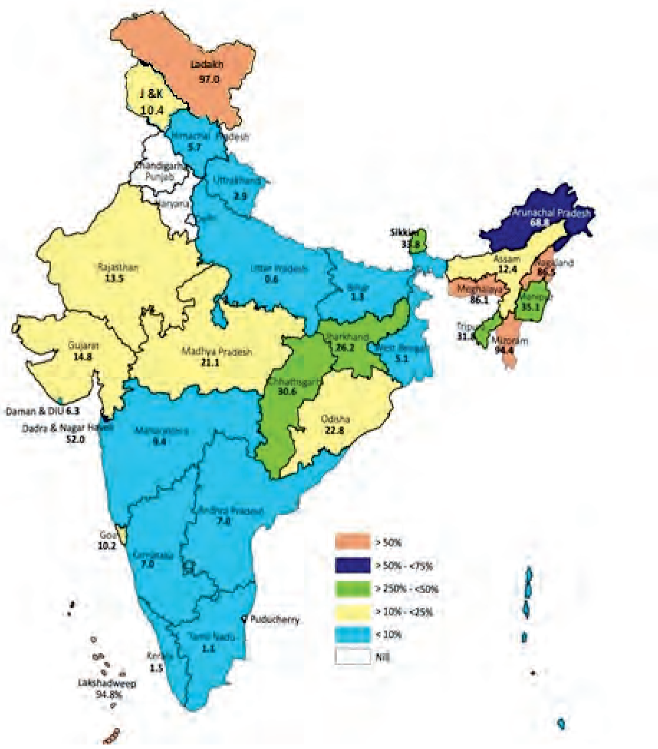

प्रमुख राज्यों में जनजातीय जनसंख्या

राज्य का नाम	जनजातीय जनसंख्या	कुल जनसंख्या	राज्य की जनसंख्या का %	देश की कुल जनजातीय जनसंख्या का %
मध्य प्रदेश	1,53,16,784	7,26,26,809	21.1	14.7
महाराष्ट्र	1,05,10,213	11,23,74,333	9.4	10.1
ओडिशा	95,90,756	4,19,74,218	22.8	9.2
राजस्थान	92,38,534	6,85,48,437	13.5	8.8
गुजरात	89,17,174	6,04,39,692	14.8	8.5
झारखण्ड	86,45,042	3,29,88,134	26.2	8.3
छत्तीसगढ़	78,22,902	2,55,45,198	30.6	7.5

विजन और भावी रूपरेखा (रोड मैप)

सरकार का विजन

- सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा
- आत्मनिर्भर भारत
- लोकल के लिए वोकल
- डिजिटल इंडिया
- मेरा गाँव मेरी धरोहर

सरकार का फोकस-जनजातीय कार्य मंत्रालय के लिए (रोडमैप)

(जनवरी 2015 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा समीक्षा)

- योजनाओं का डिजिटलीकरण
- अनुसूचित जनजाति घटक अन्य मंत्रालयों के साथ अभिसरण
- राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन
- गुणवत्तायुक्त स्कूली शिक्षा
- समाज के नागरिकों के साथ साझेदारी
- जनजातीय सामाजिक सांस्कृतिक, रीति–रिवाज, विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन
- आजीविका सशक्तिकरण

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'

मंत्रालय की प्रमुख योजनाएं

शिक्षा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (EMRS)	योग्य उम्मीदवारों के लिए सार्वभौमिक
मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना (Pre-Matric Scholarship Scheme)	
मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना (Post-Matric Scholarship Scheme)	
राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना (शीर्ष श्रेणी) (National Scholarship Scheme)	चयन द्वारा
राष्ट्रीय फेलोशिप योजना (National Fellowship Scheme)	
राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति योजना (National Overseas Scholarship Scheme)	

बहु क्षेत्रीय (Multi Sectoral) योजनाएं: राज्यों को अनुदान

- अनुच्छेद 275 (1) के तहत अनुदान
- पीवीटीजी के विकास के लिए योजना
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई)

शोध, निगरानी और मूल्यांकन

- जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) को सहायता
- निगरानी और मूल्यांकन, कार्यक्रम, सर्वेक्षण और सामाजिक लेखा-परीक्षा

आजीविका

- प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम)
- अनुसूचित जनजातियों के लिए उद्यम पूंजी निधि
- उत्तर पूर्व में जनजातीय उत्पादों की लॉजिस्टिक और मार्केटिंग व्यवस्था
- एनएसटीएफडीसी को सहायता

गैर-सरकारी संगठन

- गैर-सरकारी संगठनों को सहायता अनुदान

जनजातियों के लिए बजट आवंटन

अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए कार्यक्रमों की समग्र नीति, योजना और समन्वय के लिए नोडल मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए बजट आवंटन में भारी वृद्धि।

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय के लिए समग्र परिव्यय ₹12461.88 करोड़ है, जो पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान (आरई) ₹ 7301.00 करोड़ से 70.69% अधिक है।

बजट आवंटन में भारी वृद्धि

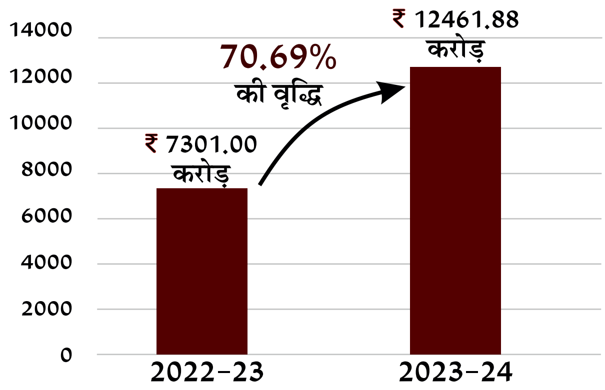

जनजातीय कार्य मंत्रालय 2023–24 का बजट आवंटन 2013–14 की तुलना में 190.01% अधिक है, जो कि ₹4295.94 करोड़ से बढ़ाकर ₹12461.88 करोड़ किया गया।

बजट आवंटन में भारी वृद्धि

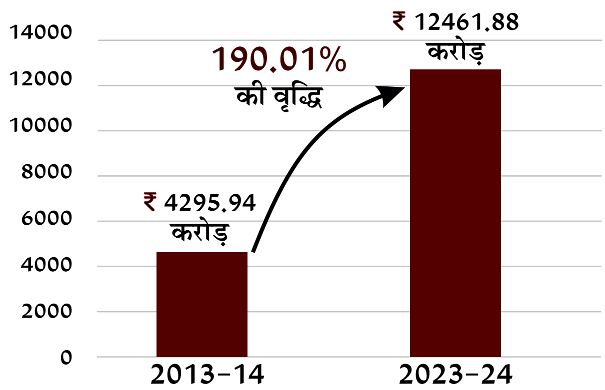

पिछले नौ वर्षों के दौरान बजट आवंटन
(₹ करोड़ में)

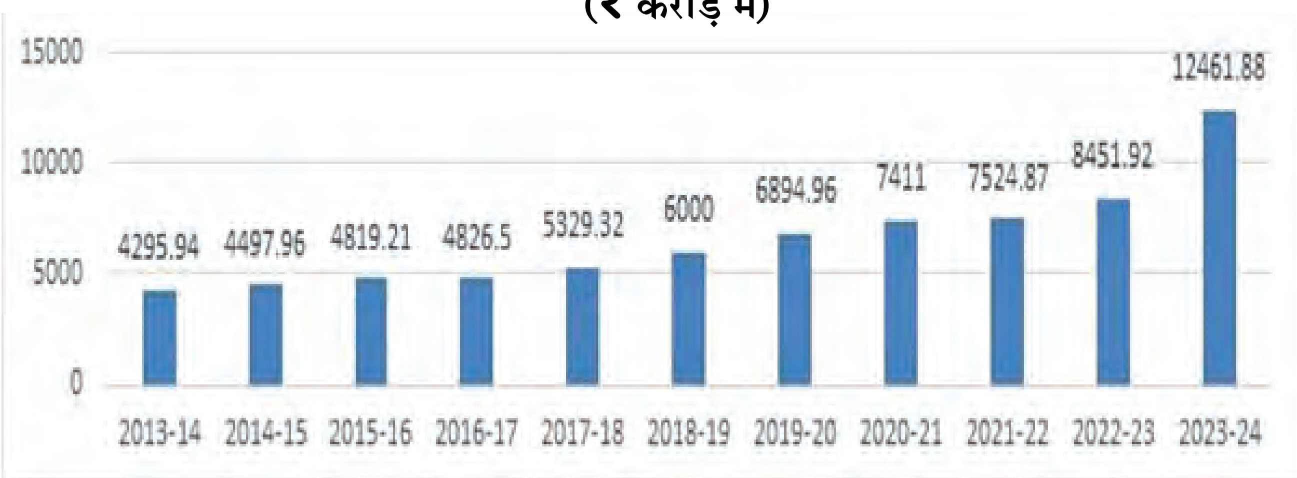

जनजातीय उप-योजना (टीएसपी)/अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी)

जनजातीय उप–योजना (टीएसपी), जिसे अब अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) के रूप में जाना जाता है, जिसके तहत, जनजातीय कार्य मंत्रालय के अलावा, 41 मंत्रालय/विभाग जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, सड़कों से संबंधित जनजातीय विकास परियोजनाओं के लिए हर साल अपने कुल योजना आवंटन के 4.3% से 17.5% की सीमा में धन आवंटित कर रहे हैं।

डीएपीएसटी फंड आवंटन में 2013–14 के बाद से लगभग साढ़े पांच गुना वृद्धि – 2013–14 से ₹ 21,525.36 करोड़ (वास्तविक व्यय) से बढ़ कर बजट अनुमान 2023–24 में ₹ 1,17,943.73 करोड़ तक पहुंचा।

एक वर्ष में जनजातीय विकास के लिए डीएपीएसटी/टीएसपी के तहत कुल मिलाकर दो लाख करोड़ रुपये से अधिक निर्धारित किए जाते हैं।

- लगभग 64%–84% राज्य सरकार के पास है,
- 41 केंद्रीय मंत्रालयों में 12% से 33% और
- जनजातीय कार्य मंत्रालय की हिस्सेदारी लगभग 2% – 4% है।

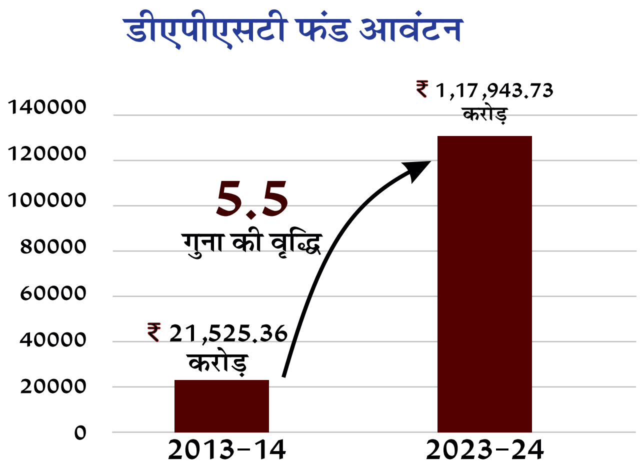

टीएसपी घटक	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23	2023–24
केंद्रीय मंत्रालय/विभाग	15,604.65	15,552.40	16,161.44	25,044.09	29,397.99	38,685.68	42.622.43	76,405.07	85,534.85	1,05,557.73
राज्य घटक	86,075	1,00,558	1,11295.00	1,40,228.55	1,59.,367.64	1,66,078.19	1,64,439.29	1,88,114.10	1,68,665.84*	उपलब्ध नहीं
एमओटीए के तहत फंड	3,832.20	4,472.26	4,793.96	5,285.67	5,954.78	7,170.72	5,461.67	6,125.51	7,246.30	12,386.00
कुल	1,05,511.85	1,20,582.66	1,32,250.40	1,70,558.31	1,94,720.41	2,11,934.59	2,12,523.39	2,70,644.68	2,61,446.99	1,17,943.73

नोटः केंद्रीय मंत्रालयों और जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत धन वर्ष 2014–15 से 2021–22, 2022–23 (आरई) और 2023–24 (बीई) के लिए वास्तविक हैं।

* अन्तिम (31.03.2023 को उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार)

2021–26 का बजट अवलोकन

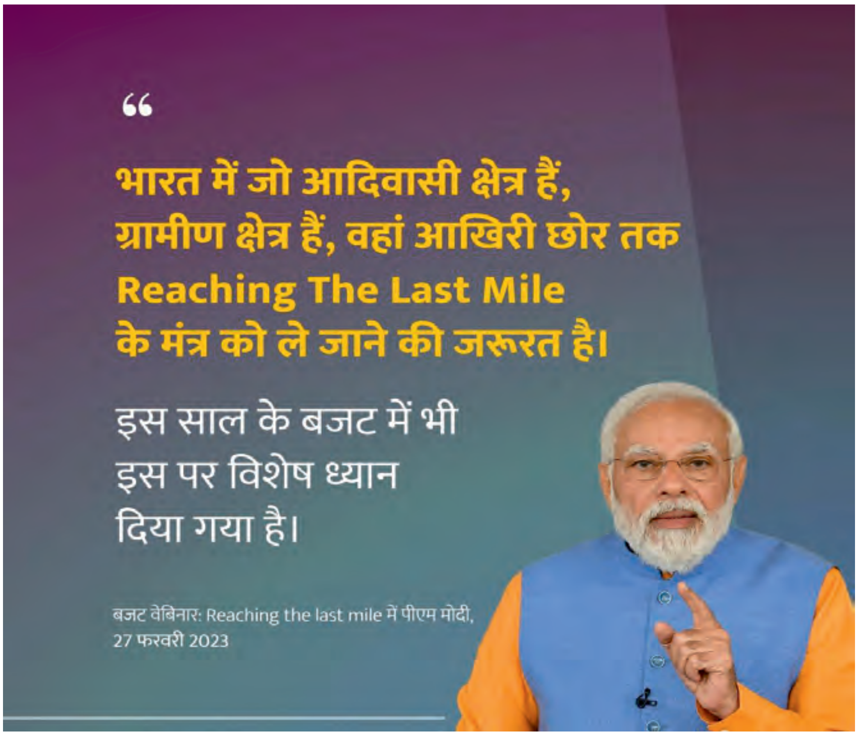

कुल स्वीकृत राशि (2021–22 से 2025–26) = ₹ 61940.44 करोड़

(रु० करोड़ में)

क्षेत्र	प्रधानमंत्री वनबंधु कल्याण योजना (केंद्र प्रायोजित योजनाएं)		राष्ट्रीय आदिवासी कल्याण कार्यक्रम (केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं)		एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	
	योजना	राशि	योजना	राशि	योजना	राशि
शिक्षा (रु० 42191.12 करोड़)	प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति	2146.16	राष्ट्रीय फेलोशिप एवं राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	735.00	ईएमआरएस	28919.72
	पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति	10370.56	राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति	20.00		
शिक्षा/स्वास्थ्य (रु० 685.00 करोड़)			स्वैच्छिक संगठनों को सहायता	685.00		
आजीविका (रु० 1662.27 करोड़)			अनुसूचित जनजाति के लिए उद्यम पूंजी कोष	50.00		
			प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन	1612.27		
			लॉजिस्टिक एवं मार्केटिंग सपोर्ट	145.00		
अनुसंधान (रु० 718.00 करोड़)	टी.आर.आई. को समर्थन	590.00	जनजातीय अनुसंधान, आयोजन, आईईसी	128.00		
राज्य अनुदान (रु० 16296.00 करोड़)	पीवीटीजी विकास	1370.00				
	प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना	7276.00	पूर्वोत्तर योजना (आजीविका)	150.00		
	संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान	7500.00				
प्रशासनिक खर्च (रु० 387.75 करोड़)	राज्यों को प्रशासनिक सहायता	273.75	निगरानी और मूल्यांकन	114.00		
कुल		29526.45		3639.27		28919.72

पहल/उपलब्धियाँ

1. शिक्षा
2. सतत एवं लाभप्रद आजीविका
3. वन अधिकार अधिनियम (एफ.आर.ए.)
4. जनजातीय शोध संस्थान (टी.आर.आई)
5. बहु–क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान)
6. गैर सरकारी संगठनों को अनुदान
7. नए बजट की घोषणा – 2023
8. स्वास्थ्य
9. अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल नए समुदाय
10. अनुसूचित जनजाति घटक
11. डिजिटलीकरण
12. अभिनव पहल
13. सहयोग में पहल
14. आजादी का अमृत महोत्सव
15. कोविड–19 प्रबंधन में राज्यों के साथ सहयोग
16. पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ
17. मीडिया कवरेज
18. मन की बात

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'

शिक्षा

शिक्षा के क्षेत्र में जनजातियों के लिए राष्ट्रीय विजन

"एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)"

छात्रवृत्ति योजना

जनजातीय बच्चों की शिक्षा और भविष्य सरकार की प्राथमिकता

आज एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की संख्या में 5 गुना वृद्धि

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)

- अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए 1997–98 में ईएमआरएस की शुरूआत की गई। 2018–19 में इस के लिए विशेष योजना बनाई गई।
- कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए।
- प्रति स्कूल 480 छात्र।
- प्रारंभ में सविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदानित।
- 2026 तक 740 स्कूलों (प्रत्येक में 480 छात्र) का निर्माण और कार्यात्मक होना है। (3.5 लाख छात्रों को लाभान्वित करने का लक्ष्य)
- 5 करोड़ रूपये की दर से 211 पुराने स्कूलों का नवीकरण।
- प्रति स्कूल 5 करोड़ रूपये की दर से 15 सेंटर ऑफ एक्सेलेंस (क्रीडा क्षेत्र) की स्थापना।
- 2021–22 से 2025–26 की अवधि के लिए ₹ 28919.72 करोड़ स्वीकृत।

बजट घोषणाएं

2018–19:
"50% या अधिक और 20,000 एसटी आबादी वाले प्रत्येक ब्लॉक में एक ईएमआरएस स्थापित किया जाएगा, जो नवोदय विद्यालय के समकक्ष होगा।

2021–22:
"ऐसे प्रत्येक स्कूल की लागत को 20 करोड़ रूपये से बढ़ाकर ₹ 37.8 करोड़ और पहाड़ी और कठिन क्षेत्रों के लिए, ₹ 48 करोड़ करने का प्रस्ताव है। इससे हमारे जनजातीय छात्रों के लिए मजबूत बुनियादी सुविधाएं बनाने में मदद मिलेगी।"

	2013-14	2022-23
बजट परिव्यय	₹ 278.76 करोड़	₹ 2000.00 करोड़
स्वीकृत स्कूल	167	694
कार्यात्मक स्कूल	119	401
आवर्ती लागत	₹42,000.00 प्रति छात्र प्रति वर्ष	₹1,09,000.00 प्रति छात्र प्रति वर्ष
पूंजी लागत	₹12.00 करोड़ (मैदानी) ₹16.00 करोड़ (पहाड़ी/कठिन/पूर्वोत्तर)	₹37.80 करोड़ (मैदानी) ₹48.00 करोड़ (पहाड़ी/कठिन/पूर्वोत्तर)
सीबीएसई संबद्धता	69	292
पंजीकृत छात्र	34,365	1,13,275

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)

- ईआरएनईटी के माध्यम से 175 एकलव्य स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं के द्वारा डिजिटल प्रशिक्षण की शुरूआत
- जनजातीय छात्रों के लिए **राष्ट्रीय शैक्षिक सोसायटी (एनईएसटीएस)** का गठन
- नवोदय विद्यालय की तर्ज पर स्कूलों का केंद्रीय प्रबंधन
- शिक्षकों का क्षमता निर्माण और प्रधानाध्यापकों का नेतृत्व विकास

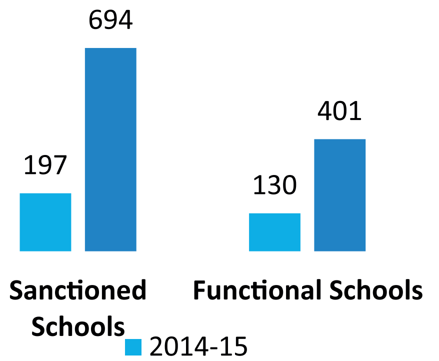

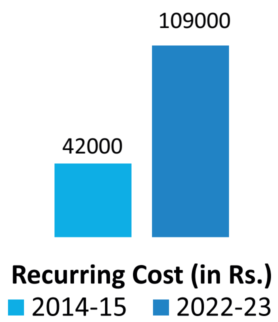

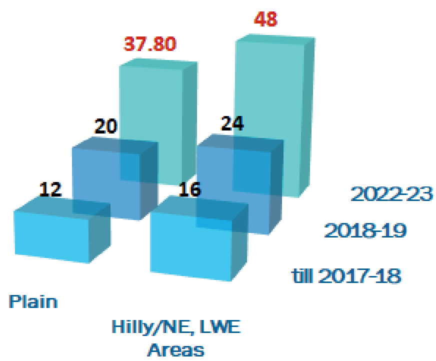

ईएमआरएस का सारांश

पुरानी योजना		नई योजना (सीसीईए के अनुमोदन के अनुसार स्वीकृति)		कुल		स्वीकृत किया जाना है	कुल लक्षित स्कूल
स्वीकृत स्कूल	कार्यशील	स्वीकृत स्कूल	कार्यशील	स्वीकृत स्कूल	कार्यशील		
288	248	405	153	694	401	46	740

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कार्यशील	कुल स्वीकृत (ईएमआरएस)	स्वीकृति के लिए बाकी (ईएमआरएस)
1	आंध्र प्रदेश	28	28	0
2	अरूणाचल प्रदेश	3	10	2
3	असम	1	14	3
4	बिहार	0	3	0
5	छत्तीसगढ़	73	74	1
6	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	1	1	0
7	गुजरात	34	43	5
8	हिमाचल प्रदेश	4	4	0
9	जम्मू और कश्मीर	6	6	0
110	झारखंड	7	89	3
11	कर्नाटक	12	12	0
12	केरल	4	4	0
13	लद्दाख	0	3	0
14	मध्य प्रदेश	63	70	2
15	महाराष्ट्र	37	37	2
16	मणिपुर	3	21	1
17	मेघालय	0	27	13
18	मिजोरम	6	17	0
19	नागालैंड	3	22	0
20	ओडिशा	32	106	13
21	राजस्थान	30	31	0
22	सिक्किम	4	4	0
23	तमिलनाडु	8	8	0
24	तेलंगाना	23	13	0
25	त्रिपुरा	6	21	0
26	उत्तर प्रदेश	2	4	0
27	उत्तराखंड	4	4	0
28	पश्चिम बंगाल	7	8	1
कुल योग		401	694	46

छात्रवृत्ति योजनाएं

जनजातीय कार्य मंत्रालय 5 छात्रवृत्ति योजना संचालित कर रहा है, जिसमें प्री–मैट्रिक, पोस्ट–मैट्रिक, राष्ट्रीय फेलोशिप, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति एवं राष्ट्रीय विदेश छात्रवृति

5 छात्रवृत्ति योजना, 30 लाख से अधिक छात्र लाभार्थी, 31 राज्य/संघ राज्य
2023-24 के लिए बजट: ₹ 2531.40 करोड़

	2013-14	2022-23
बजट परिव्यय (₹ करोड़ों में)	978.00	2531.40
कुल छात्र	31,24,231	36,43,993*
कार्यान्वयन का तरीका	मैन्युअल	पूरी तरह से ऑनलाइन

*वर्ष 2022–23 के लिए

योजना की उपलब्धियाँ

- पिछले 9 वर्षों में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित
- हर साल औसतन 30 लाख छात्र इन छात्रवृत्ति योजनाओं से लाभान्वित
- 5,000 छात्रों को एमफिल और पीएचडी करने के लिए फेलोशिप योजना का लाभ मिला
- 75 से अधिक छात्रों ने उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लिया
- लगभग 6,000 छात्रों ने केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत आईआईटी, एम्स, आईआईएम जैसे शीर्ष श्रेणी के संस्थानों में प्रवेश लिया
- छात्रवृत्ति योजना का आरंभ से अंत तक डिजिटलीकरण
- छात्रवृत्ति सीधे छात्र के खाते में जमा की जाती है
- एमआईएस, उमंग मोबाईल ऐप, एडीवी, डीबीटी पोर्टल पर राज्यों द्वारा डेटा साझा करना
- मंत्रालय की उपलब्धि और पहल का समीक्षात्मक डैशबोर्ड, प्रयास पीएमओ डैश बोर्ड, डीबीटी भारत पोर्टल पर डेटा साझा किया गया

डिजिटल सक्षम छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से जनजातियों का सशक्तिकरण

क्र. सं.	स्कीम का नाम	पाठ्यक्रम कवर किया गया	पात्रता
1.	मैट्रिक–पूर्व छात्रवृत्ति (Pre-Matric Scholarship)	कक्षा 9–10	• कक्षा 9–10 में पढ़ रहे अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए • माता–पिता की आय ₹ 2.5 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
2.	मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति (Post-Matric Scholarship)	सभी पोस्ट मैट्रिकुलेशन (दसवीं कक्षा से ऊपर) पाठ्यक्रम	• किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मैट्रिक के बाद के सभी पाठ्यक्रमों (11 से पीएच.डी स्तर तक) में पढ़ने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्र जिन्होंने कक्षा 10 (मैट्रिक) या समकक्ष उत्तीर्ण किया है। • माता–पिता की आय ₹ 2.5 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
3क.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (National Scholarship)	उत्कृष्ट संस्थानों में स्नातक, स्नातकोत्तर	• आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनआईटी जैसे 265 उत्कृष्ट संस्थानों में निर्धारित पाठ्यक्रमों के लिए चयनित छात्र। • माता–पिता की आय ₹ 6 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
3ख.	राष्ट्रीय फेलोशिप (National Fellowship)	पीएचडी, एम.फिल, एकीकृत एम.फिल + पीएचडी	• एम.फिल, पीएचडी, और एकीकृत एम.फिल + पीएचडी के लिए भारत में उच्चतर अध्ययन के लिए प्रत्येक वर्ष 750 फेलोशिप। • न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री
4.	राष्ट्रीय विदेश छात्रवृत्ति (National Overseas Scholarship)	स्नातकोत्तर, पीएचडी और विदेश में पोस्टडॉक्टोरल	• विदेश में स्नातकोत्तर, पीएचडी और पोस्ट–डॉक्टोरल के अध्ययन के लिए प्रत्येक वर्ष 20 नए छात्र। • माता–पिता की आय ₹ 6 लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

"जनजातीय युवाओं को भाषा की बाधा के कारण बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई के विकल्प भी खोल दिए गए हैं। अब हमारे आदिवासी बच्चे, जनजातीय युवा अपनी भाषा में पढ़ सकेंगे, आगे बढ़ सकेंगे।"

श्री नरेन्द्र मोदी | माननीय प्रधानमंत्री

सतत एवं लाभप्रद आजीविका

"देश के अलग-अलग राज्यों में 3 हजार से ज्यादा वनधन विकास केन्द्र स्थापित किए गए हैं। 2014 से पहले ऐसे बहुत कम, लघु वन उत्पाद होते थे, जो एम. एस. पी. के दायरे में आते थे। अब ये संख्या बढ़कर 7 गुना हो गई है। 50 हजार से ज्यादा वनधन स्वयं सहायता समूहों के जरिए लाखों जनजातीय लोगों को इसका लाभ हो रहा है।"

सतत एवं लाभप्रद आजीविका योजना

1. **प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम):**
   - **यह मिशन जनजातियों के सतत विकास एवं जीविकोपार्जन** पर केंद्रित है
   - वन धन विकास केंद्र और वन धन निर्माता उद्यम
   - एमएफपी खरीद, एमएफपी आपूर्ति शृंखला में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण
   - जनजातीय कारीगरों की वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण आदि
   - ट्राइफेड को समर्थन
2. **उत्तर–पूर्वी क्षेत्र से जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विपणन और संभारिकी विकास:**
   - पूर्वोत्तर क्षेत्र के जनजातीय कारीगरों के लिए आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ बनाने के लिए 2021–22 में जनजातीय उत्पादों की खरीद, लॉजिस्टिक एवं मार्केटिंग व्यवस्था।
3. **एनएसटीएडीसी / एसटीएफडीसी:**
   - योजना के तहत, एनएसटीएफडीसी चैनलाइजिंग एजेंसियों के माध्यम से जनजातीय उद्यमियों को ब्याज की रियायती दरों पर ऋण प्रदान करता है।
4. **अनुसूचित जनजातियों के लिए वेंचर कैपिटल फंड्स:**
   - योजना को 2021–22 के दौरान अनुमोदित किया गया है और इसका उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें रियायती वित्त प्रदान करना है।

संरचना

- 'पीएमजेवीएम' की योजना के तहत वीडीवीके घटक के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी - ट्राइफेड
- वीडीवीके - जनजातीय उत्पादों/उपज की खरीद मूल्यवर्धन के लिए सामान्य सुविधा केंद्र
- प्रत्येक वीडीवीके एसएचजी के लगभग 20 सदस्य
- 15 वीडीवीके एसएचजी लगभग 300 सदस्य से एक वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) का गठन
- मजबूत शासन तंत्र - राज्य नोडल विभाग, राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (State Implementation Agency) और परामर्श एजेंसियां

गतिविधियां

- वीडीवीके के संवर्धन, प्रशिक्षण और उपकरण सहायता के लिए ट्राइफेड के माध्यम से एसआईए को 15 लाख रूपये का केंद्रीय अनुदान
- वीडीवीके - मूल्यवर्धन, पैकेजिंग, और ब्रांडिंग के लिए जनजातीय स्टार्ट-अप
- मोबाइल ऐप और जीआईएस के माध्यम से सभी जनजातीय लाभार्थियों, वीडीवीके एसएचजी और वीडीवीके का डिजिटलीकरण
- गुणवत्ता जांच के माध्यम से वीडीवीके का पैनल, ट्राइफेड 'ट्राइब्स इंडिया, अमेजॉन, स्नैपडील, फ्लिपकार्ट इत्यादि के माध्यम से बिक्री

वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके)

- 3555 वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके), ₹527.77 करोड़ की निधि स्वीकृत की गई
- 10,63,171 लाख जनजातीय लाभार्थी
- 28 राज्यों/संघराज्य क्षेत्रों में 61,636 स्वयं सहायता समूह

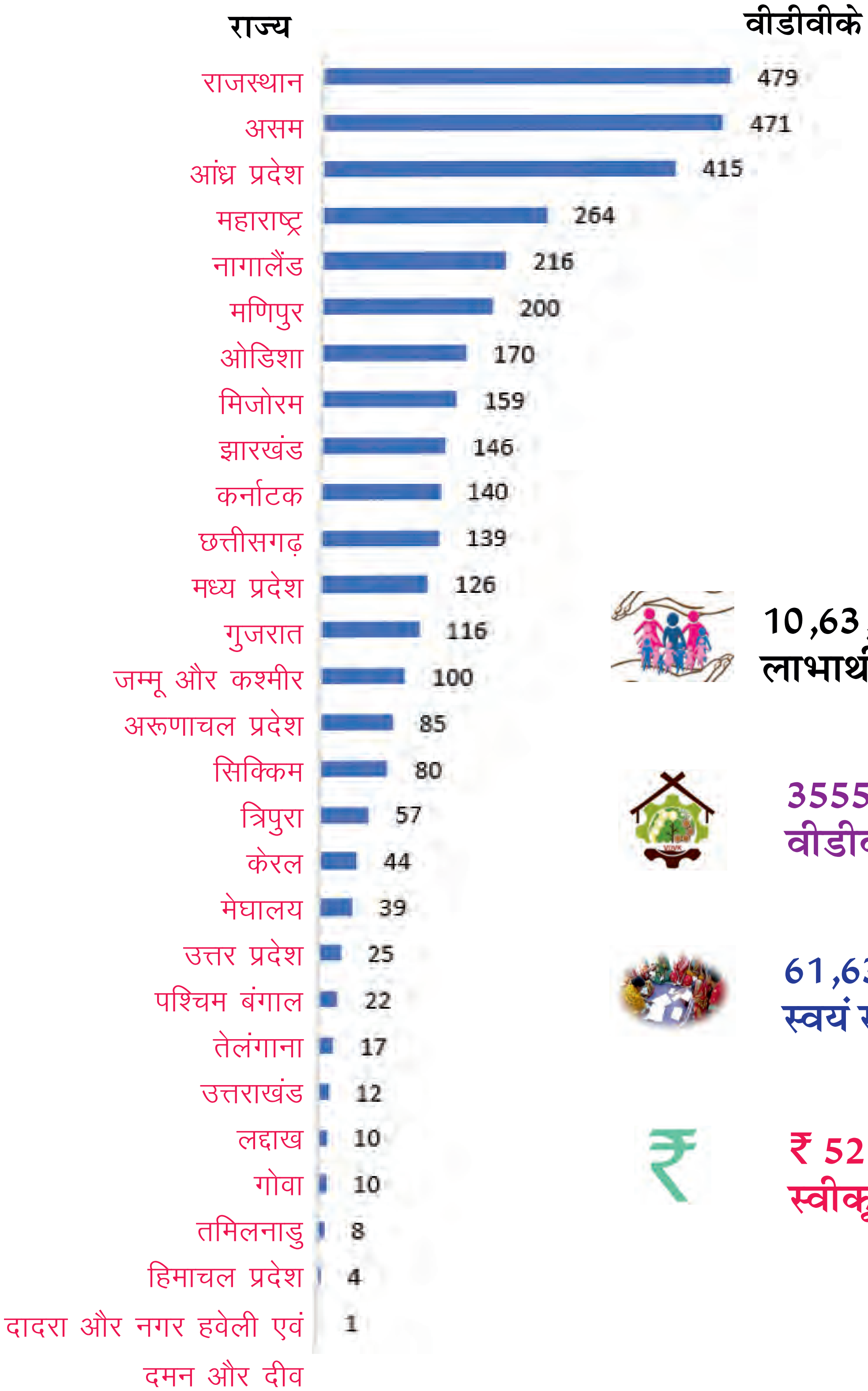

10,63,171 लाभार्थी

3555 वीडीवीके

61,636 वन धन – स्वयं सहायता समूह

₹ 52,777.05 लाख स्वीकृत निधियाँ

समर्थन मूल्य निर्धारण के माध्यम से आजीविका को मजबूत बनाना

लघु वनोपज (एमएफपी) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसवी) योजनाः

- लघु वनोपज के लिए एमएसपी में वृद्धि की गई
- इस योजना के तहत पिछले 3 वर्षों में 16 राज्यों द्वारा रु० 342 करोड़ की एमएफपी खरीद की गई
- 2020–21 से एमएफपी योजना सूची में एमएसपी के तहत 37 नई मदें शामिल
- एमएसपी योजना के तहत एमएफपी की संख्या 12 से बढ़ाकर 87 की गई है
- जनजातीय जमाकर्ताओं को बहुत आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कोविड 19 महामारी के दौरान 50 मौजूदा एमएफपी की कीमत बढ़ा दी गई
- 2014–15 से 2020–2021 के दौरान योजना के तहत राज्यों को रु० 408.81 करोड़ सहायता अनुदान जारी किया गया।

जनजातीय उत्पादों का मार्केटिंग

- हवाई अड्डों सहित देश भर में 119 आउटलेट, 2016–17 से 2020–21 तक 130 करोड़ की बिक्री के साथ
  - लोकल के लिए वोकलः केवल जनजातीय कारीगरों के लिए ई–मार्केट प्लेस
  - "भारत के लिए जनजाति" ब्रांड के माध्यम से ई–मार्केटिंग
  - अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील और जेम के साथ गठबंधन (टाइअप)
- ट्राइफूडः फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के माध्यम से एमएफपी परियोजनाओं का मूल्यवर्धन

एनएसटीएफडीसी की प्रमुख योजनाएं:

Term Loan

- ₹ 50.00 लाख प्रति यूनिट तक की लागत वाली व्यवहार्य योजनाओं के लिए
- एनएसटीएफडीसी से 90% तक की सहायता और शेष राशि सब्सिडी/मार्जिन मनी आदि के माध्यम से पूरी की जाती है
- ब्याज दर 6–8–10% के बीच में

Adivasi Mahila Sashaktikaran Yojana (AMSY)

- अनूसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए एक विशेष योजना
- ₹ 2 लाख तक की लागत वाली योजनाओं के लिए 90% तक की वित्तीय सहायता
- 4% प्रति वर्ष की अत्यधिक रियायती ब्याज दर

Micro Credit Scheme

- एसटी एसएचजी के सदस्यों की लघु वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए
- ₹ 50,000 प्रति सदस्य की सीमा के साथ प्रति एसएचजी ₹ 5 लाख तक की वित्तीय सहायता
- ब्याज दर 6% प्रति वर्ष

Adivasi ShikshaRrinn Yojana

- अनुसूचित जनजाति के छात्रों द्वारा भारत में पीएचडी सहित तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता
- एनएसटीएफडीसी से 90% तक की सहायता, प्रति परिवार 6% की दर से अधिकतम ₹10 लाख का ऋण

एनएसटीएफडीसी की उपलब्धियां:

- एनएसटीएफडीसी – रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करना
- एनएसटीएफडीसी का उद्देश्य स्वरोजगार सृजित करना है
- जनजातीय उद्यमियों को सशक्त बनाने वाली विभिन्न योजनाओं के तहत 341186 जनजातीय परिवारों को रियायती दर पर ऋण दिया गया।

(₹ करोड़ में)

योजनायें		2018–19	2019–20	2020–21
सावधि ऋण	वितरित राशि	179.12	217.41	190.67
	लाभार्थी	31363	86922	71869
एएमएसवाई	वितरित राशि	2.40	9.47	14.49
	लाभार्थी	479	1177	1773
एमसीएफ	वितरित राशि	109.58	55.91	159.83
	लाभार्थी	38814	16990	91665
एएसआरवाई (शिक्षा ऋण)	वितरित राशि	2.22	1.22	2.24
	लाभार्थी	108	36	199

वेंचर कैपिटल फंडः

- अनुसूचित जनजाति के लिए ₹ 50 करोड़ के कोष के साथ उद्यम पूंजी कोष की स्थापना की जाएगी
- आईएफसीआई लिमिटेड की सहायक आईएफसीआई उद्यम पूंजी निधि लि० के पास एससी और बीसी की वेंचर कैपिटल के प्रबंधन और कार्यान्वयन में विशेषज्ञता और अनुभव है।

ब्यौरे	विवरण
प्रस्तावित निधि का नाम	अनुसूचित जनजातियों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वीसीएफ– एसटी)
निधि के सेटलर	आईएफसीआई लिमिटेड
निवेश प्रबंधन कंपनी/परिसंपत्ति प्रबंधन का नाम कंपनी (एएमसी)	आईएफसीआई उद्यम पूंजी निधि लिमिटेड (प्रस्तावित)
प्रारूपण और कार्यान्वयन	आईएफसीआई और एनएसटीएफडीसी

"आज भारत के पारंपरिक, और खासकर जनजातीय समाज द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों की डिमांड लगातार बढ़ रही है आज पूर्वोत्तर के उत्पाद विदेशों तक में निर्यात हो रहे हैं।आज बैम्बू से बने उत्पादों की लोकप्रियता में तेजी से वृद्धि हो रही है। "

श्री नरेन्द्र मोदी | माननीय प्रधानमंत्री

एफ. आर. ए.

अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006

आज सारा विश्व विशेष रूप से पश्चिम के देश पर्यावरण संरक्षण की चर्चा कर रहे हैं और संतुलित जीवनशैली balance life के लिए नए रास्ते ढूंढ रहे हैं। वैसे आज हमारा भारतवर्ष भी इस समस्या से अछूता नहीं है, लेकिन इसके हल के लिए हमें बस अपने भीतर झाँकना है, अपने समृद्ध इतिहास, परंपराओं को देखना है और खासकर अपने जनजातीय समुदायों की जीवनशैली को समझना है। प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर के रहना हमारे आदिवासी समुदायों की संस्कृति में शामिल रहा है। हमारे आदिवासी भाई-बहन पेड़-पौधों और फूलों की पूजा देवी-देवताओं की तरह करते हैं।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 28 अक्टूबर 2018

मुख्य विशेषताएं

- 'एफआरए, 2006' में वन में रहने वाली अनुसूचित जनजातियों (एफडीएसटी) और अन्य परंपरागत वनवासियों (ओटीएफडी) के वन अधिकारों और वन भूमि में अधिकार को मान्यता देने और निहित करने के प्रावधान हैं
- एफआरए और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, अधिनियम के कार्यान्वयन का उत्तरदायित्व राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का है
- 31.03.2023 तक, एफआरए 2006 के तहत कुल 45,44,886 दावे (43,64,312 व्यक्तिगत और 1,80,574 समुदाय) दर्ज किए गए हैं और 1,75,68,573.88 एकड़ (व्यक्ति के लिए 46,57,605.58 एकड़ और समुदाय के लिए 1,39,10,968.30 एकड़) वन भूमि में 23,07,712 टाइटल (21,99,012 व्यक्तिगत और 1,08,700 समुदाय) वितरित किए गए हैं
- एफआरए, 2006 के कार्यान्वयन के लिए, जनजातीय कार्य मंत्रालय और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिवों द्वारा संयुक्त–पत्र जारी किया गया है।

	2014	2023
व्यक्तिगत वन अधिकार	14,11,673	21,99,012
सामुदायिक वन अधिकार	23,440	1,08,700
दावों का निपटारा	14,35,113	23,07,712
वितरित भूमि क्षेत्र	55 लाख एकड़	175 लाख एकड़

"आज जब sustainable development की बात होती है, तो हम गर्व से कह सकते हैं कि दुनिया को हमारे जनजातीय समाज से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। हम कैसे पेड़ो से, जंगलों से, नदियों से, पहाड़ों से हमारी पीढ़ियों का रिश्ता जोड़ सकते हैं, हम कैसे प्रकृति से संसाधन लेकर भी उसे संरक्षित करते हैं, उसका संवर्धन करते हैं, इसकी प्रेरणा हमारे जनजातीय भाई-बहन हमें लगातार देते रहते हैं और, यही बात आज भारत पूरे विश्व को बता रहा है।"

श्री नरेन्द्र मोदी| माननीय प्रधानमंत्री

एफआरए का निगरानी तंत्र

- मासिक प्रगति रिपोर्ट
- अनुसंधान और प्रभाव आकलन
- न्यायिक मामलों का अनुवर्तन
- समर्पित एफआरए पोर्टल
- प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण
- राज्यों के साथ नियमित बातचीत

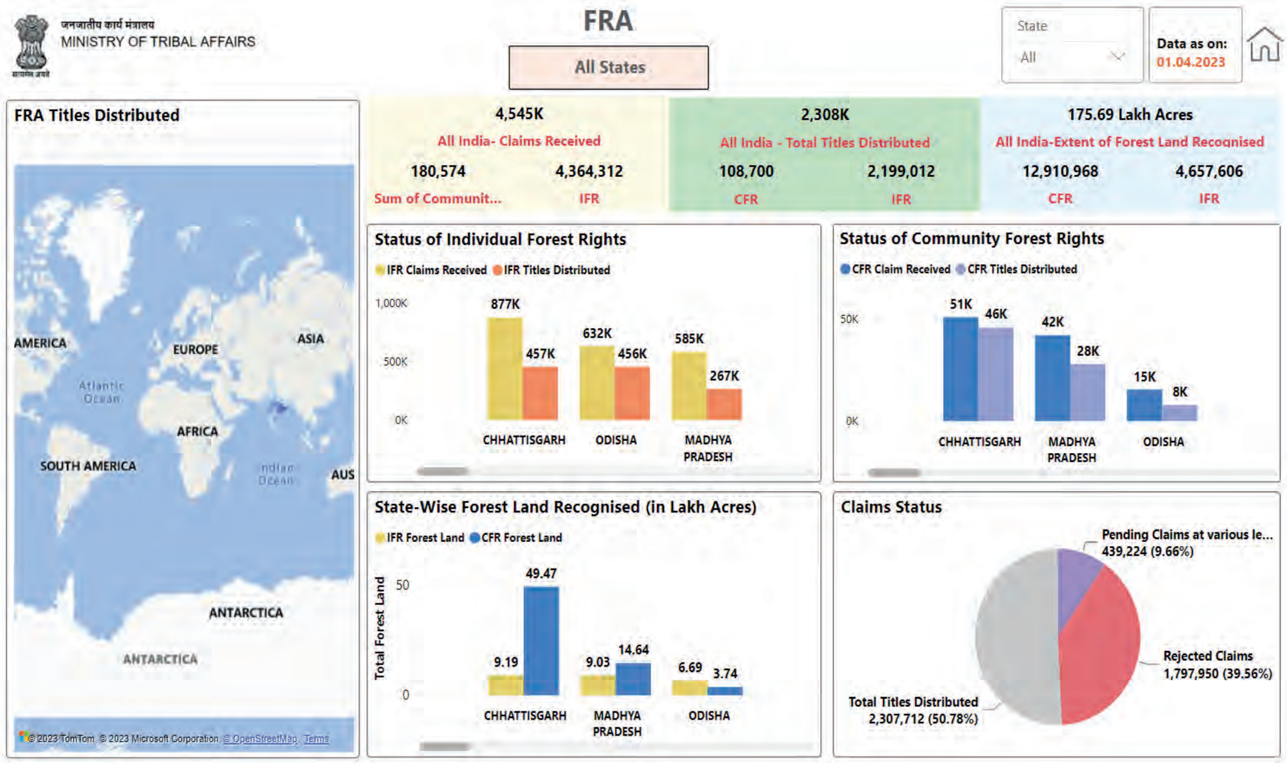

राज्यों के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के साथ संयुक्त संप्रेषण – मुख्य विशेषताएं

- अधिनियम के प्रभावी और शीघ्र कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना
- राज्य वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को वन निवासी अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वनवासियों के लाभ के लिए ऐसे सामुदायिक वन संसाधनों के लिए संरक्षण और प्रबंधन योजना तैयार करने के लिए अधिनियम के नियम 4(1) (ङ) और (च) के तहत सहायता प्रदान करना
- ऐसी संरक्षण और प्रबंधन योजनाओं को सूक्ष्म योजनाओं या कार्य योजनाओं या प्रबंधन योजनाओं के साथ एकीकृत करना
- राज्य सरकारों से संयुक्त सम्प्रेषण में राज्य वन विभाग और राज्य जनजाति कल्याण विभाग के बीच घनिष्ठ सहयोग और समन्वय सुतिश्चित करने का आग्रह किया जाता है, जो जमीनी स्तर पर वन पारिस्थितिकी तंत्र और जनजातीय समुदायों दोनो के लिए एक जीत की स्थिति प्रदान करेगा
- अधिनियम को पूर्णतः लागू करने में सक्षम बनाने के लिए जनजाति कल्याण और वन विभागों के बीच तालमेल बनाना।

जनजातीय शोध संस्थान (टी.आर.आई.)

"

आज भारत पूरी दुनिया के बड़े-बड़े मंचों पर जाता है, **तो आदिवासी परंपरा को अपनी विरासत और गौरव के रूप में प्रस्तुत करता है।**

आदि महोत्सव में पीएम मोदी, 16 फरवरी 2023

जनजातीय शोध संस्थान

	2013	2023
स्वीकृत टीआरआई	17	27
शोध कार्य का भण्डार	नियमावली	ऑनलाइन
कार्यान्वयन का तरीका	ऑफ़लाइन आधारित, भौतिक रिपोर्टिंग आदि	वास्तविक समय, ऑनलाइन रिपोर्ट, डैशबोर्ड आदि।

टी.आर.आई. के मुख्य उद्देश्य:

- जनजातीय विषयों पर अनुसंधान और मूल्यांकन
- व्यक्तिगत/परिवार आधारित अधिकारों के लिए डेटाबेस तैयार करना
- जनजातीय कला और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और प्रलेखन
- विभिन्न हितधारकों का प्रशिक्षण और क्षमता–संवर्धन
- जनजातियों का सांस्कृतिक आदान–प्रदान भ्रमण
- रिपॉजिटरी का विकास और रखरखाव
- नए स्मारकों/संग्रहालयों का निर्माण और रखरखाव
- जनजातीय शोध संस्थानों का भवन निर्माण।

2014 के बाद स्वीकृत नए टी.आर.आई. का विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य	स्थान	मंत्रालय द्वारा अनुमोदन का वर्ष	भवन की स्थिति
1	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा	2014	निर्मित
2	उत्तराखंड	देहरादून	2016	निर्मित
3	कर्नाटक	मैसूर		निर्मित
4	अरुणाचल प्रदेश	नाहरलगुन	2018	निर्माणाधीन
5	जम्मू और कश्मीर	जम्मू	2016	निर्माणाधीन
6	मिजोरम	आइजोल	2018	निर्माणाधीन
7	नागालैंड	कोहिमा	2018	निर्माणाधीन
8	सिक्किम	गंगटोक	2016	निर्माणाधीन
9	मेघालय	पश्चिम गारो हिल्स	2018	निर्माणाधीन
10	गोवा	अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है	2020	अभी शुरू होना है

डिजिटलीकरण:

- राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान पोर्टल (https://tritribal.gov.in) टीआरआई/सीओई/अनुसंधान संगठनों के कामकाज की निगरानी।
- जनजातीय डिजिटल दस्तावेज़ रिपोजिटरी वेबपेज (https://shramshakti.tribal.gov.in) टीआरआई/अनुसंधान संगठनों/सीओई के लिए रिपोर्ट/प्रकाशन आदि अपलोड करना
- विभिन्न गतिविधियों के फोटो और वीडियो अपलोड करने के लिए जनजातीय भंडार (https://tribal.nic.in/repository/)
- राष्ट्रीय प्रवास सहायता पोर्टल (https://shramshakti.tribal.gov.in/) को मोबाइल ऐप के साथ एकीकृत किया गया है ताकि ग्रामीण स्तर के आउट–माइग्रेशन डेटा को कैप्चर किया जा सके
- आदि प्रशिक्षण पोर्टल (https://adiprashikshan.tribal.gov.in/) जनजातीय कार्य मंत्रालय और राज्य जनजातीय विकास/कल्याण विभाग के साथ–साथ अन्य नोडल एजेंसियों द्वारा संचालित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस के रूप में कार्य करने के लिए
- आदि प्रसारण पोर्टल (https://adiprasaran.tribal.gov.in/) अभिनव पहल, गतिविधियों, समारोहों, सेमिनार, वेबिनार, सम्मेलनों, समाचार, पीआईबी समाचार, कार्यक्रमों और जनजातीय कार्य मंत्रालय के कार्यों पर अद्यतन जानकारी दिखाने के प्रावधान के साथ।

जनजातीय शोध संस्थान, छत्तीसगढ़

जनजातीय शोध संस्थान, उत्तराखंड

जनजातीय शोध संस्थान, कर्नाटक

जनजातीय शोध संस्थान, आंध्र प्रदेश

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के लिए संग्रहालय

"सरकार ऐसे राज्यों में स्थायी संग्रहालय बनाना चाहती है और योजना बना रही है जहां जनजातीय लोग रहे, अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया और झुकने से इनकार कर दिया। सरकार विभिन्न राज्यों में ऐसे संग्रहालय बनाने का कार्य करेगी ताकि भावी पीढ़ियाँ यह जान सके कि कैसे हमारे जनजातीय लोग बलिदान करने में कितने आगे थे"

- **10 जनजातीय स्वतंत्रता सेनीनी संग्रहालयों को मंजूरी**
- संग्रहालय प्रदर्शित करेंगे कि कैसे जनजातियों ने अपने जंगलों, भूमि अधिकारों, संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया और अपनी वीरता और बलिदान का प्रदर्शन किया
- नवीनतम तकनीकों के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के लिए संग्रहालय – निर्माण की स्थिति

क्र.सं.	राज्य	स्थान	स्वीकृत का वर्श	परियोजना की लागत	स्वीकृत अनुदान	जारी अनुदान (लाख रु० में)
1	गुजरात	राजपीपला	2017–18	137.01	50.00	50.00
2	झारखंड	राँची	2017–18	36.66	25.00	25.00
3	आंध्र प्रदेश	लम्बासिंगि	2017–18	35.00	15.00	7.50
4	छत्तीसगढ	रायपुर	2017–18	25.66	15.00	4.65
5	केरल	कोझिकोड	2017–18	16.16	15.00	7.50
6	मध्य प्रदेश	छिंदवाड़ा	2017–18	38.26	15.00	11.77
7	तेलंगाना	हैदराबाद	2018–19	18.00	15.00	1.00
8	मणिपुर	तामेंगलांग	2018–19	51.38	15.00	1.00
9	मिजोरम	मुलंगो, केल्सिहो	2019–20	15.00	15.00	10.52
10	गोवा	पोंडा	2020–21	30.00	15.00	0.10

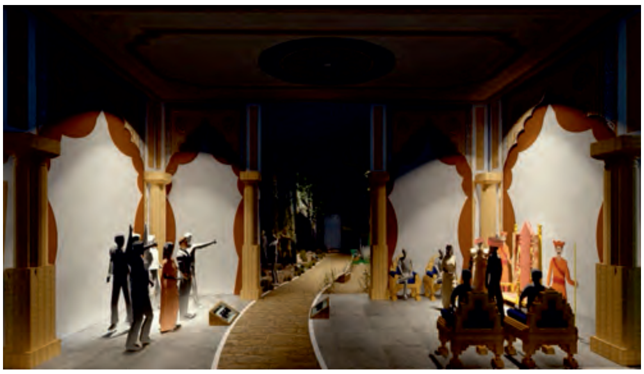

"पहली बार देश ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की है। पहली बार अलग-अलग राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी म्यूजियम्स खोले जा रहे हैं। मुझे झारखंड के रांची में भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित म्यूजियम के लोकार्पण का अवसर मिला। ये देश में पहली बार हो रहा है, लेकिन इसकी छाप आने वाली कई पीढ़ियों में दिखाई देगी। ये प्रेरणा देश को कई सदियों तक दिशा देगी।"

श्री नरेन्द्र मोदी| माननीय प्रधानमंत्री

बहु-क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान)

- पीवीटीजी का विकास सह संरक्षण
- संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (जनजातीय उप-योजना को विशेष केंद्रीय सहायता योजना)

नये भारत का
₹बजट
2023-24
"जनजातीय समूहों के विकास के लिए प्रधानमंत्री PVTG विकास मिशन होगा शुरू। इस पर अगले 3 साल में 15,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे"
#AmritKaalBudget

पीवीटीजी के विकास के लिए योजना

मुख्य विशेषताएं

- 75 पीवीटीजी – 18 राज्यों एवं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ में।
- योजना के अंतर्गत क्षेत्रः शिक्षा, आवास, भूमि विकास, कृषि विकास, पशुपालन, लिंक सड़कों का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था के लिए ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोतों की स्थापना, इत्यादि
- **वर्ष 2014–15 से 2022–23 तक जारी निधियां – ₹1910.41 करोड़**

पीवीटीजी के विकास की योजना की वित्तीय उपलब्धि

वित्तीय वर्ष	जारी अनुदान (₹ करोड़ में)
2014–15	180.00
2015–16	213.54
2016–17	340.21
2017–18	239.49
2018–19	250.00
2019–20	249.99
2020–21	140.00
2021–22	160.00
2022–23	137.18

पीवीटीजी विकास योजना के तहत 2018–19 से 2022–23 तक क्षेत्रवार धनराशि स्वीकृत (₹ लाख में)	
क्षेत्र	धनराशि स्वीकृत
शिक्षा	22467.27
स्वास्थ्य और पोषण	27566.87
बुनियादी ढाँचे का विकास	57350.01
आजीविका और आय सृजन (एएच एवं कृषि)	31899.72
पेय जल	8614.6
कौशल विकास	2080.95
क्रीड़ा	463.5
सड़क और कनेक्टिविटी	8949.18
अनुसंधान, प्रशासन, दस्तावेजीकरण और अन्य को बढ़ावा देना	6391.55
कुल धनराशि स्वीकृत	165783.65

बहु-क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान)

पीवीटीजी विकास योजना के अंतर्गत वर्षवार एवं क्षेत्रवार धनराशि स्वीकृत (₹ लाख में)

क्षेत्र	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23
शिक्षा	1776.82	5985.03	5938.52	7581.9	1185
स्वास्थ्य और पोषण	4305.18	1455.6	2597.27	1991.82	17217
बुनियादी ढाँचे का विकास	5425.48	10204.7	4023.99	3550.04	34145.08
आजीविका और आय सृजन (एएच एवं कृषि)	11330.54	8263.01	5646.33	4343.87	2315.97
पेय जल	4443.6	648.25	374.05	1681.2	478.03
कौशल विकास	599.14	648.25	560.48	223.08	50
क्रीड़ा	0	49	21	21	372.05
सड़क और कनेक्टिविटी	1588.11	1678.5	1930	1605	2147.57
अनुसंधान, प्रशासन, दस्तावेजीकरण और अन्य को बढ़ावा देना	1102.76	945.81	173.72	4069.26	100
कुल धनराशि स्वीकृत	30571.63	30867.2	21265.8	25067.2	58011.9

संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत अनुदान

मुख्य विशेषताएं

- योजना के अंतर्गत क्षेत्र: शिक्षा, आजीविका, बुनियादी ढाँचा, स्वास्थ्य, इत्यादि।
- वर्ष **2014–15** से **2022–23** तक जारी निधियां – **₹12567.94 करोड़**

संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत अनुदान

वित्तीय वर्ष	जारी अनुदान (₹ करोड़ में)
2014–15	1181.83
2015–16	1472.76
2016–17	1220.40
2017–18	1510.66
2018–19	1819.81
2019–20	2662.55
2020–21	800.00
2021–22	923.44
2022–23	976.49

अनुच्छेद 275(1) नियम के तहत 2018–19 से 2022–23 तक क्षेत्रवार धनराशि स्वीकृत (₹ लाख में)	
क्षेत्र	धनराशि स्वीकृत
शिक्षा	465495
स्वास्थ्य और पोषण	51486.04
बुनियादी ढाँचे का विकास	65580.06
आजीविका और आय सृजन (एएच एवं कृषि)	105939.2
पेय जल	19632.24
कौशल विकास	10276.22
क्रीड़ा	12752.74
सड़क और कनेक्टिविटी	52815.95
अनुसंधान, प्रशासन, दस्तावेजीकरण और अन्य को बढ़ावा देना	44848.31
कुल धनराशि स्वीकृत	828826.12

बहु-क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान)

अनुच्छेद 275(1) नियम के तहत 2018–19 से 2022–23 तक वर्षवार एवं क्षेत्रवार धनराशि स्वीकृत (₹ लाख में)

क्षेत्र	2018–19	2019–20	2020–21	2021–22	2022–23
शिक्षा	118125.79	211079.3	60442.7	33459.5	42387.8
स्वास्थ्य और पोषण	11563.86	9945.12	10611.6	7692.03	11673.8
बुनियादी ढाँचे का विकास	12379.81	8981.89	6363.01	15097	22758.03
आजीविका और आय सृजन (एएच एवं कृषि)	22674.25	25160.85	22918.5	16624.07	18560.9
पेय जल	6100.27	3656.32	3990.66	1551.04	4333.59
कौशल विकास	4751.41	2812	898.17	1804.64	10
क्रीड़ा	4758.98	3130.13	1898	1931.59	1034.04
सड़क और कनेक्टिविटी	5098.91	7564.67	8475.25	10936.6	20740.5
अनुसंधान, दस्तावेजीकरण और अन्य	15800.4	9636.34	1532.49	13164	4715.11
कुल धनराशि स्वीकृत	198253.7	281966.6	117130.4	99260.47	126213.8

जनजातीय उप-योजना को विशेष केंद्रीय सहायता की योजना

- योजना के अंतर्गत क्षेत्रः शिक्षा, आजीविका, बुनियादी ढाँचा, स्वास्थ्य, इत्यादि।
- **2014–15 से 2020–21 तक जारी निधियां – ₹8215.94 करोड़**

जनजातीय उप-योजना के तहत अनुदान

वित्तीय वर्ष	जारी निधियां (₹ करोड़ में)
2014–15	1039.61
2015–16	1132.17
2016–17	1195.02
2017–18	1349.19
2018–19	1350.16
2019–20	1349.86
2020–21	799.93

जनजातीय उप–योजना के तहत अनुदान (2018–19 से 2020–21)

क्षेत्र	पीएसी द्वारा अनुमोदित राशि (₹ लाख में)
व्यवस्थापक, अनुसंधान, दस्तावेजीकरण, कला एवं संस्कृति	11581.31
पशुपालन	7039.39
पेय जल एवं PWS	6646.48
पारिस्थितिकी पर्यटन (Eco-Tourism)	5809.03
शिक्षा	118301.5
स्वास्थ्य एवं पोषण	31249.36
बुनियादी ढाँचे का विकास	16856.78
सिंचाई एवं जलसंभार प्रबंधन	35282.07
आजीविका	123963
सड़क और कनेक्टिविटी	13910.34
कौशल विकास	35288.81
क्रीड़ा	2979
कुल	408907

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजनाः

- जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 2021–22 से 2025–26 के दौरान कार्यान्वयन के लिए 'प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई)' नामकरण के साथ जनजातीय उप–योजना (एससीए से टीएसएस) के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की पिछली योजना को नया रूप दिया है
- पांच वर्षों के पहले चरण में 50% जनजातीय आबादी और 500 एसटी वाले 36428 गाँवों की पहचान

  भारत @75 – हर साल 7500 गाँवों को एकीकृत विकास के लिए लिया जाएगा
- 54 जनजातीय आकांक्षी जिला
- एसटीसी घटक वाले मंत्रालयों की योजनाओं की पहचान ग्रामीण बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक अधिकार प्रदान करने और आजीविका प्रदान करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों की प्रासंगिक योजनाओं की पहचान की गई है।
- संतृप्ति के लिए केंद्र और राज्य एसटीसी निधियों के साथ संयोजन
- एनजीओ, सीएसआर और आईटीडीए तंत्र के साथ सहयोग
- ग्राम स्तरीय विकास योजना तैयार करना
  - योजना के तहत चिन्हित प्रमुख मापदंडों में अंतरों के आधार पर बुनियादी ढाँचा विकास योजना
  - व्यक्तिगत लाभार्थियों का आकलन (मैपिंग)

चिन्हित गाँवों के एकीकृत विकास के लिए अगले 5 साल में ₹ 7425 करोड़ अनुमोदित गतिविधियों के लिए प्रशासनिक खर्च सहित 'गैप-फिलिंग' के रूप में प्रति गाँव ₹ 20.38 लाख

प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना (पीएमएएजीवाई)

लक्ष्य
चिन्हित अंतरों के आधार पर गाँवों का व्यापक विकास

मानदंड
कम से कम 50% जनजातीय आबादी और 500 एसटी वाले गाँव

कवरेज

- योजना के तहत चयनित कुल गाँव : 36428
- इन गाँवों में कुल आबादी : 51359564
- इन गाँवों में कुल एसटी आबादी : 42239236
- देश में कुल एसटी आबादी का प्रतिशत : 40.42%

पीएमएएजीवाई एक नजर में

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	जिलों की संख्या	ब्लॉकों की संख्या	ग्राम पंचायतों की संख्या	गाँवों की संख्या 36428
	458	2361	24775	
29	संसदीय क्षेत्र.की संख्या	परिवारों की कुल संख्या	गाँव की कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी	
	332	1,02,77,325	4,21,31,721	
	योजनाओं की संख्या	राशि करोड़ में	मंत्रालयों की संख्या	
व्यक्तिगत अधिकार	39	23645	11	
आधारभूत संरचना	19	25786	7	

बहु-क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान)

एकीकृत जनजातीय ग्राम विकास कार्यक्रम - 36,428 ग्राम

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	जिलों की संख्या	ब्लॉक की संख्या	ग्राम पंचायतों की संख्या	गाँवों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	12	83	453	573
2	छत्तीसगढ़	25	120	3765	4029
3	गुजरात	20	94	2612	3762
4	हिमाचल प्रदेश	7	18	83	90
5	झारखंड	23	207	1611	3886
6	मध्य प्रदेश	47	248	5231	7300
7	महाराष्ट्र	30	187	2638	3604
8	ओडिशा	24	151	860	1652
9	राजस्थान	27	181	2362	4309
10	तेलंगाना	26	145	434	477
11	अरूणाचल प्रदेश	18	50	138	141
12	असम	28	129	611	1700
13	बिहार	10	37	91	184
14	गोवा	2	9	17	21
15	जम्मू और कश्मीर	20	98	276	297
16	कर्नाटक	25	99	385	508
17	केरल	3	4	5	6
18	लद्दाख	2	30	125	132
19	मणिपुर	12	42	147	254
20	मेघालय	11	46	836	836
21	मिजोरम	11	26	337	344
22	नागालैंड	11	74	529	530
23	सिक्किम	4	21	51	62
24	तमिलनाडु	11	27	89	167
25	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	2	2	17	55
26	त्रिपुरा	8	55	319	373
27	उत्तर प्रदेश	12	24	157	188
28	उत्तराखंड	8	16	64	68
29	पश्चिम बंगाल	19	138	432	880
	कुल योग	458	2361	24775	36428

गाँवों का निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार वितरण

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संसदीय क्षेत्र की संख्या	गाँवों की संख्या	परिवारों की कुल संख्या	गाँव की कुल अनुसूचित जनजाति जनसंख्या
1	आंध्र प्रदेश	17	573	153665	531473
2	अरूणाचल प्रदेश	2	141	23390	116290
3	असम	14	1700	367420	1605040
4	बिहार	10	184	54283	104086
5	छत्तीसगढ़	12	4029	1192815	3968137
6	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	2	55	27618	130210
7	गोवा	2	21	9573	32592
8	गुजरात	21	3762	1343882	6395074
9	हिमाचल प्रदेश	4	90	17461	64140
10	जम्मू और कश्मीर	6	297	123114	471756
11	झारखंड	14	3886	922653	3696476
12	कर्नाटक	23	508	170742	598169
13	केरल	3	6	11982	26682
14	लद्दाख	1	132	24395	151300
15	मध्य प्रदेश	29	7300	1858631	7835549
16	महाराष्ट्र	38	3604	995592	4294462
17	मणिपुर	3	254	75001	411922
18	मेघालय	3	836	143669	798352
19	मिजोरम	2	344	77591	376745
20	नागालैंड	2	530	150840	844420
21	ओड़िशा	22	1652	461480	1494687
22	राजस्थान	23	4309	1146253	4977898
23	सिक्किम	1	62	16691	54608
24	तमिलनाडु	11	167	73547	275790
25	तेलंगाना	14	477	228050	678887
26	त्रिपुरा	3	373	211180	817233
27	उत्तर प्रदेश	12	188	58164	257554
28	उत्तराखंड	5	68	18539	64917
29	पश्चिम बंगाल	33	880	319104	1057272
कुल योग		332	36428	10277325	42131721

बुनियादी ढाँचे का निर्माण

वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एसटीसी आवंटन (₹ करोड़ में)

सेवाएं	मंत्रालय / विभाग	योजना	एसटीसी आवंटन
ग्राम पंचायत विकास योजना	पंचायती राज मंत्रालय	राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए)	83.51
एमजीएनआरईजीए	ग्रामीण विकास मंत्रालय	मनरेगा–कार्यक्रम घटक	7350.00
इंटरनेट और टेलीफोन सेवाएं	दूरसंचार विभाग	दूरसंचार अवसंरचना का निर्माण और संवर्द्धन – भारतनेट और अन्य	430.00
इंटरनेट कैफे / सीएससी	इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय	इलेक्ट्रॉनिक्स शासन–कार्यक्रम	40.00
विद्युतीकरण	विद्युत मंत्रालय	दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना	957.23
	एमओएनआरई	पवन ऊर्जा	229.00
		सौर ऊर्जा	150.00
पाइप्ड नल का पानी	जल शक्ति मंत्रालय	जल जीवन मिशन (जेजेएम) / एनआरडीडब्ल्यूएम	7000.00
ड्रेनेज सुविधाएं	पेयजल और स्वच्छता विभाग	एसबीएम–ग्रामीण	615.90
सड़क (आंतरिक सीसी / ईंट रोड)	ग्रामीण विकास मंत्रालय	पीएसमजीएसवाई	0
विद्यालय (आरटीई के तहत जनजातीय बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन)	शिक्षा मंत्रालय	समग्र शिक्षा	4130.55
		स्कूलों में मध्याहन भोजन का राष्ट्रीय कार्यक्रम	1250.51
		केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस)	500.70
		नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस)	410.60
	जनजातीय कार्य मंत्रालय	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	5943.00
स्वास्थ्य	डी / ओ एच एंड एफडब्ल्यू	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	2375.49
पशुपालन	डी / ओ एएच और डेयरी	आरपीवीवाई: 1) डेयरी विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम 2) राष्ट्रीय गोकुल मिशन 3) राष्ट्रीय पशुधन मिशन	131.72
		पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम	228.00
		अवसंरचना विकास कोष	17.20
जलविभाजक विकास	भूमि संसाधन विभाग	एकीकृत जलविभाजक विकास कार्यक्रम	220.00
कुल–20 योजनाएं			**32063.41**

"जनजातीय समुदायों को विकास प्रक्रिया में वास्तविक हितधारक बनाना आवश्यक है"

श्री नरेन्द्र मोदी | माननीय प्रधानमंत्री

संयोजन: व्यक्तिगत और पारिवारिक अधिकार

(₹ करोड़ में)

व्यक्तिगत/सामुदायिक पात्रता	मंत्रालय और विभाग	योजना	एसटीसी आवंटन
आधार कार्ड जारी करना	यूआईडीआई – एमईआईटीवाई	इलेक्ट्रॉनिक शासन–कार्यक्रम घटक	40.00
आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा कार्ड	एम/ओएच एंड एफडब्ल्यू	आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएसमजेएवाई)	688.97
स्वच्छ ऊर्जा (एलपीजी/बायो गैस)	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	प्रत्यक्ष लाभ अंतरण – एलपीजी	7.74
लेबर कार्ड	एमओएलएंडई	आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना	201.70
किसान सम्मान निधि	डी/ओ एसी और एफडब्ल्यू	पीएम – किसान	5196.20
भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण	भूमि संसाधन विभाग	भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम	19.58
एसटी परिवारों के लिए आवास	ग्रामीण विकास मंत्रालय	पीएमएवाई – ग्रामीण	9536.26
	एमओएचयूए	पीएमएवाई – शहरी	1204.01
100: टीकाकरण	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	एनएचएम	2375.49
आईसीडीएस के तहत टीएचआर	एम/ओ डब्ल्यूसीडी	सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण – 2	2007.01
प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति, पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति	जनजातीय कार्य मंत्रालय	प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति	411.63
		पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृत्ति	1970.77
	शिक्षा मंत्रालय	राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति योजना	22.00
पेंशन योजना	ग्रामीण विकास विभाग	इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (आईजीएनओएपीएस)	750.35
		इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (आईजीएनडब्ल्यूपीएस)	225.87
		इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय दिव्यांगता पेंशन योजना (आईजीएनडीपीएस)	26.35
दिव्यांगजन	दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग	दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता और उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए सहायता	21.07
		दीनदयाल दिव्यांग पुनर्वास योजना	9.31
		दिव्यांग व्यक्ति अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए योजना	12.90
कुल			24727.21

बहु-क्षेत्रीय योजनाएं (राज्यों को अनुदान)

व्यक्तिगत और पारिवारिक अधिकार

(₹ करोड़ में)

व्यक्तिगत/सामुदायिक पात्रता	मंत्रालय और विभाग	योजना	एसटीसी आवंटन
आजीविका	एम/ओएमएस और एमई	प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)	405.20
	जनजातीय कार्य मंत्रालय/ट्राइफेड	प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम)	288.49
	ग्रामीण विकास मंत्रालय	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	2472.60
	मत्स्य पालन विभाग	प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई)	182.56
	कृषि सहकारिता और किसान कल्याण विभाग	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई)	950.00
	जल संसाधन विभाग	हर खेत को पानी	50.00
	एमएसएमई	प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)	405.20
	एमओएनआरई	किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाभियान (कुसुम)	150.00
व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास	एमओएसडी और ई	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना	180.84
	कपड़ा मंत्रालय	कौशल विकास के लिए एकीकृत योजना	13.00
		राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम	36.50
	उच्चतर शिक्षा विभाग	शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम	40.00
कुल			5174.39

2021-22 और 2022-23 के दौरान स्वीकृत गाँवों और जारी राशि की स्थिति

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	गाँवों की संख्या	2021-22			2022-23		
		कुल गाँवों की संख्या	स्वीकृत गाँव	कुल जारी (लाख में)	स्वीकृत ग्राम विकास योजना	स्वीकृत गाँव	जारी राशि	स्वीकृत ग्राम विकास योजना
1	आंध्र प्रदेश	517	109	0	0	94	0	0
2	अरूणाचल प्रदेश	141	72	733.68	0	26	0	0
3	असम	1700	858	8743.02	858	309	11538.22	0
4	बिहार	184	76	774.44	0	34	0	0
5	छत्तीसगढ़	4029	1530	15595.8	1530	733	23021.82	0
6	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	55	12	0	0	10	173.23	0
7	गोवा	21	4	0	0	4	0	0
8	गुजरात	3764	1562	15916.78	1562	684	19401.76	0
9	हिमाचल प्रदेश	90	37	377.03	37	16	288.09	0
10	जम्मू और कश्मीर	302	64	0	0	55	932.39	0
11	लद्दाख	132	28	0	0	24	470.525	0
12	झारखंड	3891	819	6531.79	641	707	6915.28	0
13	कर्नाटक	507	210	2139.9	197	92	937.48	0
14	केरल	6	1	0	0	1	0	0
15	मध्य प्रदेश	7307	1538	12268.76	1538	1329	27694.54	1328
16	महाराष्ट्र	3605	759	0	759	794	13485.5	783
17	मणिपुर	254	53	427.98	0	46	295.47	0
18	मेघालय	836	176	0	0	152	3342.3	0
19	मिजोरम	344	72	580.83	72	63	1818.605	63
20	नागालैंड	530	112	886.53	112	96	2233.97	83
21	ओड़िशा	1653	348	2771.68	348	301	1001.24	225
22	राजस्थान	4302	906	7224.71	709	782	15269.66	151
23	सिक्किम	62	13	0	0	11	0	0
24	तमिलनाडु	167	35	285.32	0	30	285.62	0
25	तेलंगाना	533	222	2262.18	222	110	1681.035	110
26	त्रिपुरा	375	79	631.78	79	68	904.48	68
27	उत्तर प्रदेश	183	39	0	0	33	0	0
28	उत्तराखंड	64	13	0	0	12	0	0
29	पश्चिम बंगाल	874	184	0	0	159	3495.2	0
कुल योग		36428	9931	78152.21	8664	6775	135186.4	2811

6

गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

आज जब हम सस्टेनेबल डेवलेपमेंट की बात करते हैं तो **दुनिया को हमारे जनजातीय समुदायों से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है**

आदि महोत्सव के उद्घाटन पर पीएम मोदी
16 फरवरी 2023, दिल्ली

गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

- अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए काम कर रहे स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान
- इस योजना के तहत स्वास्थ्य और शिक्षा परियोजनाओं को चलाने के लिए स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान
- योजना का मुख्य उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाना और सेवा की कमी वाले जनजातीय क्षेत्रों में अंतरों को कम करना है।

	2013-14	2022-23
बजट परिव्यय	₹ 83.01 करोड़	₹ 109.25 करोड़
समर्थित संगठनों की संख्या	130	188
अनुदान प्रबंधन तंत्र	पूरी तरह से मैन्युअल	पूरी तरह से ऑनलाइन

योजना	सांकेतिक परियोजनाएं
अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों को सहायता अनुदान	आवासीय विद्यालय
	गैर आवासीय विद्यालय
	छात्रावास
	10 बिस्तरों वाला अस्पताल
	मोबाइल डिस्पेंसरी
कम साक्षरता वाले जिलों में एसटी लड़कियों के बीच शिक्षा को मजबूत करना	अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं के लिए शैक्षिक परिसर और छात्रावास (कम साक्षरता वाले जिलों में)

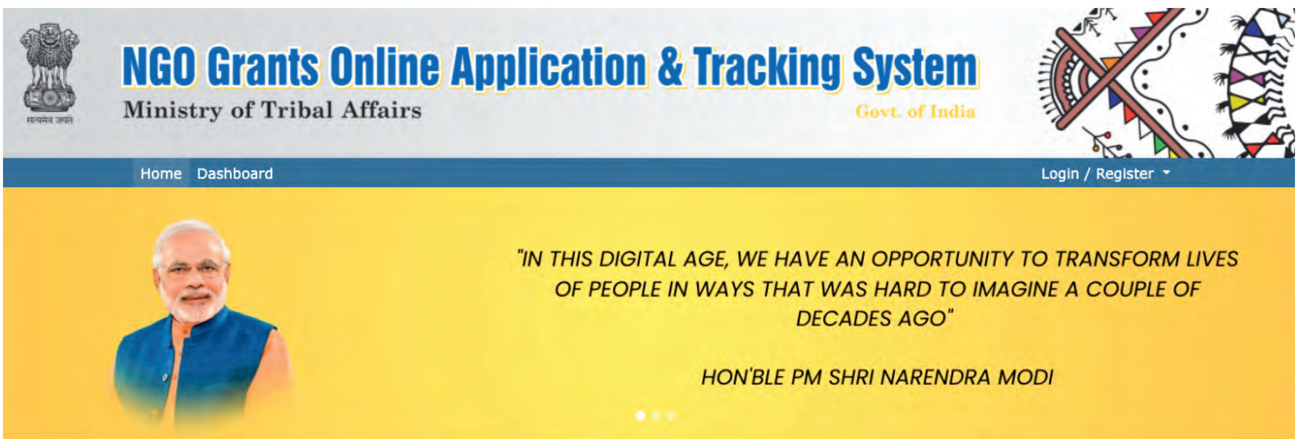

गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

मुख्य विशेषताएं (NGO Portal)

- शिक्षा, स्वास्थ्य से संबंधित 188 गैर–सरकारी संगठन, 309 परियोजनाएं, 26 राज्य (वित्त वर्ष 2022–23)
- एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से आरंभ से अंत एकीकरण – राज्य, जिले, गैर सरकारी संगठन और जनजातीय कार्य मंत्रालय
- पोर्टल के माध्यम से आवेदन, प्रसंस्करण और निधि जारी करना
- नीति आयोग के एनजीओ दर्पण पोर्टल के साथ पंजीकरण अनिवार्य
- पोर्टल में तीन स्तरीय निगरानी प्रणाली का निर्माण किया गया है
- (पीएफएमएस) – ईएटी मॉड्यूल के माध्यम से निधि प्रवाह की निगरानी

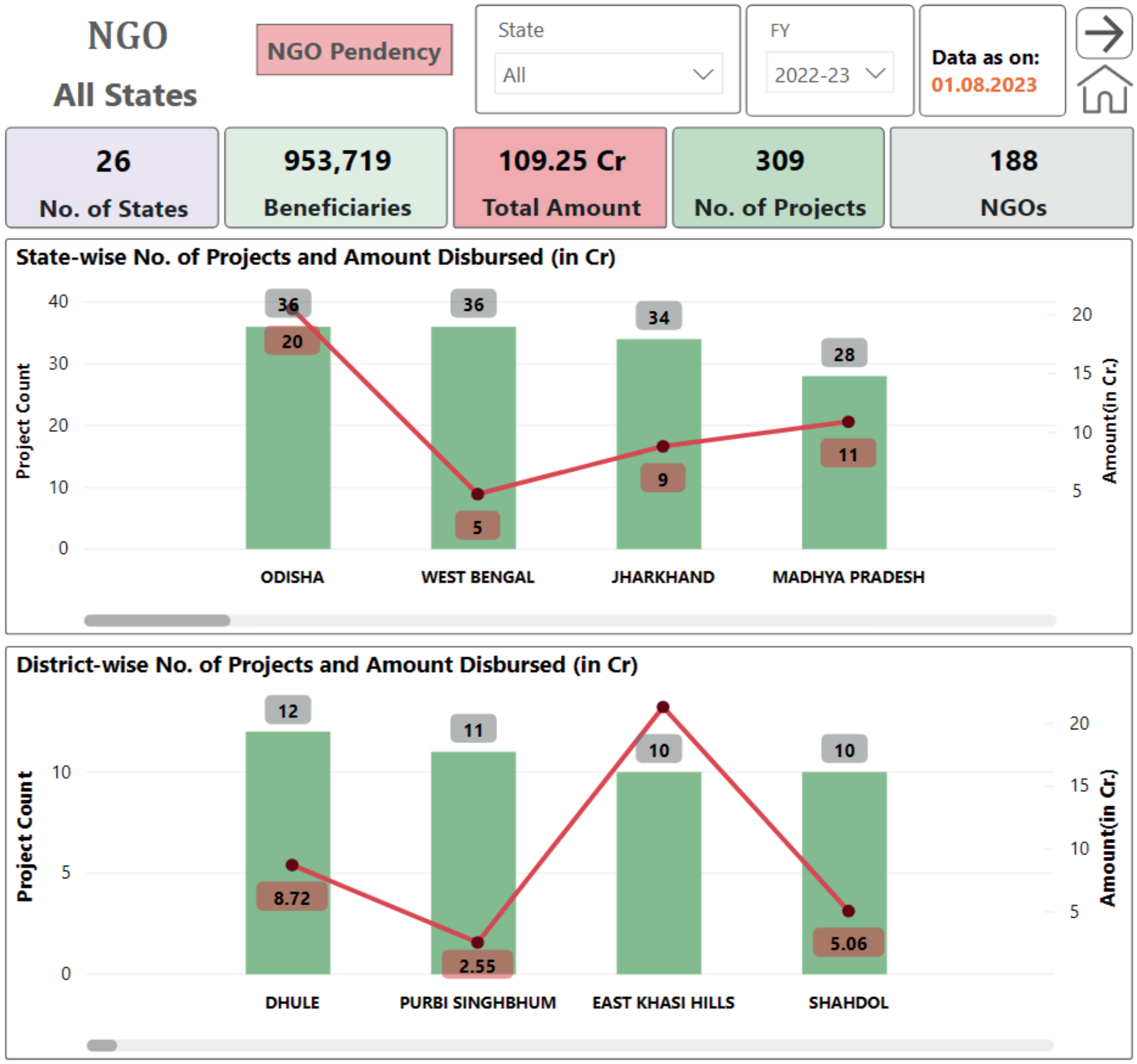

नए बजट की घोषणा 2023–24

“

भारत में जो आदिवासी क्षेत्र हैं, ग्रामीण क्षेत्र हैं, वहां आखिरी छोर तक Reaching The Last Mile के मंत्र को ले जाने की जरूरत है।

इस साल के बजट में भी इस पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बजट वेबिनार: Reaching the last mile में पीएम मोदी, 27 फरवरी 2023

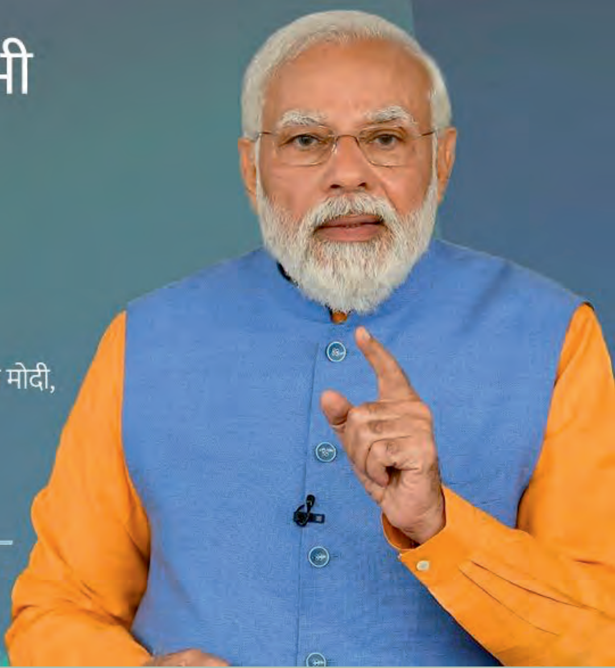

1. प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन

- बजट भाषण 2023–24 में पीएम पीवीटीजी विकास मिशन शुरू करने की घोषणा
- अवधिः 3 वर्ष अर्थात 2023–24 से 2025–26 तक
- पीवीटीजी परिवारों और बस्तियों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच, सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाओं से युक्त करके, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक–आर्थिक स्थितियों में सुधार करना और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करना
- डीएपीएसटी के तहत 15,000 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करायी जायेगी
- 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश (अंडमान और निकोबार) में 28,16,124 पीवीटीजी आबादी वाले 50,544 गांवों को शामिल किया गया, जिसमें 7,12,433 घर शामिल हैं।

पीवीटीजी गाँव के बुनियादी ढाँचे का अंतर विश्लेषण

क्र.सं.	ग्रामवार बुनियादी ढांचे का विवरण	7472 गाँवों के लिए उपलब्ध आँकड़ों के आधार पर		22544 गांवों के आंकड़ों के एक्सट्रपलेशन के आधार पर
		उपलब्धता	अंतर	कुल अनुमानित अंतर
	I	II	III	IV
1	पाइप द्वारा नल जल आपूर्ति से कवर गांव	3945	3527	10581
2	10 कि.मी. के भीतर स्वास्थ्य सुविधा	5504	1968	5904
3	हर मौसम में सड़क से जुड़े गांव	5305	2167	6501
4	सार्वजनिक परिवहन के साधन वाले गाँव	5514	1958	5874
5	स्कूल की सुविधा	6839	633	1899
6	बिजली वाले गांव	6902	570	1710
7	जल निकासी की सुविधा	3625	3847	11541
8	सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की उपलब्धता	4178	3294	9882
9	मोबाइल सेवाओं की उपलब्धता	5006	2466	7398
10	10 कि.मी. की दूरी के भीतर बैंकिग सुविधाएं उपलब्ध	4538	2934	8802
स्रोत: जनगणना 2011 और मिशन अंत्योदय, पीवीटीजी का बेसलाइन सर्वेक्षण				
नोटः पूरे भारत में लगभग 145000 गाँव हैं जिनमें 25% से अधिक जनजातीय आबादी है, जिनमें से मिशन अंत्योदय बुनियादी ढाँचा अंतर डेटा केवल 117064 गाँवों के लिए उपलब्ध है। उनमें से पीवीटीजी गाँवों से मिलान किया गया डेटा 7472 है।				

- बस्तियों सहित 22,544 गाँवों के लिए गाँव का नाम, परिवार, पीवीटीजी की जनसंख्या का बुनियादी डेटा उपलब्ध है।
- 1,17,064 गाँवों के डेटाबेस की तुलना में 22544 गाँव। 7442 सामान्य गाँवों की पहचान की गई। अंतरों की पहचान अंत्योदय डेटाबेस की तुलना में।

मिशन के तहत हस्तक्षेप के लिए प्रासंगिक योजनाएं

क्र. सं.	गतिविधि	पैरामीटर	योजना
1	आवास	पीवीटीजी परिवारों के लिए पक्के मकान का प्रावधान	पीएमएवाई–ग्रामीण (MoRD)
2	सड़क संपर्क	संपर्क मार्ग	पीएमजीएसवाई (MoRD)
3	पेय जल	पीवीटीजी घरों के लिए पाइप से जलापूर्ति	जल जीवन मिशन (जलशक्ति मंत्रालय)
4	शिक्षा	स्कूलों का निर्माण	समग्र शिक्षा (D/o SE&L)
5	स्वास्थ्य	स्वास्थ्य केंद्र सुविधा का निर्माण	स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना (MoHFW)
6	मोटर बाइक एम्बुलेंस	गाँवों में मोटर बाइक एम्बुलेंस	संविधान के अनुच्छेद 275(1) के प्रावधानों के तहत अनुदान (MoTA)
7	कौशल/संस्कृति केंद्र	बहुउद्देशीय सांस्कृतिक/कौशल केन्द्रों का निर्माण	कौशल भारत कार्यक्रम (एमएसडीई)
			मनरेगा (MoRD)
8	आँगनबाड़ी	आँगनबाडी केन्द्रों का निर्माण	आईसीडीएस (MoWCD)
9	विद्युतीकरण	गाँवों का विद्युतीकरण	सुधार से जुड़ी वितरण योजना (विद्युत मंत्रालय)
10	सौर ऊर्जा के माध्यम से घर को ऊर्जावान बनाना	पीवीटीजी परिवारों के लिए 1 किलोवाट सौर प्रणाली का प्रावधान	सौर ऊर्जा योजना (एमएनआरई)
11	वन धन विकास केंद्र	500 वीडीवीके की स्थापना	पीएमजेवीएम (MoTA)

2. ईएमआरएस के लिए शिक्षकों की केंद्रीय भर्ती

- अगले तीन वर्षों में, केंद्र 3.5 लाख जनजातीय छात्रों के लिए 740 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में 38,800 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी
- अगले 3 वर्षों में 3 चरणों में भर्ती

3. राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशनः-

मुख्य विशेषताएं

- 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को जड़ से समाप्त करने के मिशन को शुरू किया गया
- इसमें जागरूकता सृजन, प्रभावित जनजातीय क्षेत्रों में 0–40 वर्ष के आयु वर्ग के 7 करोड़ लोगों की सार्वभौमिक जांच शामिल होगी
- केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से परामर्श।

8

स्वास्थ्य

"सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति का ये अभियान,
अमृतकाल का प्रमुख मिशन बनेगा और मुझे विश्वास है,
जब देश आज़ादी के 100 साल मनाएगा, 2047 तक
हम सब मिलकर के, एक मिशन मोड में अभियान
चलाकर के सिकल सेल एनीमिया से हमारे आदिवासी
परिवारों को मुक्ति दिलाएंगे, देश को मुक्ति दिलाएंगे।
और इसके लिए हम सबको अपना दायित्व निभाना होगा।"

श्री नरेन्द्र मोदी | माननीय प्रधानमंत्री

जनजातीय टीबी पहल 'आश्वासन' अभियान

- कोविड–19 जागरूकता और टीबी के सक्रिय मामले पर एक संयुक्त अभियान
- 100 जनजातीय जिलों में 100 दिनों की अवधि के लिए अभियान चलाया गया

सूचक	कुल
कुल कवर किये गये जिले	174
कुल गाँवो तक पहुँचे	68019
कुल टीबी के लक्षणों के लिए व्यक्तियों की जांच की गई	1,03,07,200
कुल अनुमानित टीबी वाले व्यक्तियों की पहचान की गई (%)	3,82,811
कुल टीबी के लिए परीक्षण किए गए नमूने (%)	2,79,329
नमूनों में टीबी की पुष्टि हुई (%)	9971

अन्य पहल (स्वास्थ्य)

- मलेरिया उन्मूलन हेतु जनजातीय उपयोजना – मलेरिया उन्मूलन योजना स्वीकृत
- साँप काटने संबंधी दिशानिर्देश
- जनजातीय भागों में स्कूली बच्चों का पोषण और मानसिक कल्याण
- ईएमआरएस स्कूलों में पोषण वाटिकाएँ
- स्वास्थ्य शिविर
- आयुष मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन
- सिकल सेल और अन्य के लिए ईएमआरएस स्कूलों में स्क्रीनिंग शुरू की गई

सिकल सेल उन्मूलन मिशन पर जनजातीय कार्य मंत्रालय की रणनीति

पूर्व–डायग्नोस्टिक जागरूकता सृजन

स्वैच्छिक स्क्रीनिंग को प्रोत्साहित करने के लिए जनता में जागरूकता

- राज्य/जिला/उप–जिला स्तर पर जागरूकता पैदा करने के लिए कई मास्टर प्रशिक्षक/प्रशिक्षक
    - चिकित्सा अधिकारी
    - पैरा–मेडिकल कर्मी
- जागरूकता सृजन में सामुदायिक भागीदारी को सक्षम करने के प्रयास
    - सभी विभागों के फील्ड कर्मी
    - जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक समुदाय के नेताओं और चिकित्सकों सहित आम जनता

डायग्नोस्टिक के बाद परामर्श

हितधारकों, रोगियों और उनकी देखभाल करने वालों को परामर्श

- राज्य/जिला/उप–जिला स्तर पर अनेक मास्टर परामर्शदाता/परामर्शदाता
    - रोकथाम के लिए परामर्श प्रसव पूर्व और प्रसव उपरांत परीक्षण
- देखभाल करने वालों और रोगी के नियमित संपर्क में रहने वालों की भागीदारी
    - रोग के प्रबंधन और उपचार के लिए परामर्श और परामर्शदाताओं के लिए कई भूमिकाएँ

जागरूकता एवं परामर्श मॉड्यूल

- मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल
- जागरूकता मॉड्यूल
- परामर्श मॉड्यूल

उन्नत अनुसंधान/सहायक चिकित्सा

CRISPR प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान करने के लिए CISR को DST और जनजातीय कार्य मंत्रालय की संयुक्त परियोजना।

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में एकीकृत सिकल सेल एनीमिया अनुसंधान कार्यक्रम "आठ–एससीएआरपी": योग और ध्यान के माध्यम से एससीएम को नियंत्रित करता है। स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान एस–व्यास विश्वविद्यालय बैंगलोर

अन्य सहयोग

एमओएचएफडब्ल्यू, डीएसटी, डीजीएचएस, नीति आयोग, आयुष मंत्रालय, राज्य सरकारें, टीआरआई प्रमुख संस्थान जैसे आईसीएमआर, एम्स, एनआईआरटीएच, रोगी समूह, ग्राम स्तर के संस्थान, पारंपरिक मुखिया और चिकित्सक, नागरिक समाज संगठन

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनांक 01 जुलाई 2023 को शहडोल, मध्य प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई प्रशिक्षण, परामर्श एवं जागरूकता मॉड्यूल की पुस्तिकाओं का विमोचन किया

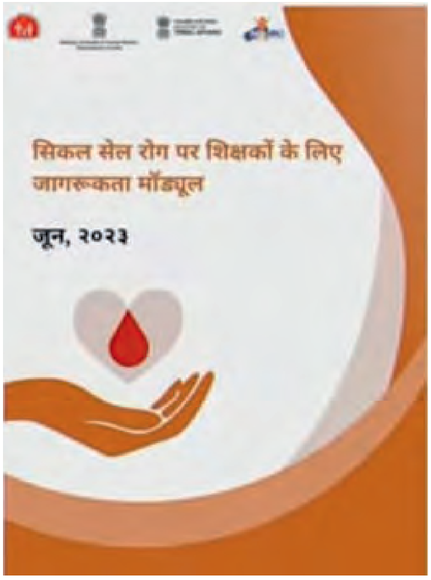

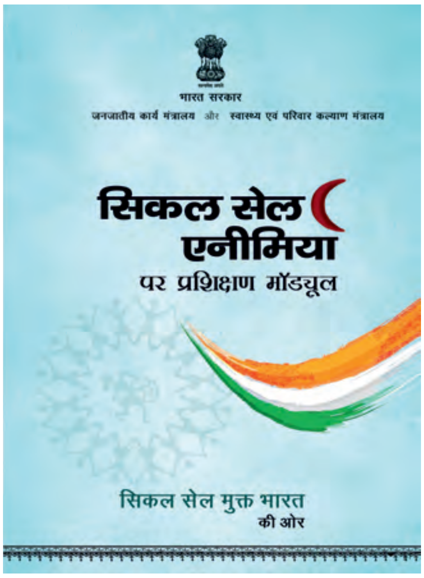

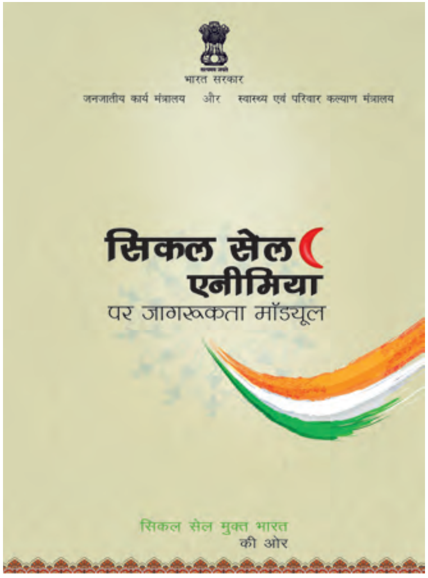

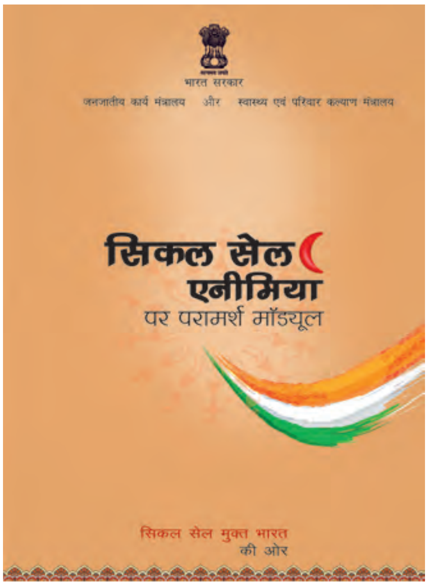

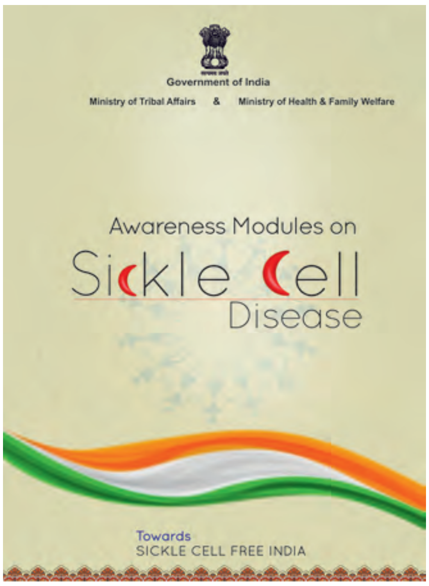

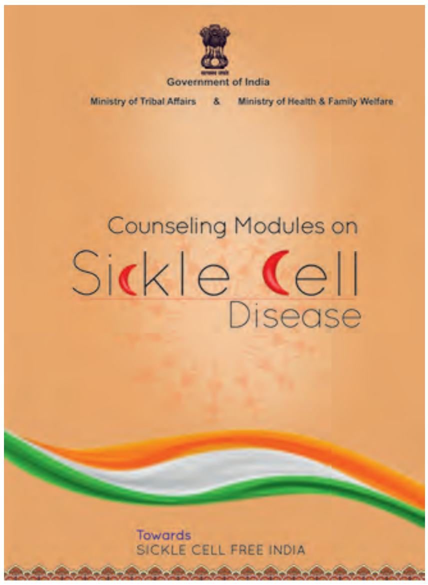

अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल नए समुदाय

1. समुदायों के निर्धारण के संबंध में अधिसूचनाएँ:

क्र. सं.	आदेश/अधिनियम का नाम	अधिसूचना की तारीख	उन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के नाम जिनके लिए लागू है	शामिल समुदाय
1.	संविधान (पुडुचेरी) अनुसूचित जनजाति आदेश, 2016	12.12.2016	पुडुचेरी	अरूलर (विली और तेट्टाईकरन सहित)
2.	संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2020 (2020 की संख्या 4)	13.01.2021	कर्नाटक	(I) 'नायम' के पर्याचवाची के रूप में क्रम.सं. 38 पर 'परिवारा' और 'तलवारा' और (ii) कर्नाटक की अनुसूचित जनजाति की सूची में क्रम. सं. 50 पर उत्तर कन्नड़ जिले के मौजूदा 'सिद्दी' समुदाय के साथ धारवाड़ और बेलागवी जिलों के 'सिद्दी' समुदाय शामिल किये गये
3.	संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) अधिनियम,2021 (2021 की संख्या 32)	13.08.2021	अरूणाचल प्रदेश	अरूणाचल प्रदेश की अजजा की सूची में निम्नलिखित संशोधन किए गए:– (i) क्रम संख्या 1 में 'अबोर' का हटाना, क्योंकि यह क्रम. सं. 16 में 'आदि' के समान है। (ii) क्रम संख्या 6 में 'खम्पती' के स्थान पर 'ताईखाम्ती' प्रतिस्थापित करना। (iii) 'मिश्मी, अदु, तारोन' के बदले में क्रम संख्या 8 में 'मिश्मी–कामन (मिजु मिश्मी), इदु (मिश्मी), तारोन (दिगारू मिश्मी)' का समावेश। (iv) 'मोम्बा' के बदले में क्रम संख्या 9 में 'मोन्पा, मेम्बा, सरताङ् ,सजोलाङ् , (मिजी)' का समावेश। (v) अरूणाचल प्रदेश की अनुसूचित जनजातियों की सूची में क्रम संख्या 10 में –किसी नागा जनजाति' के बदले 'नोक्ते, ताङसा, तुत्सा, बान्चो, का समावेश।

अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल नए समुदाय

क्र. सं.	आदेश/अधिनियम का नाम	अधिसूचना की तारीख	उन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के नाम जिनके लिए लागू है	शामिल समुदाय
4.	संविधान (अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां) उदेश (संशोधन) अधिनियम, 2022 (2022 की संख्या 8)	08.04.2022	झारखंड	(i) अनुसूचित जनजातियों की सूची में प्रतिविष्टि क्र. सं. 16 पर खरवार के पर्यायवाची के रूप में अनुसूचित जातियों की सूची में क्र.सं. 3 पर सूचीबद्ध भोगता को विलोपित करना। (ii) अनुसूचित जनजातियों की सूची में 'पुरान' के तौर पर नई प्रविष्टि को शामिल करना, तथा (iii) अनुसूचित जनजातियों की सूची में क्र. सं. 16 पर भोगता, देशवारी, गंझू, दौतलबन्दी (द्वालबंदी), पटबंदी, राउत, माझिया, खैरी (खेरी) को खरवार के पर्याय के रूप में प्रविष्टि के तौर पर शामिल करना। (iv) अनुसूचित जनजातियों की सूची में क्र.सं. 24 पर 'मुंडा' के पर्याय के रूप में तमरिया/तमड़िया को शामिल करना।
5.	संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (संशोधन) अधिनियम, 2002 (2022 की संख्या 9)	18.04.2022	त्रिपुरा	त्रिपुरा राज्य की अजजा की सूची में प्रविष्टि 9 में 'कुकी' की उप-जनजाति के रूप में 'डारलोंग'
6.	संविधान (अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जनजातियां) आदेश (दूसरा संशोधन) अधिनियम, 2022 (2022 की संख्या 20)	24.12.2022	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर, कुशीनगर, चंदौली और भदोही जिले के 'गोंड', 'धुरिया', 'नायक', 'ओझा', 'पठारी', 'राजगोंड' को उत्तर प्रदेश की अजजा सूची में समावेश
7.	संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (दूसरा संशोधन) अधिनियम, 2022 (2022 की संख्या 1)	03.01.2023	तमिलनाडु	तमिलनाडु की अजजा सूची में 'नरिकुरूवन' के साथ 'कुरुविक्कारन' का समावेश
8.	संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (चौथा संशोधन) अधिनियम, 2022 (2022 की संख्या 2)	03.01.2023	कर्नाटक	कर्नाटक के अजजा की सूची में क्रमसंख्या 16 पर 'काडु-कुरुबा' के पर्याय के रूप में 'बेट्ट-कुरुबा' का समावेश

क्र. सं.	विधेयक का नाम	शामिल किए जाने वाले समुदाय	वर्तमान स्थिति (31.03.2023 को)
**9.	संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (तीसरा) विधेयक 2022 (हिमाचल प्रदेश राज्य के संबंध में)	हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए अनुसूचित जाति के रूप में अधिसूचित जातियों को छोड़कर, सिरमौर जिले के ट्रांस गिरि क्षेत्र के 'हाटी' समुदाय के अनुसूचित जनजाति की सूची में समावेश	कैबिनेट मंजूरी– 14.09.2022 लोकसभा में पेश– 09.12.2022 लोकसभा में पारित– 6.12.2022
**10.	संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक 2022 (छत्तीसगढ़ के संबंध में)	I. प्रविष्टि संख्या 5 पर भारिया भूमिया (Bharia Bhumia) के पर्याय के रूप में भूईया (Bhuinya) भूईयाँ (Bhuiyan), भूयां (Bhuya) ii. प्रविष्टि संख्या 5 पर ईंतपं नाम के अंग्रेजी संस्करण को बिना बदलाव किए भरिया (Bharia) के रूप में भारिया (Bharia) का सुधार iii. प्रविष्टि संख्या 5 पर Pando के भिन्न/परिवर्त्य देवनागरी संस्करण के रूप में पांडो के साथ पंडो, पण्डो, पन्डो iv. प्रविष्टि संख्या 14 पर धनवार (Dhanwar) के पर्याय के रूप में धनुहार (Dhanuhar), धनुवार (Dhanuwar) v. प्रविष्टि संख्या 15 पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में अंग्रेजी पाठ में बिना बदले गदबा (Gadba, Gadaba) vi. प्रविष्टि संख्या 16 पर Gond के भिन्न/परिवर्त्य देवनागरी संस्करण के रूप में गोंड (Gond) के साथ गोंड़ vii. प्रविष्टि संख्या 23 पर कोंध (Kondh) के साथ कोंद (Kond) viii. प्रविष्टि संख्या 27 पर Kodaku के भिन्न/परिवर्त्य देवनागरी संस्करण के रूप में कोडाकू (Kodaku) के साथ कोड़ाकू (Kodaku) ix. प्रविष्टि सं. 32 पर नगेसिया (Nagesia), नागासिया (Nagasia) के पर्याय के रूप में किसान (Kisan)	कैबिनेट मंजूरी– 14.09.2022 लोकसभा में पेश– 09.12.2022 लोकसभा में पारित– 21.12.2022

** अगस्त, 2023 तक

क्र. सं.	विधेयक का नाम	शामिल किए जाने वाले समुदाय	वर्तमान स्थिति (31.03.2023 को)
		x. प्रविष्टि संख्या 33 पर अंग्रेजी पाठ में बिना बदलाव किए अधिसूचित हिंदी संस्करण में 'धनगढ़' (Dhangad) का परिशोध 'धांगड़' (Dhangad) के साथ प्रतिस्थापित करना xi. प्रविष्टि संख्या 41 पर सावर (Sawar), सवरा (Sawara) के पर्याय के रूप में सौंरा (Saunra), संवरा (Saonra) xii. प्रविष्टिसंख्या 43 पर बिंझिया (Binjhia)	

2. अनुसूचित क्षेत्रों एवं एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी)/ एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के संबंध में अधिसूचनाएं:

I. ''अनुसूचित क्षेत्र (राजस्थान राज्य) आदेश, 2018'' सी.ओ. 270 दिनांक 19.05.2018 को राजस्थान राज्य में संविधान के अनुच्छेद 244(1) के तहत अनुसूचित क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करते हुए अधिसूचित किया गया।

ii. जनजातीय उप-योजना के उद्देश्य से देवगढ़ जिले के तेलीबनी ब्लॉक के लिए एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) की घोषणा 30.03.2015 को की गई।

iii. झारसुगुड़ा जिले के लाइकेरा और किरीमेरा ब्लॉक को टीएसपी ब्लॉक के रूप में घोषित किया गया और 24.11.2022 को ओडिशा राज्य के झारसुगुड़ा मुख्यालय में एक नए आईटीडीए का गठन किया गया

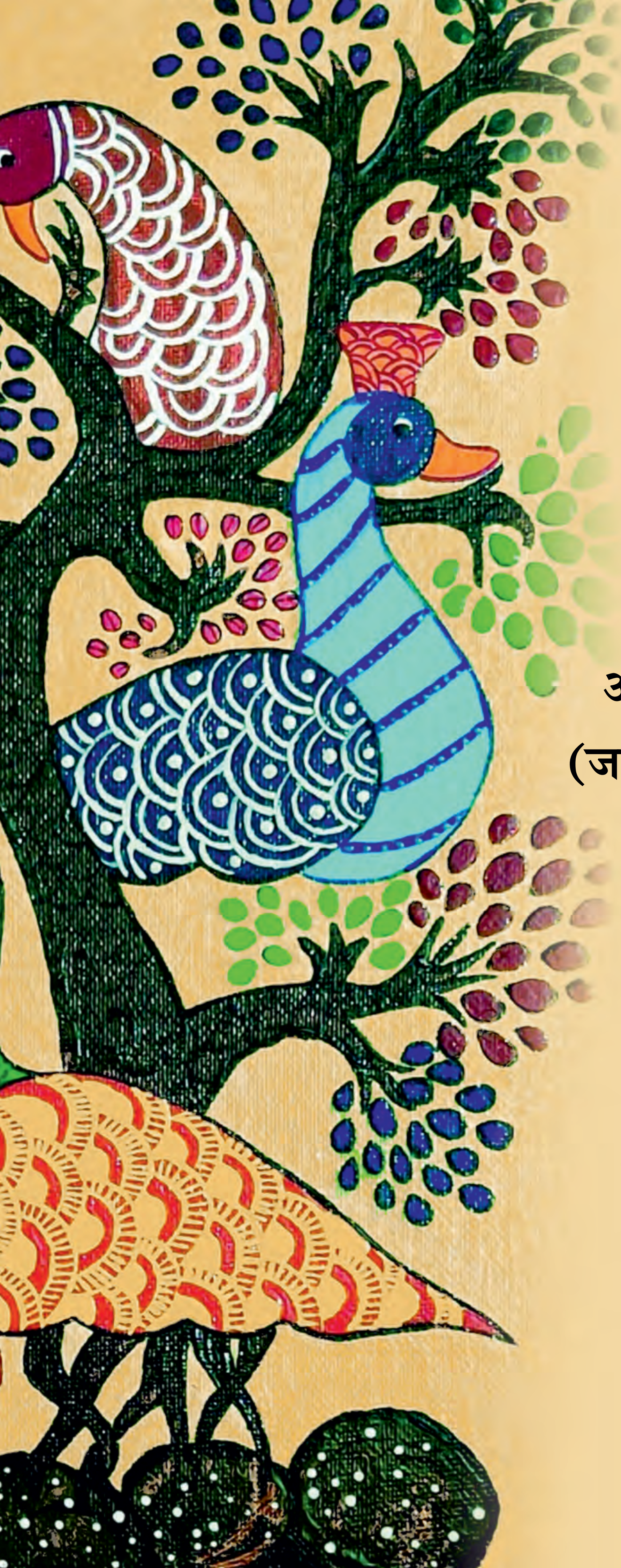

अनुसूचित जनजाति घटक (जनजातीय विकास के लिए डीएपीएसटी/टीएसपी)

अनुसूचित जनजाति घटक (एसटीसी)/एसटी के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी)

	2013–14	2023–24
बजट परिव्यय (रु० करोड़ में)	21525.36	117943.73
मंत्रालयों को कवर किया गया	24	42

मुख्य विशेषताएं

- नीति आयोग के द्वारा सूचित प्रक्रिया के आधार पर 2017 में डीएपीएसटी की निगरानी जनजातीय कार्य मंत्रालय को सौंपी गई, जिसमें 200 से अधिक योजनाओं/कार्यक्रमों वाले 42 मंत्रालय/विभाग जनजातीय कल्याण के लिए धन आवंटित करते हैं।
- पीएफएमएस से जुड़े केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा एसटीसी के तहत रिलीज की निगरानी के लिए एमओटीए द्वारा एक समर्पित पोर्टल विकसित किया गया है।
- धन के प्रभावी आवंटन उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए संबद्ध मंत्रालयों के साथ चर्चा की जा रही है।
- विभिन्न योजनाओं में कम आवंटन उपयोग और अनुमानित आवंटन की पहचान करने के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा एसटीसी के तहत 300 योजनाओं का विस्तृत विश्लेषण किया गया।

जनजातियों के कल्याण हेतु आवंटन

केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के अनुसार कुल डीएपीएसटी व्यय

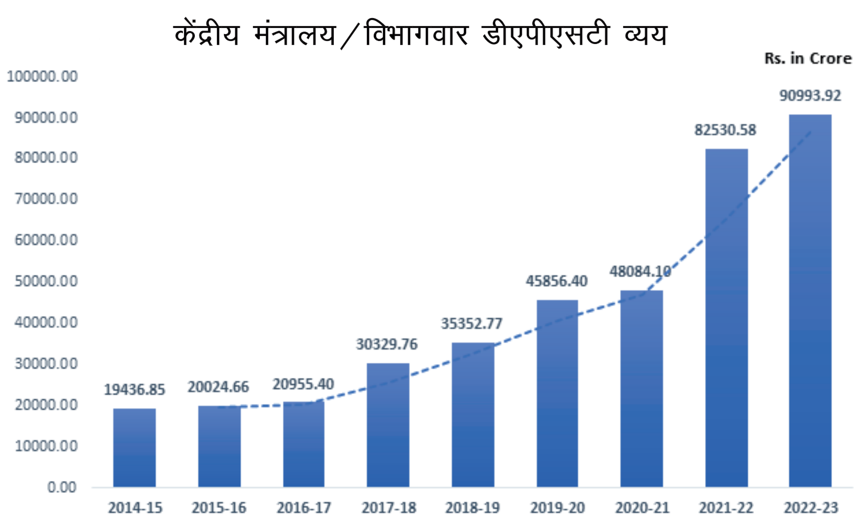

*अनंतिम आंकड़ा

स्रोत – 2022–23 के लिए एसटीसीएमआईएस पोर्टल और विवरण 10बी 2014–15 से 2021–22

केंद्रीय मंत्रालय/विभागवार डीएपीएसटी आवंटन 2023-24 (बीई)

क्र. स.	मंत्रालय / विभाग	कुल आवंटन (₹ करोड़ में)	एसटीसी आवंटन (₹ करोड़ में)	प्रतिशत एसटीसी आवेश
1.	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	270250.38	723375.00	8.65
2.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	157365.98	20400.56	12.96
3.	जनजातीय कार्य मंत्रालय	12461.88	12386.00	99.39
4.	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	113655.85	9811.05	8.63
5.	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	205293.17	9359.15	4.56
6.	उर्वरक विभाग	175103.37	7699.72	4.40
7.	पेयजल और स्वच्छता विभाग	77192.00	7615.90	9.87
8.	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग	54374.48	6824.04	12.55
9.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	56167.50	4830.41	8.60
10.	महिला और बाल विकास मंत्रालय	25190.44	2166.00	8.60
11.	उच्च शिक्षा विभाग	6468.03	2061.00	31.86
12.	माइक्रो, लघु और सूक्ष्म उद्यम मंत्रालय	21852.55	1883.09	8.62
13.	पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय	5851.00	1690.00	28.88
14.	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	72548.00	1204.01	1.66
15.	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय	12434.82	1069.42	8.60
16.	विद्युत मंत्रालय	16108.92	957.23	5.94
17.	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	12440.28	833.50	6.70
18.	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	9874.81	572.00	5.79
19.	दूरसंचार विभाग	14843.32	453.65	3.06
20.	पशुपालन और डेयरी विभाग	4095.64	376.92	9.20
21.	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	18645.43	358.00	1.92
22.	कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय	3172.83	251.29	7.92
23.	भमि संसाधन विभाग	2395.75	239.58	10.00
24.	वस्त्र मंत्रालय	3603.78	187.00	5.19
25.	मत्स्य विभाग	2025.00	182.59	9.02
26.	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	1913.51	165.10	8.63
27.	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	1707.56	159.00	9.31
28	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	2777.00	119.40	4.30
29.	कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2423.41	104.21	4.30
30.	पर्यटन मंत्रालय	2291.49	98.50	4.30
31.	पंचायती राज मंत्रालय	971.00	83.51	8.60
32.	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय	40785.60	77.96	0.19
33.	आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) विभाग	1385.44	71.00	5.12
34.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	3092.29	67.26	2.18
35.	दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग	680.00	58.48	8.60
36.	कोयला मंत्रालय	113.50	48.46	42.70
37.	संस्कृति मंत्रालय	650.74	27.98	4.30
38.	औषध विभाग	3120.00	26.45	0.85
39.	वाणिज्य कर विभाग	4351.47	25.37	0.58
40.	खान मंत्रालय	0.00	18.40	0.00
41.	सहकारिता मंत्रालय	1023.26	4.74	0.46
42.	उपभोक्ता मामले विभाग	113.50	0.80	0.70
	कुल निधि आवंटित	1420814.98	117943.73	

डीएपीएसटी आवंटन वाली योजना (1000 करोड़ से अधिक) 2023-24 (बीई)

डीएपीएसटी आवंटन (बीई) वाली योजना (1000 करोड़ से अधिक)

क्र. सं.	योजना	आवंटन (₹ करोड़ में)
1.	सड़क निर्माण कार्य	23375.00
2.	प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) – ग्रामीण	9536.26
3.	मनरेगा–कार्यक्रम घटक	7350.00
4.	जल जीवन मिशन (JJM)/राष्ट्रीय ग्रामीण	7000.00
5.	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य निगम को खाद्य सब्सिडी	6260.35
6.	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय	5943.00
7.	यूरिया सब्सिडी	5807.72
8.	प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि	5196.20
9.	अनुसूचित विकास के लिए कार्यक्र	4295.40
9.	समग्र शिक्षा	4130.55
11.	एनएफएसए के तहत खाद्यान्न की विकेंद्रीकृत खरीद के लिए खाद्य सब्सिडी	2739.65
12.	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन	2472.60
13.	आरसीएच और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए फ्लेक्सी पूल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन	2375.49
14.	सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण	2007.01
15.	पोषक तत्व आधारित सब्सिडी	1892.00
16.	संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत अनुदान	1472.10
17.	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	1381.26
18.	संशोधित ब्याज सहायता योजना (MISS)	1362.27
19.	गारंटी आपातकालीन क्रेडिट लाइन (GECL)	1270.00
20.	प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण	1270.00
21.	पीएमएवाई–शहरी (केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढाँचा निधि से वित्तपोषित योजनाएं	1204.01
22.	राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम	1041.70
	कुल निधि आवंटित	99363.08

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-ग्रामीण)

- पीएमएवाई–ग्रामीण को अप्रैल 2016 में लॉन्च किया गया था
- पीएमएवाई–ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सभी बेघरों और कच्चे/जीर्ण घरों में रहने वाले परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के साथ एक पक्का घर प्रदान करना है।

- पीएमएवाई–ग्रामीण का जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत बजट आवंटन (2023–24) : ₹ 9536.26 करोड़
- जनजातियों के लिए स्वीकृत आवास – 65.34 लाख
- जनजातियों के लिए निर्मित आवास – 48.23 लाख

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी)
वर्ष 2016–17 से 2022–23 के दौरान एसटी आबादी के लिए स्वीकृत और पूर्ण घरों का वर्षवार ब्योरा

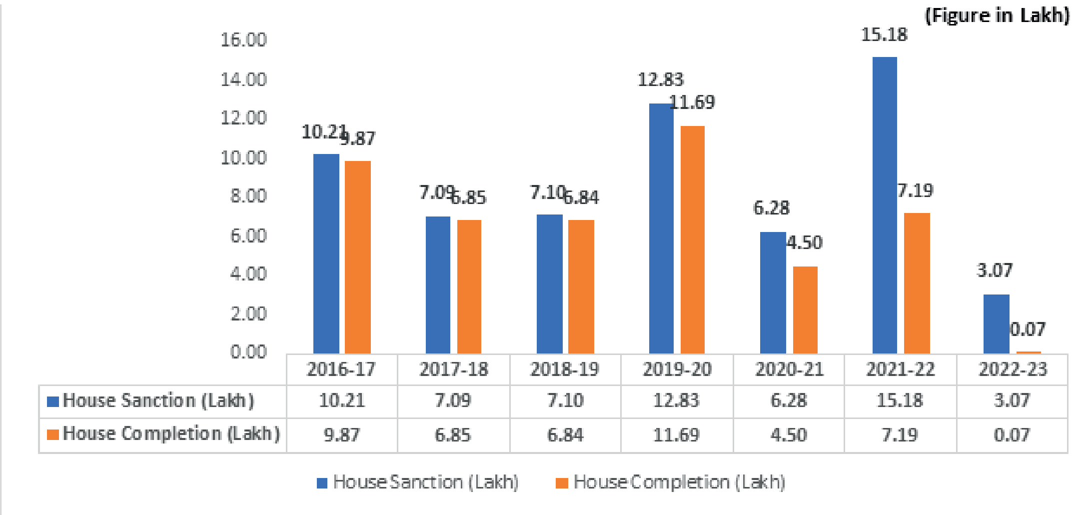

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
House Sanction (Lakh)	10.21	7.09	7.10	12.83	6.28	15.18	3.07
House Completion (Lakh)	9.87	6.85	6.84	11.69	4.50	7.19	0.07

वर्ष 2016–17 से 2022–23 के दौरान एसटी आबादी के लिए
शीर्ष दस राज्यों में मंजूर एवं पूर्ण घरों का राज्यवार ब्यौरा

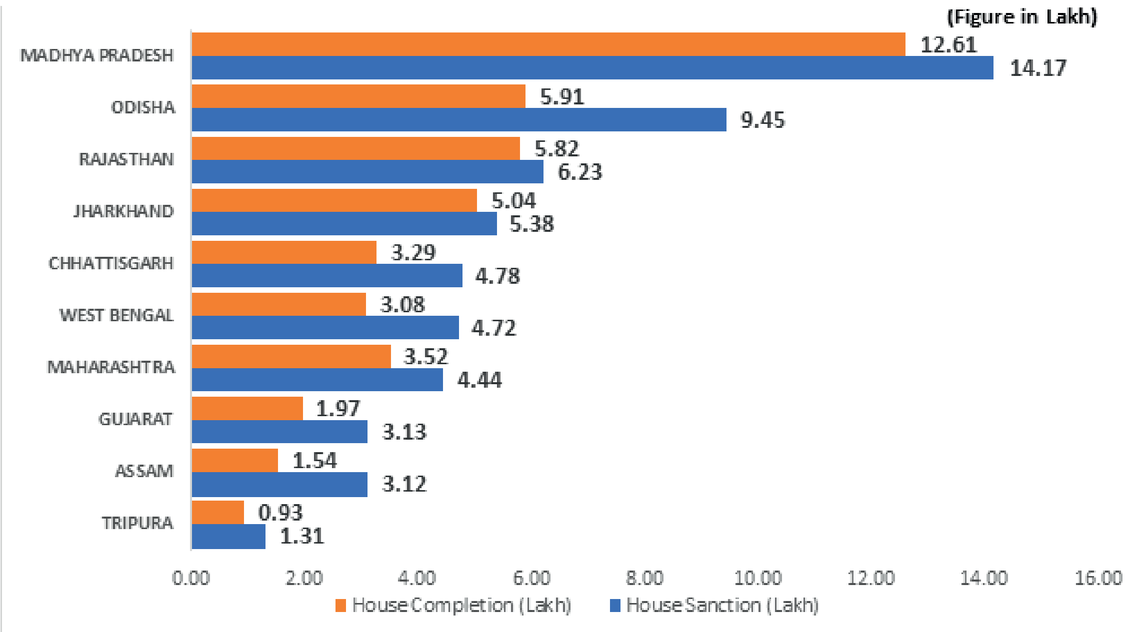

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

- मनरेगा अधिनियम के तहत प्रति ग्रामीण परिवार को एक वर्ष में कम से कम सौ दिन का काम देने का प्रावधान है।
- पिछले पाँच वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान भौतिक प्रगति।

एसटी पंजीकृत और सक्रिय कार्यकर्ता
(संख्या लाख में)

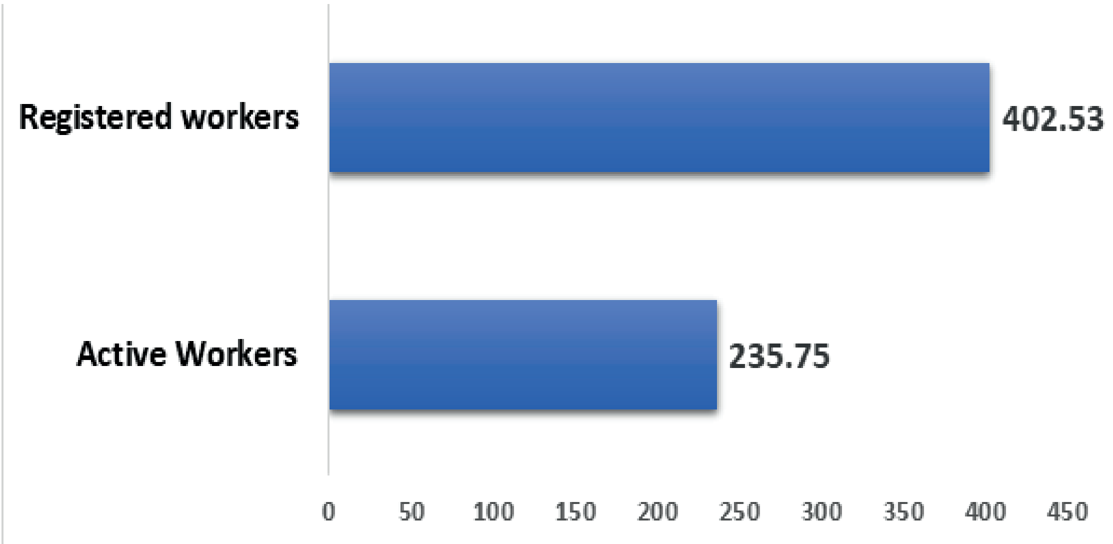

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान रोजगार सृजन
(संख्या लाख में)

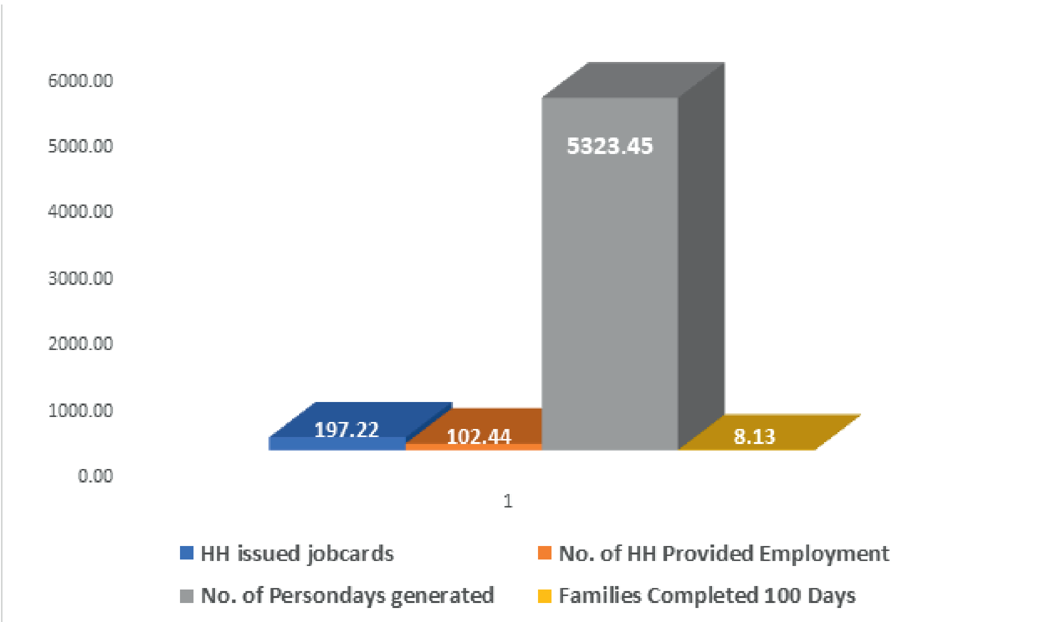

राष्ट्रीय आजीविका मिशन (एनआरएलएम)

- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित जाती है।
- मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों के लिए कुशल और प्रभावी संस्थागत मंच बनाना है, जिससे उन्हें स्थायी आजीविका वृद्धि और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से घरेलू आय बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके।

एसटी पंजीकृत और सक्रिय कार्यकर्ता
(संख्या लाख में)

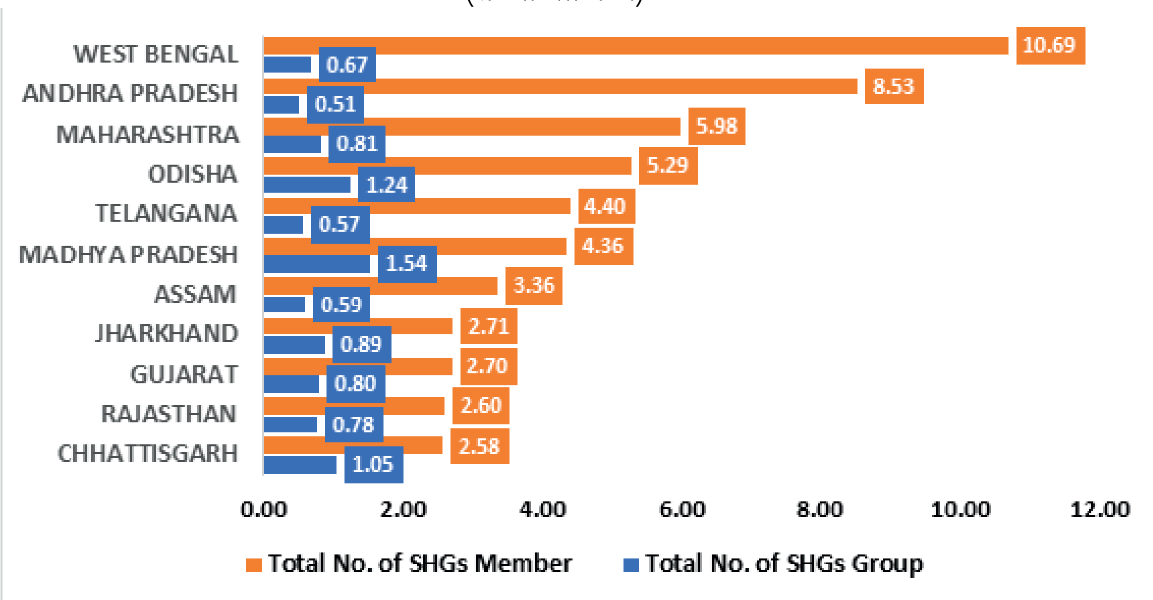

एनआरएलएम–जनजातीय एसएचजी समूह के सदस्य
(संख्या लाख में)

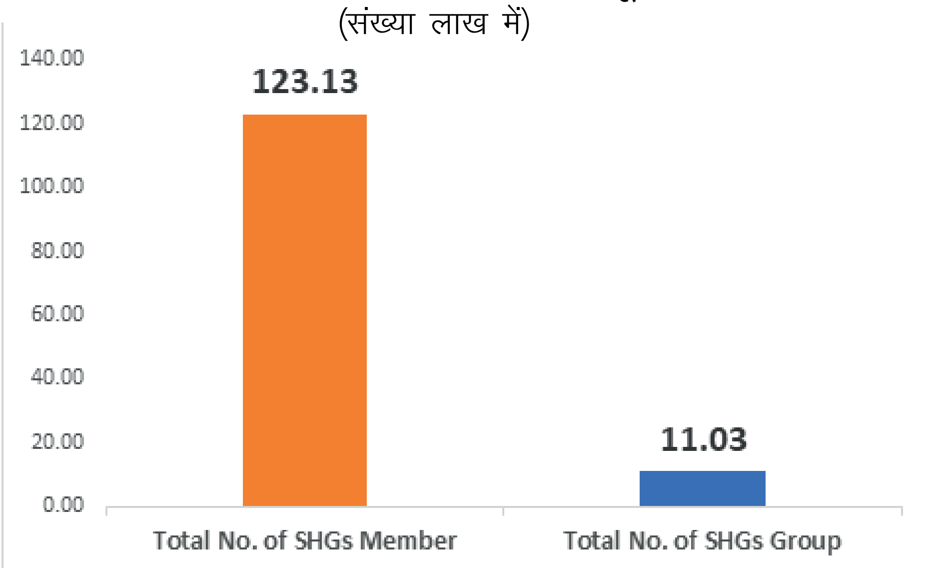

जल जीवन मिशन

- एसटी केंद्रीय क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक घरों को (पाइप्ड वाटर सप्लाई) घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किया गया।

जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में (पाइप्ड वाटर सप्लाई) नल कनेक्शन प्रदान किए गए परिवारों का राज्यवार प्रतिशत

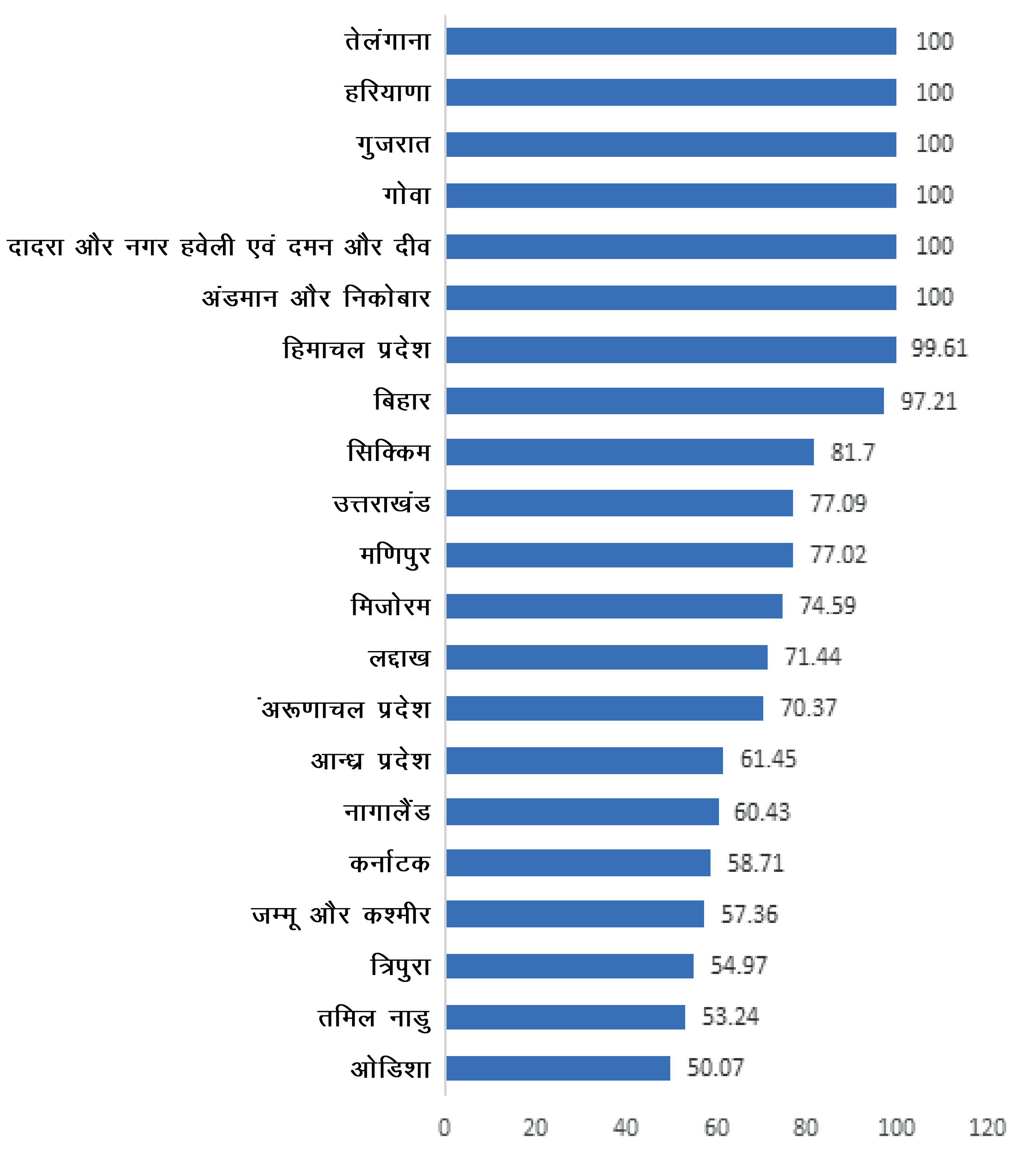

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), एक केंद्र प्रायोजित योजना, 2 अक्टूबर 2014 को शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को शौचालय तक पहुंच प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति प्रदान करना था

- व्यक्तिगत निर्माण हेतु 12,000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है
- सभी अनुसूचित जनजाति (एसटी) परिवारों के लिए घरेलू शौचालय (आईएचएचएल)
- 2014 से एसटी परिवारों के लिए 1,47,74,062 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया

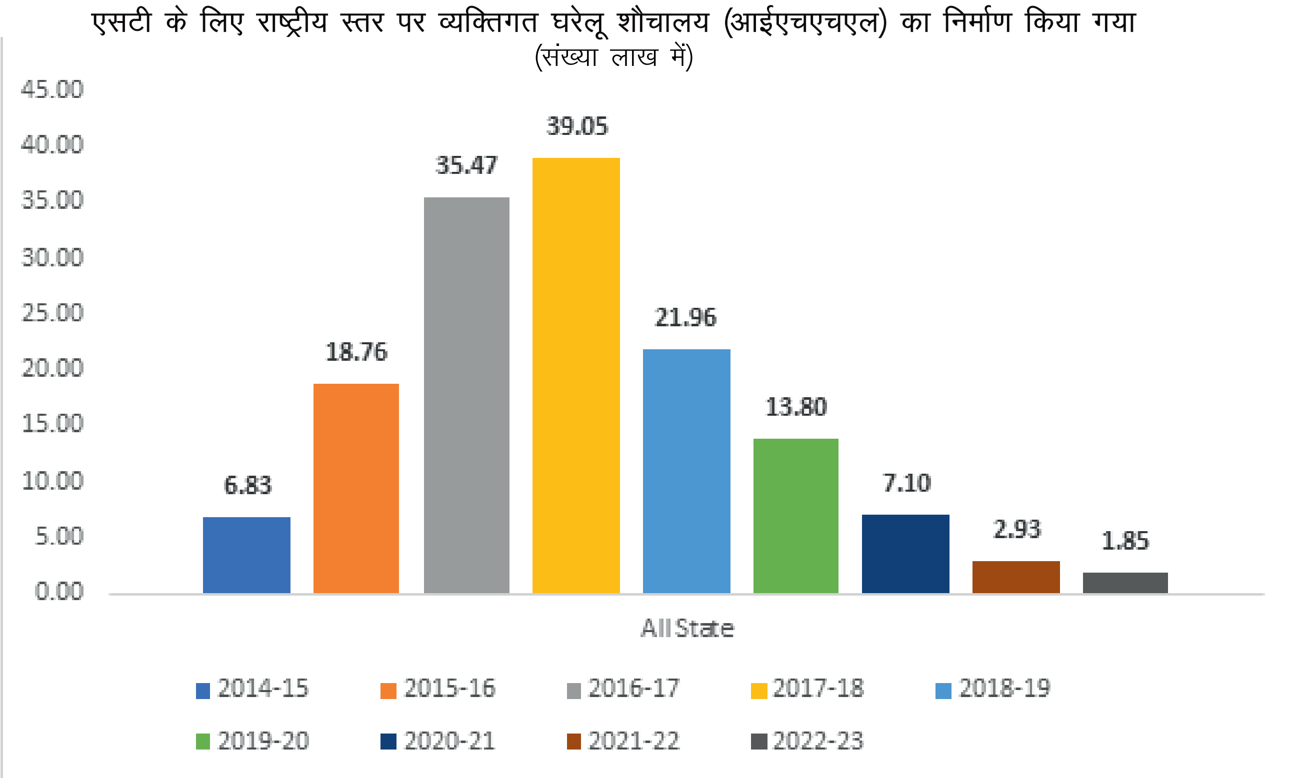

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)

- कौशल भारत मिशन के तहत, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत के युवाओं को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना लागू कर रहा है
- पीएमकेवीवाई एक समावेशी योजना है जो देश भर में समाज के सभी वर्गों के 15–45 वर्ष की आयु के बेरोजगार/ड्रॉप–आउट युवाओं को कवर करती है।
- पीएमकेवीवाई योजना के तहत प्रशिक्षित राज्यवार एसटी उम्मीदवारों की जानकारी अनुबंध में दी गई है।

पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षित राष्ट्रीय–वार एसटी उम्मीदवार
(संख्या लाख में)

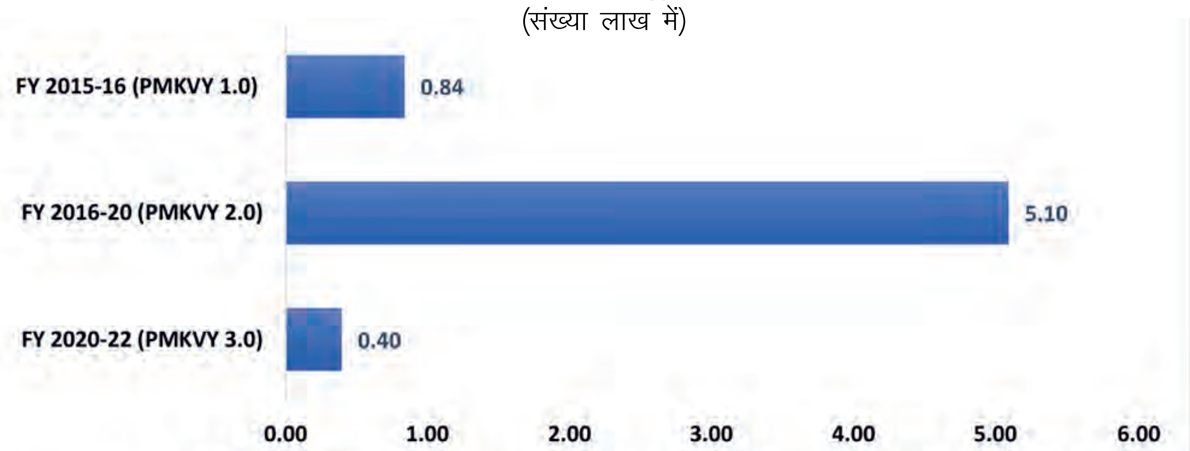

	FY 2020-22 (PMKVY 3.0)	FY 2016-20 (PMKVY 2.0)	FY 2015-16 (PMKVY 1.0)
Series1	0.40	5.10	0.84

शुरुआत से ही पीएमकेवीवाई योजना के तहत राज्यवार एसटी उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया
(संख्या लाख में)

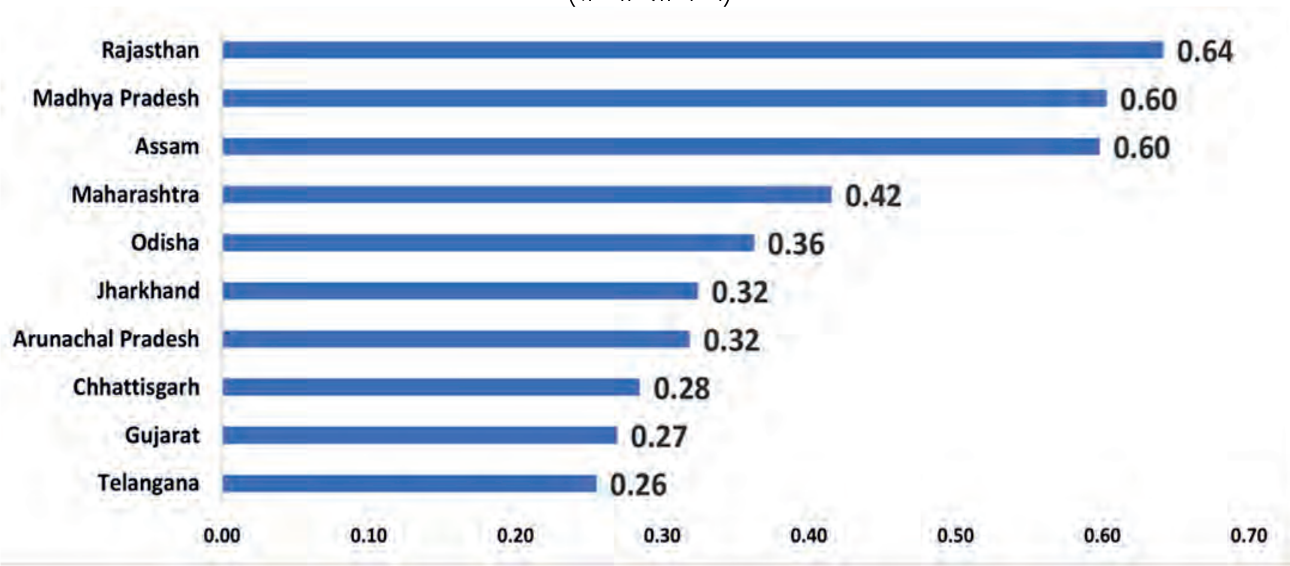

आयुष्मान भारत– प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

- अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के लाभार्थियों को लगभग 91.93 लाख आयुष्मान कार्ड जारी किए गए
- सभी परिवारों को प्रति वर्ष रु० 5 लाख तक का मुफ्त इलाज़

अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों को राज्य/केंद्र शासित प्रदेशवार आयुष्मान कार्ड जारी किए गए
(संख्या लाख में)

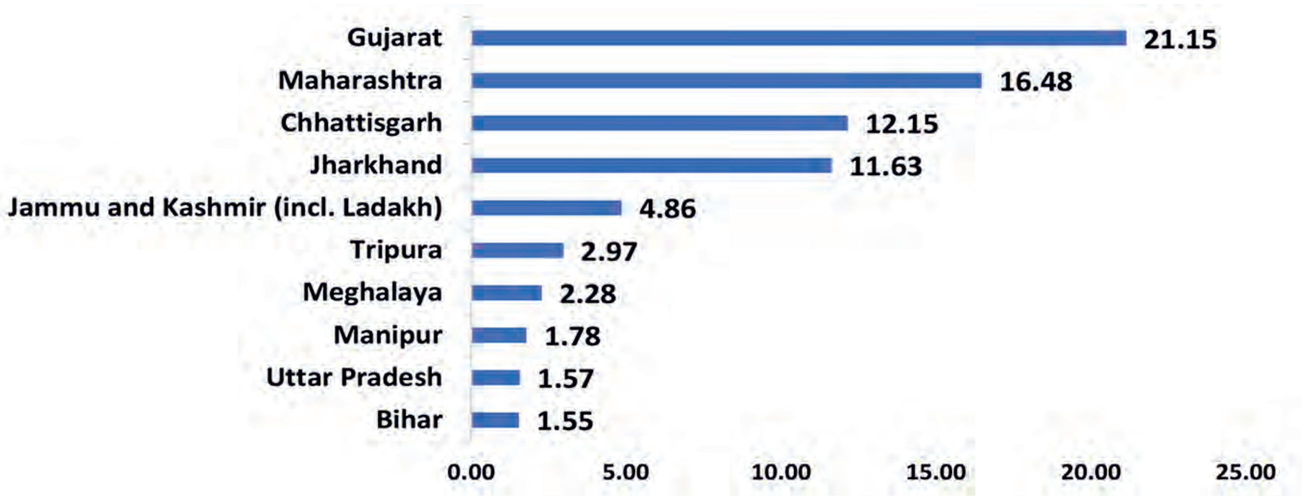

जनजातीय प्राथमिकता वाले जिलों में आँगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति

जनजातीय प्राथमिकता वाले जिलों में **2.55 लाख आँगनवाडी केंद्र** स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 2.19 लाख आँगनवाड़ी केंद्र नियमित रिपोर्ट जमा कर रहे है।

जनजातीय प्राथमिकता वाले जिलों में आँगनवाड़ी केंद्रों की राष्ट्र–वार स्थिति
(संख्या लाख में)

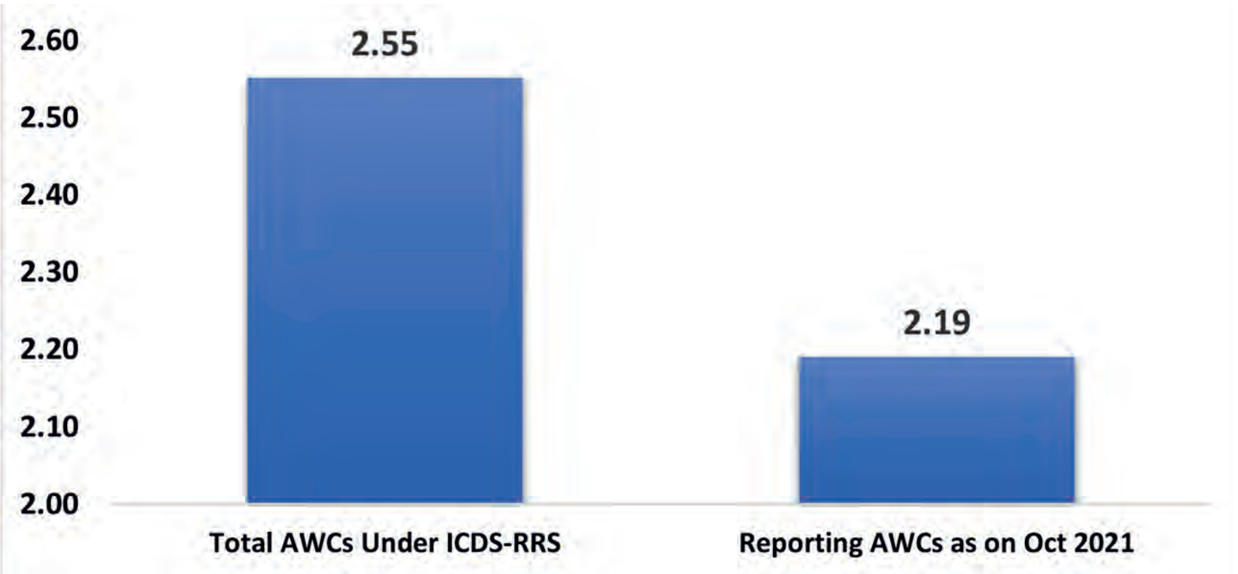

जनजातीय प्राथमिकता वाले जिलों में आंागनवाड़ी केंद्रों की राज्य/केंद्र शासित प्रदेशवार स्थिति

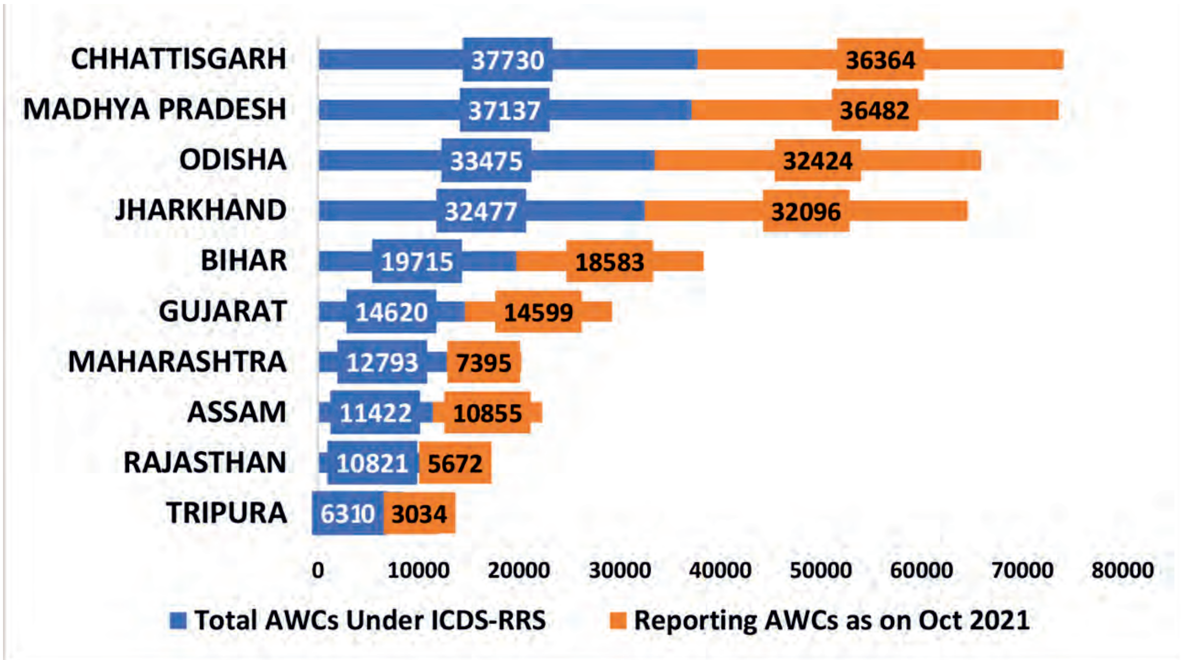

जनजातीय प्राथमिकता वाले जिलों में स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति

जनजातीय क्षेत्रों में 2014 से 2796 नए उप-केंद्र, 308 पीएचसी और सीएचसी स्थापित किए गए

जनजातीय क्षेत्रों में उप–केंद्रों, पीएचसी और सीएचसी की संख्या

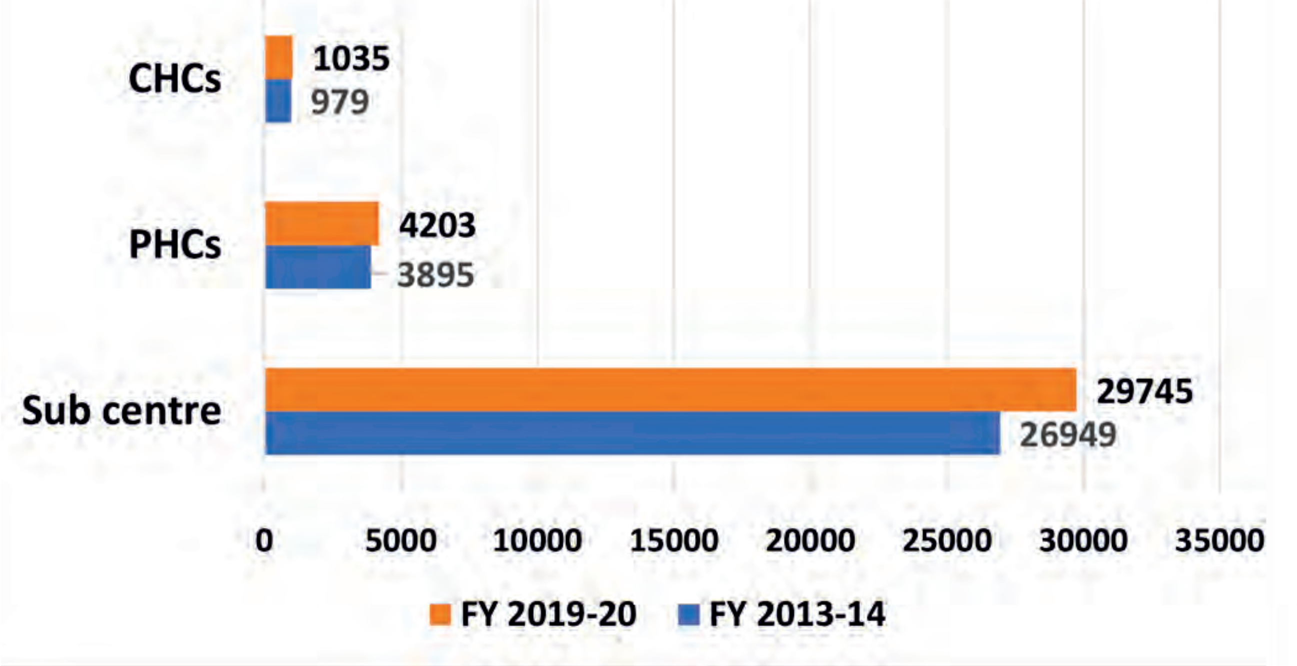

वर्ष 2019–20 के दौरान जनजातीय क्षेत्रों में उप–केंद्रों, पीएचसी और सीएचसी की संख्या

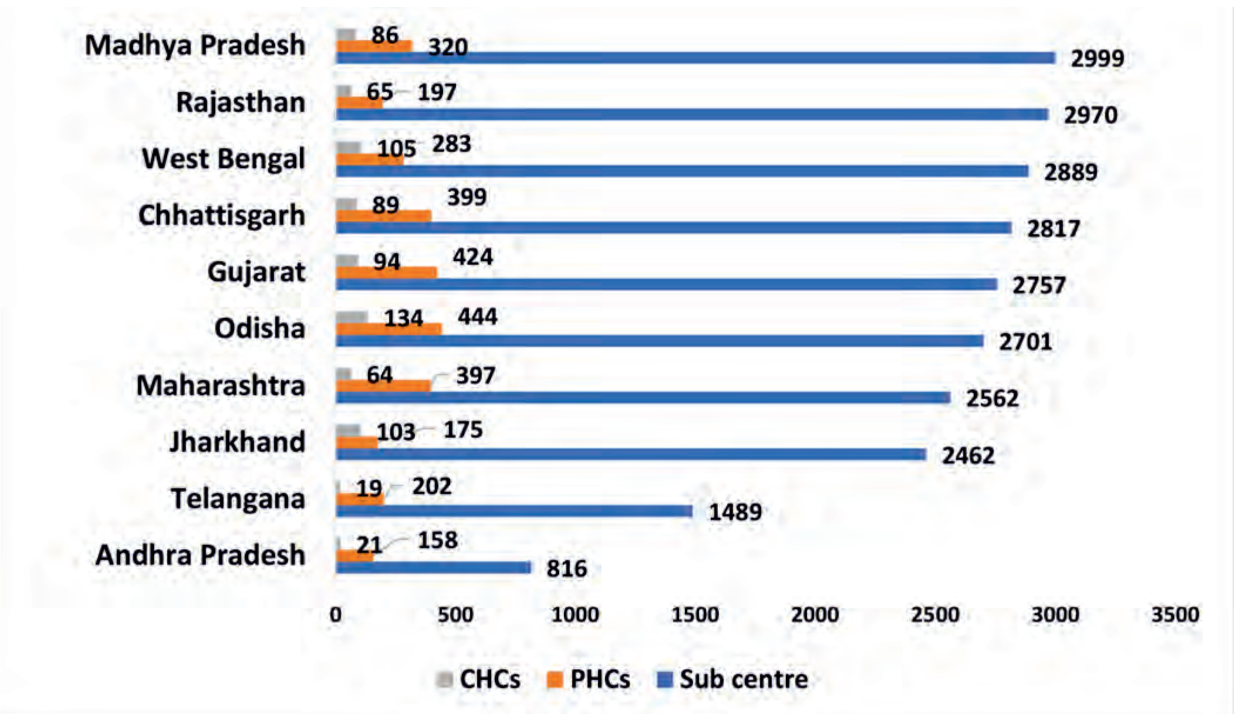

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय (केजीबीवीएस)

- कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) को सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के तहत आवासीय विद्यालयों के रूप में स्थापित किया जा रहा है
- 2017 के बाद स्थापित नए स्कूलों के आंकड़े, नामांकित एसटी छात्रों के आंकड़े इस प्रकार हैं:

गर्ल्स हॉस्टल सहित स्वीकृत केजीबीवी की संख्या		
वर्ष	राष्ट्रीय स्तर पर	एससी एसएफडी में
2013–14	5528	439
2019–20	5930	458

पंजीकरण		
वर्ष	कुल पंजीकरण	एसटी
2013–14	4,57,643	85,793
2019–20	6,24,441	1,54,701

जवाहर नवोदय विद्यालय

- "मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रत्येक जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं – जिसमें मूल निवासियों की संस्कृति, पर्यावरण के बारे में जागरूकता, साहसिक गतिविधियों और शारीरिक शिक्षा का एक मजबूत घटक शामिल है"
- एसटी आबादी की बड़ी सघनता वाले जिलों में 10 जेएनवी को मंजूरी दी गई है
- प्रत्येक विद्यालय में कक्षाओं, छात्रावासों, स्टाफ–क्वार्टर, डाइनिंग–हॉल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त भवन के साथ एक पूर्ण परिसर का प्रावधान है। खेल के मैदान, कार्यशालाएँ और पुस्तकालय आदि।

प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान)

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना एक केंद्रीय क्षेत्र प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है, जिसे कृषि मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

योजना के तहत 1.2 करोड़ से भी अधिक जनजातीय परिवारों को लाभ मिल रहा है

पीएम–किसान योजना के तहत राष्ट्रीय स्तर के एसटी लाभार्थी
(संख्या लाख में)

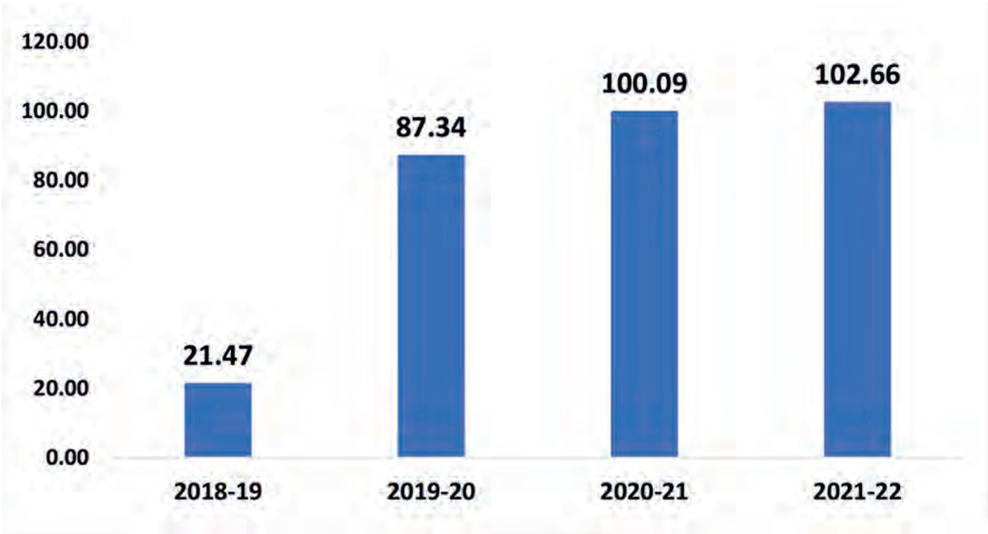

पीएम–किसान योजना के तहत राज्य/केंद्र शासित प्रदेशवार एसटी लाभार्थी
(संख्या लाख में)

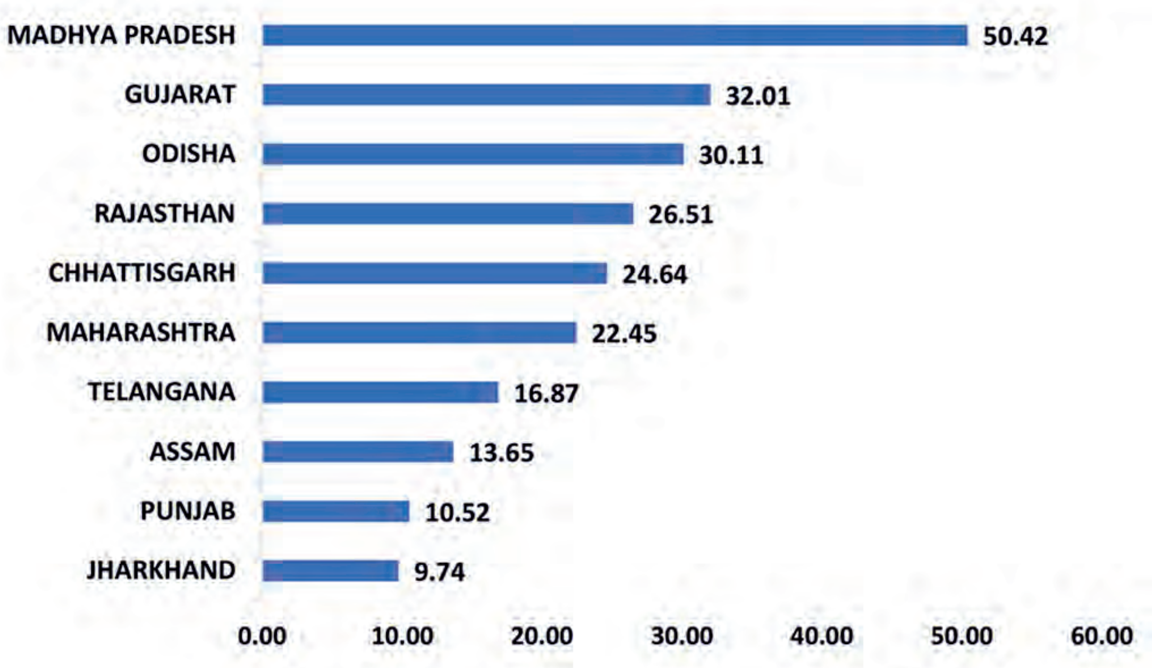

डिजिटलीकरण

इस डिजिटल युग में हमारे पास लोगों के जीवन को ऐसे तरीके से बदलने का अवसर है जिसकी कुछ दशक पहले कल्पना करना कठिन था।

श्री नरेन्द्र मोदी | माननीय प्रधान मंत्री भारत सरकार

डिजिटल गवर्नेंस

- मंत्रालय की सभी योजनाओं का डिजिटलीकरण
- डैशबोर्ड पर सभी योजनाओं और पहलों का डेटा प्रदर्शन
- पूरा कार्यालय पेपर–लेस
- डेटा आधारित निगरानी और डेटा विश्लेषण–आधारित रिपोर्टें
- राज्यों के साथ ऑनलाइन संचालन – प्रत्येक पोर्टल में शिकायत निवारण प्रणाली
- नीति आयोग द्वारा डेटा गवर्नेंस क्वालिटी इंडेक्स (डीजीक्यूआई) विकसित किया गया जिसमें 74 मंत्रालयों/विभागों में से जनजातीय कार्य मंत्रालय को निम्नानुसार रैंक किया गया है:

कैटेगरी	स्कोर	रैंक
**74 मंत्रालयों के बीच समग्र प्रदर्शन	4.61/5	4
**सोशल कैटेगरी	4.61/5	2

** पहली तिमाही और दूसरी तिमाही: 2022–23

डिजिटल सशक्तिकरण

S. No.	Name of the Schemes /Initiatives	Websites/Portal
1	Post-Matric Scholarship Scheme	State/NSP portal
2	Pre-Matric Scholarship Scheme	https://dbttribal.gov.in/
3	National Scholarship (Top Class)-	https://scholarships.gov.in/
4	National Fellowship (M. Phil, PhD)	https://fellowship.tribal.gov.in
5	National Overseas Scholarship Scheme	https://overseas.tribal.gov.in
6	STC Monitoring System	https://stcmis.gov.in/
7	NGO Grants online Application & Tracking System	https://ngo.tribal.gov.in/
8	Tribal Repository	https://repository.tribal.gov.in
9	FRA Portal	http://forestrights.nic.in/
10	Grants Management Portal	https://grants.tribal.gov.in
11	Migration Portal	https://shramshakti.tribal.gov.in
12	Swathya-Health and Nutrition Portal	https://swasthya.tribal.gov.in
13	Going Online As Leaders (GOAL)	https://goal.tribal.gov.in/
14	Sickle Cell Support Corner	https://scdcorner.in
15	1000 Stream initiative	https://thespringsportal.org/
16	Document Management System	https://tribal.gov.in/mtad
17	Adi-prasaran (Media page)	https://adiprasaran.tribal.gov.in
18	National Tribal Research Portal	https://tritribal.gov.in/
19	Website of Ministry	https://tribal.gov.in
20	GIS Enabled Entitlement Tracking system (GEET)	https://geet-undp.com/
21	TRIFED	https://trifed.tribal.gov.in
22	NSTFDC	http://www.nstfdc.net/
23	ADI-PRASHIKSHAN	http://www.adiprashikshan.tribal.gov.in

www.dashboard.tribal.gov.in

डिजिटलीकरण

जनजातीय कार्य मंत्रालय
MINISTRY OF TRIBAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
आदि प्रशिक्षण
ADI PRASHIKSHAN
Home
Dashboard
Training Themes
Resource Corner
Login / Sign up
Register
Shri Arjun Munda
Hon'ble Minister
आदि प्रशिक्षण
ADI PRASHIKSHAN
Smt. Renuka Singh Saruta
Hon'ble Minister of State
Shri Bishweswar Tudu
Hon'ble Minister of State

जनजातीय कार्य मंत्रालय
Ministry of Tribal Affairs
TRIBAL DIGITAL DOCUMENT REPOSITORY
Home
Browse By
Search
Feedback
Contact Us
Login
"India will prosper when our Tribal communities prosper"
- Hon'ble PM Shri Narendra Modi
Shri Arjun Munda
Hon'ble Minister
Smt. Renuka Singh Saruta
Hon'ble Minister of State

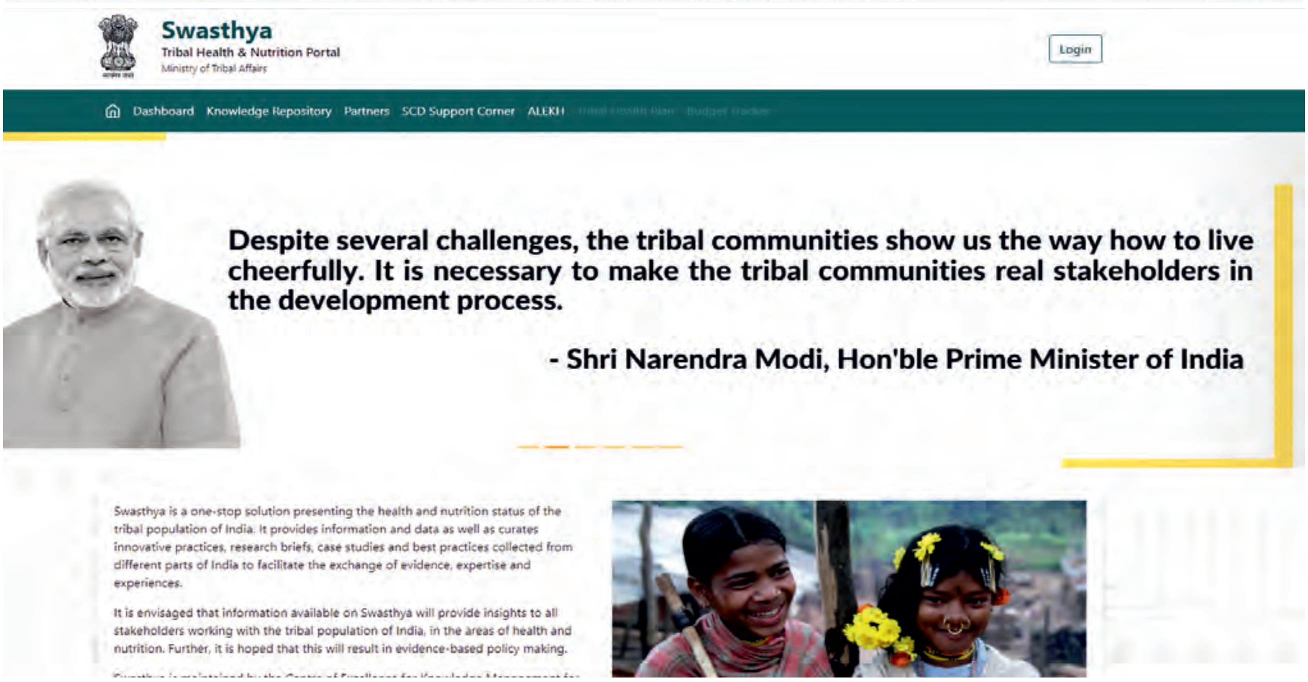
Swasthya
Tribal Health & Nutrition Portal
Ministry of Tribal Affairs
Login
Dashboard
Knowledge Repository
Partners
SCD Support Corner
ALEKH
Despite several challenges, the tribal communities show us the way how to live cheerfully. It is necessary to make the tribal communities real stakeholders in the development process.
- Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India
Swasthya is a one-stop solution presenting the health and nutrition status of the tribal population of India. It provides information and data as well as curates innovative practices, research briefs, case studies and best practices collected from different parts of India to facilitate the exchange of evidence, expertise and experiences.
It is envisaged that information available on Swasthya will provide insights to all stakeholders working with the tribal population of India, in the areas of health and nutrition. Further, it is hoped that this will result in evidence-based policy making.

अभिनव पहल

बर्फ के स्तूप

- लद्दाख के हिमालयी क्षेत्र के निवासियों के लिए पानी एक महत्वपूर्ण जीवन स्रोत है। कम वर्षा और घास के मैदानों में कमी के कारण, पानी एक दुर्लभ संसाधन बन गया है, जिससे कृषि मे बाधा आ रही है और ग्रामीणों का विस्थापन हो रहा है।
- उन क्षेत्रों में, जहां तापमान –30 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है, बर्फ के स्तूप, जो कृत्रिम रूप से बनाई गई ग्लेशियर संरचनाएं हैं, कठोर सर्दियों के महीनों के दौरान स्तूप के रूप में बड़ी मात्रा में पानी जमा करने के लिए बनाए गए हैं।

मुख्य विशेषताएं

- शंकु के आकार का डिजाइन यह सुनिश्चित करता है कि गर्मी की शुरूआत के बाद पानी लंबे समय तक जमा रहे
- बड़ी भंडारण क्षमता – 30 मीटर ऊंचे स्तूप में 3 मिलियन लीटर तक पानी जमा होता है
- समुदायों के साथ भागीदारी में बनाया गया
- क्षेत्र में शीतकालीन पर्यावरण–पर्यटन को बढ़ावा दिया गया
- परित्यक्त गाँवों का पुनर्वास

6 CLEAN WATER AND SANITATION

11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES

13 CLIMATE ACTION

तथ्य और आंकड़े

- 2020 में 26 बर्फ के स्तूप बने, 2021 में 24 और 2022 में 25 बर्फ के स्तूप बने
- इन बर्फ के स्तूपों में 60–70 मिलियन लीटर पानी का भंडारण होता है
- क्षेत्र में वृक्षारोपण ने रेगिस्तानी दिखने वाले अन्य क्षेत्रों को पूरी तरह से हरा–भरा कर दिया है।

आदर्श आदि ग्राम

- जनजातीय गाँवों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे भूमि क्षरण, कम उत्पादकता, सीमित तकनीकी जानकारी, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता की कमी और खराब स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और आजीविका के सीमित अवसरों के कारण संकटपूर्ण प्रवासन
- जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने BAIF डेवलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से, मालसोमत ग्राम पंचायत के 10 गाँवों में सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत एक संदर्भ–विशिष्ट, नीचे से ऊपर और एकीकृत ग्राम विकास दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें 90% से अधिक आबादी जनजातीय समुदाय से संबंधित है
- यह पहल प्राकृतिक संसाधन आधार में सुधार और समुदाय के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण और अभिसरण अपनाने के माध्यम से एसटी समुदाय के लिए सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। जनजातीय परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे आवास, पेंशन, मनरेगा आदि के तहत उनके उचित अधिकारों से भी जोड़ा गया।

मुख्य विशेषताएं

- जल संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन
- आजीविका और रोजगार के अवसर बढ़े
- संकट प्रवासन में कमी
- अधिकारों और अधिकारों के बारे में जागरूकता में सुधार
- विकास बैकलॉग को संबोधित करने के लिए स्थानीय कैडर की क्षमता का निर्माण
- पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण गतिविधियों का संस्थान।

तथ्य और आंकड़े

- 1245 परिवारों को आधार, आयुष्मान, एमएए, मनरेगा जॉब कार्ड बनाने में मदद की गई ताकि उन्हें पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, विधवा पेंशन, वरिष्ठ नागरिक पेंशन और आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं में सक्षम बनाया जा सके
- 4950 परिवार मनरेगा से जुड़े
- 545 परिवार पीएम–किसान योजना से जुड़े
- 750 एसटी परिवारों ने एफआरए के अंतर्गत भूमि का दावा किया
- 1210 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य बीमा योजना में नामांकन कराया।

स्वास्थ्य

- अन्य सामाजिक समूहों की तुलना में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य परिणाम कम है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने पीरामल स्वास्थ्य के सहयोग से जनजातीय स्वास्थ्य के मुद्दे को सामने लाने के उद्देश्य से जनजातीय स्वास्थ्य और पोषण पर एक ई–पोर्टल 'स्वास्थ्य – (https://swasthya.tribal.gov.in)' विकसित किया है। साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की सुविधा प्रदान करना, मौजूदा ज्ञान अंतर को पाटना और क्रॉस–लर्निंग और सहयोग के माहौल को बढ़ावा देना,
- डैशबोर्ड एक ही मंच पर 177 चिन्हित उच्च प्राथमिकता वाले जनजातीय जिलों के लिए कई स्रोतों से संकलित स्वास्थ्य और पोषण पर डेटा प्रस्तुत करता है। यह जानकारी और डेटा प्रदान करने के साथ–साथ नवीन प्रयासों, अनुसंधान, केस अध्ययन और सर्वोत्तम प्रयासों को क्यूरेट करता है। विशेषज्ञता और अनुभवों के आदान–प्रदान की सुविधा के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से प्रमाण एकत्र किया गया।

मुख्य विशेषताएं

- डैशबोर्ड जनजातीय स्वास्थ्य और पोषण पर जिलेवार प्रमुख आंकड़ा प्रदर्शित करता है
- एक मंच के तहत जनजातीय स्वास्थ्य और पोषण संकेतकों पर डेटा भंडार
- आलेख – स्वास्थ्य और पोषण को कवर करने वाला त्रैमासिक ई–न्यूजलेटर
- जनजातीय स्वास्थ्य और पोषण पर काम करने वाले संगठनों का भौगोलिक मानचित्रण।

तथ्य और आंकड़े

- स्वास्थ्य और पोषण प्रोफाइल के लिए 177 जनजातीय जिलों को कवर किया गया।

भाषा – जनजातीय अकादमी

- 2011 की जनगणना में 99 गैर–अनुसूचित भाषाओं की सूची दी गई है, जिनके बोलने वालों की संख्या 1000 से कम है, जिन्हें यूनेस्को द्वारा लुप्तप्राय माना जाता है
- भाषा अनुसंधान और प्रकाशन केंद्र की गुजरात जनजातीय अध्ययन की ग्रंथ सूची तैयार करने की अनूठी और नवीन पहल का उद्देश्य पुस्तकों, पत्रिकाओं और शोध पत्रों के रूप में एक ही छत के नीचे विद्वानों के कार्यों का संकलन करना है। जनजातीय साहित्य का पता लगाने के लिए पुराने शहर के पुस्तकालयों और जनजातीय–सघन जिलों के विभिन्न कॉलेजों में दो दर्जन से अधिक पुस्तकालयों को शामिल किया गया है।
- वेबसाइट की परिकल्पना जनजातीय साहित्य, संस्कृति और समाज पर अध्ययन और अनुसंधान के लिए शिक्षकों, विद्वानों और छात्रों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करने और गुणात्मक भविष्य के अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए की गई है।

4 QUALITY EDUCATION

16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS

मुख्य विशेषताएं

- 500 जनजातीय अनुसंधान सूचियों के साथ जनजातीय अनुसंधान साहित्य के लिए वन–सटॉप मंच
- विद्वानों के लिए थीम–आधारित नेविगेशन के साथ उपयोगकर्ता–अनुकूल पोर्टल
- भविष्य और आने वाले शोध कार्यों को गतिशील रूप से रखने के लिए डिजाइन किया गया
- जनजातीय ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण।

गौ–आधारित खेती

- हाल के वर्षों में, कृषि रसायनों और संकर बीजों ने जनजातीय क्षेत्रों में प्रवेश करना शुरू कर दिया है। इससे मिट्टी की सूक्ष्मजीव विविधता के साथ–साथ खेती की गई फसलों की विविधता का तेजी से क्षरण हो रहा है। प्रस्तावित हस्तक्षेप पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान (टीईके) की रक्षा करना, स्वदेशी बीज बैंकों को पुनर्जीवित करना और "गौ–आधार" सिद्धांतों के आधार पर टिकाऊ कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना है
- एसएसआईएएसटी ने सीओई औरंगाबाद, महाराष्ट्र में 10 जनजातीय गाँवों को गोद लिया है, 3 वर्षों में 10,000 किसानों को प्राकृतिक खेती तकनीकों में प्रशिक्षण दे रहा है। किसानों को पीजीएस–इंडिया जैविक प्रमाणीकरण योजना के तहत पंजीकृत किया गया है। किसानों की आजीविका बढ़ाने के लिए फसल के बाद मूल्य संवर्धन और आपूर्ति श्रृखला लिंकेज को सक्षम किया गया है।
- उच्च राजस्व वाली औषधीय और सुगंधित फसलों को बाय–बैक समझौते के साथ शुरू किया गया है।

10 देसी बीज कोष स्वदेशी के साथ बीज स्थापित करना

161 श्री श्री किसान मंच पंजीकृत

1000 किलोग्राम मुफ्त अश्वगंधा बीज वितरित किये गये

1100 आदिवासी महिलाओं द्वारा 1 लाख पर्यावरण अनुकूल बीज राखियाँ बनाई गई और विपणन की गई

10,000 किसान | **10** जनजातीय गाँवों को गोद लिया गया

सिरोही जिले के जनजातीय समुदायों के लिए टेलीमेडिसिन

10 REDUCED INEQUALITIES

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING

- जनजाजीय कार्य मंत्रालय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के सहयोग से राजस्थान के जनजातीय आकांक्षी जिले सिरोही में टेलीमेडिसिन केंद्र (जनजातीय स्वास्थ्य और अनुसंधान के लिए उपग्रह केंद्र) की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य एम्स, जोधपुर के विशेषज्ञों के माध्यम से जनजातीय आबादी को टेलीमेडिसिन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।
- टेलीमेडिसिन केंद्र 8 विभागों (सामान्य चिकित्सा, पल्मोनरी मेडिसिन, सामान्य सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल चिकित्सा, शारीरिक चिकित्सा पुनर्वास, मनोचिकित्सा और त्वचा विज्ञान) में विशेष देखभाल और 5 विभागों (कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, एंडोक्राईनोलॉजी और यूरोलॉजी) में सुपर–स्पेशलिटी देखभाल प्रदान करता है)
- केंद्र सामुदायिक भागीदारी और भागीदारी के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन भी प्रदान करता है।

830
नए रोगियों ने एम्स जोधपुर के अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) में पंजीकरण कराया और छह महीने में टेलीपरामर्श प्राप्त किया

परिणाम

80%
मरीज रिपोर्ट करते हैं कि वे टेलीमेडिसिन सेवाओं से बेहद संतुष्ट हैं

150+
मरीजों को सुपर स्पेशलिटी देखभाल का लाभ मिला, जिससे स्वास्थ्य देखभाल व्यय में कमी आई

>300 Days
चिकित्सा देखभाल के लिए यात्रा की दूरी के कारण मरीजों का काम पर छूटा हुआ दिन बच गया

चांगथांग लद्दाख – पशुधन और पश्मीना ऊन शिल्प को बढ़ावा देना

- कई शताब्दियों तक कृषि और पशुपालन लद्दाख की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे हैं
- पूर्वी लद्दाख में स्थित चांगथांग पश्मीना ऊन के लिए जाना जाता है
- सर्दियों के मौसम में तापमान शून्य से 30 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चले जाने के कारण मेमनों की मृत्यु दर बहुत अधिक होती है
- जनजातीय कार्य मंत्रालय ने हिमोत्थान सोसाइटी (TATA ट्रस्ट) के सहयोग से सोलर लैंबिंग शेड विकसित किया, जिससे मेमनों की मृत्यु दर को काफी हद तक कम करने में मदद मिली
- स्वयं सहायता समूहों को पशुधन पालन का प्रशिक्षण दिया गया
- महिला कारीगरों को कताई, बुनाई और बुनाई में प्रशिक्षित करने के लिए छह गाँवों में उत्पाद विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं। परियोजना द्वारा प्रशिक्षुओं को उपकरण एवं कच्चे माल की आपूर्ति की जाती है। कारीगरों द्वारा विकसित उत्पादों का उपयोग अवर्ती निधि बनाने के लिए किया जाता है
- स्वयं सहायता समूह और कारीगर। विकास रणनीति के हिस्से के रूप में इन उपकरणों का स्वामित्व महिला एसएचजी को हस्तांतरित किया जाता है।

महिला कारीगर कौशल विकास

उत्पाद की ब्रांडिंग, विपणन और प्रचार

ग्रामीण रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण

मेमनों की मृत्यु दर में कमी

शहरी प्रवास में कमी

11 मास्टर ट्रेनर और 100+ कारीगर

7 सोलर लैंबिंग शेड और 1000+ पशुधन बचाए गए

एस्पायर मेघालय

एस्पायर मेघालय सॉफ्ट स्किल्स और टैलेंट आइडेंटिफिकेशन इंटरवेंशन कला और संस्कृति विभाग, मेघालय सरकार की एक पहल है और भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा समर्थित है, जो युवाओं को जीवन–कौशल और मुकाबला रणनीतियों से लैस करने के लिए तैयार है। व्यक्तिगत और पेशेवर मोर्चों पर स्वस्थ, उत्पादक जीवन जीने की आवश्यकता है

पाठ्यक्रम

- व्यक्तिगत विकास
- शिष्टाचार
- प्रतिभा को पहचानना
- कार्यशैली
- सार्वजनिक रूप से बोलना
- संस्कृति और पहचान
- महत्वपूर्ण सॉफ्ट कौशल
- नेतृत्व

4 QUALITY EDUCATION

जनसांख्यिकी

9,230
BENEFICIARIES

11
DISTRICTS

49
SCHOOLS & COLLEGES

AGE
< 12 YEARS: 9
13 - 16 YEARS: 1,562
17 - 18 YEARS: 2,275
19 - 22: 4,293
> 23 YEARS: 1,091

60% FEMALES

40% MALES

प्रभाव

भावनाएँ

99% अपनी भावनाओं के प्रति अधिक जागरूक थे

88.76% ने महसूस किया कि वे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं

94% प्रतिभागियों ने महसूस किया की वे अपने डर से निपटने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं

नजरिया

99.85% प्रतिभागियों ने मूल्यों के एक स्पष्ट सेट की पहचान की थी

शीर्ष 3 बुरी आदतें जिन्हें 23% ने छोड़ने का संकल्प लिया है वे हैं विलंब, लत और गुस्सा

100% प्रतिभागियों ने एक व्यक्तिगत ताकत की पहचान की थी

जनजातियों की आजीविका और आप में वृद्धि खुबानी पर जोर देने वाले परिवार और लेह में सब्जी की खेती

लद्दाख में खुबानी मूल्य श्रृंखला विकास

- 15,000 टन वार्षिक उत्पादन के साथ लद्दाख भारत में खुबानी फल का सबसे बड़ा उत्पादक है। हालाँकि, संगठित विपणन की कमी, खराब कटाई और सुखाने के तरीकों के कारण कुल उपज का 40–50% बर्बाद हो जाता है
- लद्दाख की शाम घाटी के फल उत्पादकों को सोलर ड्रायर, हार्वेस्टिंग नेट, जैव–कीटनाशक, पत्तेदार उर्वरक, ग्रफ्टिंग उपकरण, बीज डी–कॉर्टिकेटर, तेल निकालने वाला और फील्ड प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि वे अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार कर सकें
- जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने हिमोत्थान सोसाइटी (टाटा ट्रस्ट) के सहयोग से शाम घाटी और खारू घाटी के खुबानी और सब्जी उत्पादकों के लिए एक व्यापक कार्य योजना तेयार की है
- खुबानी के लिए किसान उत्पादक संगठन के गठन के लिए 300 परिवारों को शामिल करते हुए 7 गांवों अर्थात धा, सीमा, हनु थांग, अचिनाथांग, लेहडो, डोमखर और तकमचिक में 14 किसान हित समूह (एफआईजी) बनाए गए हैं।
- लद्दाख सब्जी उत्पादक सहकारी लिमिटेड के रूप में पंजीकृत सब्जी एफपीओ के तहत खारू घाटी में 13 एफआईजी का गठन किया गया है, जिसमें 9 गांवों चेमडे, सक्ती, तुकला, मार्टसेलंग, एलजीओ, टार्चिट, एलकेके, चांगा ओर टूना में 400 परिवार शामिल हैं।
- मूल्य श्रृंखला विकास में फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की सुविधा के लिए एफपीओ का गठन और पंजीकरण जम्मू और कश्मीर एसआरसी अधिनियम के तहत किया जाता है। व्यवसाय संचालन के प्रबंधन के लिए तीन महिला प्रतिनिधियों सहित 10 निदेशक नियुक्त किए गए हैं
- कृषि–प्रसंस्करण को समर्थन देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थमित किया गया है और उनके उत्पादों का विपणन शाम वैली एप्रीकॉट प्राड्यूसर्स को–ऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा ब्रांड 'जूली लद्दाख' के तहत किया जाता है।

लेह जिले के 16 गांवों के 700+ जनजातीय परिवार लाभान्वित हुए

मिशन जीविका

- मिशन जीविका ओडिशा सरकार द्वारा सतत कृषि को पुनर्जीवित करने के लिए एक आजीविका क्लस्टर मॉडल है। कार्यक्रम को एससीए से टीएसएस और एमओटीए की धारा 275(1) योजना के तहत कार्यान्वित किया जा रहा है
- महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एसमजीएनआरईजीएस), राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई), कृषि उत्पादन क्लस्टर आदि के साथ संयोजन
- आजीविका संबर्धन के लिए सामुदायिक स्तर की संपत्तियों के निर्माण के लिए व्यक्तिगत जनजातीय लाभार्थियों/एसएचजी सदस्यों का समर्थन करने के लिए 2019–20 के दौरान संकल्पना की गई।

कवरेज
22 एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियों को कवर करने वाले 3 जिले (देवगढ़, संबलपुर और क्योंझर)

स्वीकृत परियोजना राशि
रु० 155.84 करोड़

लाभार्थियों को कवर किया गया
1.91 लाख से अधिक आदिवासी परिवारों को विभिन्न क्षेत्र–विशिष्ट कृषि और गैर–कृषि उत्पादन क्लस्टर 1444 फार्म लेने के लिए सहायता प्रदान की गई

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING

10 REDUCED INEQUALITIES

केंद्र बिंदु के क्षेत्र

क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत प्राथमिकता के आधार पर विकास के लिए कुछ सांकेतिक क्षेत्र:

- कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ
- पशुधन विकास
- प्रसंस्करण और विपणन
- ग्रामीण क्षेत्रों में लघु और सूक्ष्म उद्यम
- पारंपरिक कलाएँ, जैसे हस्तशिल्प और हथकरघा।

इस पहल के तहत:

- क्लस्टर–आधरित उत्पादक समूहों का गठन और पंजीकरण उनके उत्पाद संग्रहण, प्रसंस्करण सहित सामाजिक आर्थिक आवश्यकता आदि की देखमाल के लिए उपयुक्त अधिनियम के तहत किया जाता है
- कृषि–आधारित क्लस्टर के लिए न्यूनतम 50 एकड़ और सन्निहित पैच में किसी भी ऑफ–फार्म क्लस्टर के मामले में न्यूनतम 100 लाभार्थियों को कवर करना
- सहायक सेवाएं प्रदान करने, बेहतर उत्पादन प्रथाओं का परिचय, उत्पादन के पैमाने, गुणवत्ता वाले कच्चे माल तक बेहतर पहुंच, कौशल विकास और बाजार से जुड़े उत्पादन के साथ–साथ समूहों में पहचाने गए 1 टीडीए में कुछ पहचानी गई गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना है।

अन्य मंत्रालयों/विभागों के साथ अभिनव पहल

भारत सरकार

G20 2023 INDIA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जनजातीय समुदाय के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समर्पित कदम

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

एवं

1 करोड आयुष्मान भारत कार्ड के वितरण

का शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

- सिकल सेल पीडितो का समुचित इलाज, जनजातीय समुदायो को विशेष लाभ
- 17 आदिवासी बहुल राज्यो के 278 जिलो मे मिशन लागू
- सिकल सेल रोग के नए मामलो को समाप्त करने का लक्ष्य
- आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मध्यप्रदेश मे 1 करोड फिजिकल आयुष्मान कार्ड का वितरण, साथ ही 3 59 करोड डिजिटल कार्ड का भी वितरण

जिला शहडोल, मध्य प्रदेश | शनिवार 1 जुलाई, 2023 | दोपहर 3·00

गरिमामयी उपस्थिति

मगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्य प्रदेश

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

डॉ मनसुख माडविया
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री

अर्जुन मुडा
केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण DD NEWS पर

cbc 17102/13/0022/2324

अन्य मंत्रालयों/विभागों के साथ सहयोग

जनजातीय मंत्रालय ने अन्य मंत्रालयों/विभागों के साथ निम्नलिखित अभिनव पहल:

- **एफआरए, 2006** के कार्यान्वयन पर **पर्यावरण एवं वन मंत्रालय** के साथ संयुक्त पत्र व्यवहार
- **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन** के लिए **ग्रामीण विकास मंत्रालय** के साथ समझौता ज्ञापन
- **ईएमआरएस छात्रों को डिजिटल लर्निंग** के लिए उपकरणों की आपूर्ति हेतु **इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ** सहयोग
- **टीबी उन्मूलन कार्यक्रम** के लिए **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के साथ सहयोग
- **सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण** 7 इकाइयों की स्थापना के लिए **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय** के साथ सहयोग
- **केवीआईसी की कार्यान्वयन एजेंसी** के रूप में **एनएसटीएफडीसी** को शामिल करने के लिए **एमएसएमई** के साथ सहयोग
- **केवीआईसी ईएमआरएस** छात्रों के लिए **पोशाक** सामग्री की आपूर्ति करेगा।

आजादी का अमृत महोत्सव

आदि महोत्सव भारत की आदिवासी संस्कृति की गौरवमयी प्रस्तुति है; इसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत का सार भी है
आदि महोत्सव के उद्घाटन पर पीएम मोदी
16 फरवरी 2023, दिल्ली

जनजातीय गौरव दिवस – 2021

2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती "15 नवंबर" को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में घोषित किया गया और पूरे देश में 15 से 22 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह हर्षोल्लास व अभिमान से मनाया गया।

मुख्य विशेषताएं (जनजातीय गौरव सप्ताह 2021)

- माननीय प्रधान मंत्री ने संसद परिसर, नई दिल्ली में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की
- माननीय प्रधानमंत्री ने राँची में "भगवान बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय" का उद्घाटन किया
- गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा मणिपुर के तमेंगलोंग में रानी गाइदिन्ल्यू संग्रहालय की आधारशिला रखी गई
- जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान आयोजित कुल 133 कार्यक्रम (15–22 नवंबर 2021–22)
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 50 ईएमआरएस की आधारशिला गयी
- भोपाल महासम्मेलन में 02 लाख जनजातियों ने भाग लिया।

जनजातीय गौरव दिवस - 2022

2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती "15 नवंबर" को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में घोषित किया गया और पूरे देश में 15 से 22 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह हर्षोल्लास व अभिमान से मनाया गया।

मुख्य विशेषताएं (जनजातीय गौरव सप्ताह 2022)

- माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की
- माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की
- माननीय प्रधानमंत्री जी ने एक विशेष वीडियो संदेश में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को साकार करने के लिए देश 'पंच प्राण' की ऊर्जा से आगे बढ़ रहा है
- 401 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में जनजाति गौरव दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के साथ मनाया जाता है
- जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान आयोजित कुल 80 कार्यक्रम (15–22 नवंबर 2021–22)

आदि शौर्य

जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं रक्षा मंत्रालय द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के साथ नेताजी सुभाशचंद्र बोस की जयंती (पराक्रम दिवस) के अवसर पर नई दिल्ली के जवाहर लाल रेहरू स्टेडियम में आदि शौर्य – पर्व पराक्रम का समारोह आयोजित किया, जिसमें सशस्त्र बलों द्वारा हजारों लोगों की उपस्थिति में जनजातीय नृत्यों और प्रदर्शनों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई।

महिला स्वयं सहायता समूह सम्मेलन, खूंटी

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने झारखंड के खूंटी में जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत ट्राइफेड द्वारा आयोजित महिला स्वयं सहायता समूह सम्मेलन में महिलाओं के साथ संवाद किया

आदि महोत्सव – 2023

आदि महोत्सव, जनजातीय उत्पादों को प्रदर्शित करने और कारीगरों को मुख्यधारा के साथ जुड़ने में मदद करने का एक अवसर है, जिसमें व्यक्तिगत जनजातीय कारीगर, जनजातीय एसएचजी, और अनेक संगठन भाग लेते हैं। ट्राइफेड ने देश भर में 37 आदि महोत्सवों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

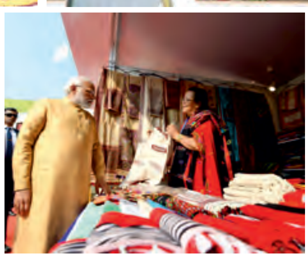

राष्ट्रीय जनजातीय शोध संस्थान (एन.टी.आर.आई.) का उद्घाटन समारोह

गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनजातीय शोध संस्थान का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संवाद कार्यक्रम

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 1 जुलाई को मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के पकरिया गाँव में जनजातीय नेताओं, पेसा समिति के सदस्यों, स्वयं सहायता समूहों की दीदीयों और युवा फुटबॉल खिलाड़ियों से मुलाकात करते हुए

आदिम संस्कृति के संवाहकों से संवाद

कोविड–19 प्रबंधन में राज्य के साथ सहयोग

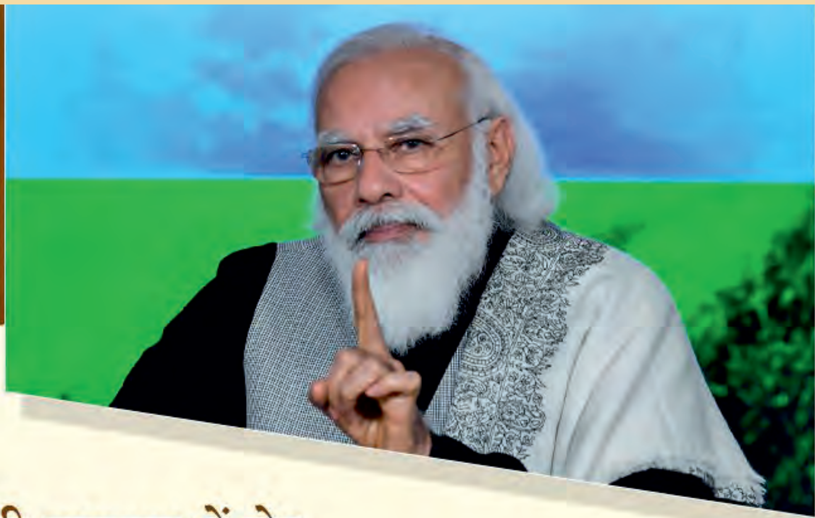

हमारे आदिवासी समुदाय में बेर बहुत लोकप्रिय रहा है। आदिवासी समुदायों के लोग हमेशा से बेर की खेती करते रहे हैं, लेकिन COVID-19 महामारी के बाद इसकी खेती विशेष रूप से बढ़ती जा रही है। त्रिपुरा के उनाकोटी (Unakoti) के ऐसे ही 32 साल के मेरे युवा साथी हैं बिक्रमजीत चकमा। उन्होंने बेर की खेती की शुरूआत कर काफी मुनाफा भी कमाया है और अब वो लोगों को बेर की खेती करने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 25 जुलाई 2021

"वैक्सीन मैत्री पहल के तहत हमने दुनिया के साथ कोविड के टीकों की लाखों डोज साझा की

समिट फॉर डेमोक्रेसी में
पीएम मोदी
29 मार्च 2023, नई दिल्ली

कोविड-19 प्रबंधन

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

- स्कॉच चैलेंजर अवार्ड
- 4 स्कॉच स्वर्ण पुरस्कार (गोल्ड अवार्ड)
- 2 सीएसआई पुरस्कार
- 74 विभागों में डीजीक्यूआई 2.0 रैंकिंग में 5 में से 4.61 के स्कोर के साथ चौथा स्थान
- सामाजिक क्षेत्र में डीजीक्यूआई 2.0 रैंकिंग में 24 विभागों में से दूसरा स्थान
- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रकाशित

मीडिया कवरेज

सोशल मीडिया

Arjun Munda Retweeted

President of India @rashtrapatibhvn · 19h

हमारे देश में जनजातीय समुदाय की कुल आबादी लगभग दस करोड़ है। इसमें डेढ़ करोड़ से अधिक की आबादी मध्य प्रदेश में है, जो किसी भी राज्य में जनजातियों की सबसे बड़ी आबादी है। इसलिए मध्य प्रदेश के इस क्षेत्र में जनजातीय समागम का आयोजन सर्वथा प्रासंगिक है।

32 · 198 · 1,033

Narendra Modi @narendramodi · 1h

हमारी सरकार आदिवासी बहनों-भाइयों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मध्य प्रदेश के शहडोल में 'सिकल सेल एनीमिया मुक्ति मिशन' के शुभारंभ से उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा।

Narendra Modi @narendramodi
हमारी सरकार आदिवासी बहनों-भाइयों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मध्य प्रदेश के शहडोल में 'सिकल सेल ...

379 · 2,264 · 5,828 · 185K

You Retweeted

Ministry of Information and Broadcasting @MIB_India · Feb 16

LIVE NOW

PM @narendramodi inaugurates "Aadi Mahotsav" - National Tribal Festival at Major Dhyan Chand National Stadium

@PMOIndia @TribalAffairsIn

Ministry of Information and Broadcasting @MIB_India
PM Modi inaugurates "Aadi Mahotsav" - National Tribal Festival at Major Dhyan Chand National Stadium

1 · 10 · 18 · 1,760

You Retweeted

PIB in Assam @PIB_Guwahati · Feb 16

PM @narendramodi inaugurates #AadiMahotsav and pays homage to tribal freedom fighter Birsa Munda at Major Dhyan Chand National Stadium in Delhi

@PMOIndia @MundaArjun @TribalAffairsIn #AadiMahotsav2023

From PIB India

4 · 17 · 1,024

Vice President of India @VPSecretariat

The fearless leader, Birsa Munda spearheaded the tribal movement and made an invaluable contribution to our freedom struggle. His courage and sincere love for our motherland continues to inspire all Indians #BirsaMunda #JanJatiyaGauravDivas2022

11:57 AM · Nov 15, 2022 · Twitter for iPhone

22 Retweets 2 Quote Tweets 115 Likes

Vice President of India @VPSecretariat · Nov 15

On Janjatiya Gaurav Divas, Hon'ble Vice President & Chairman Rajya Sabha, Shri Jagdeep Dhankhar paid floral tributes to the legendary tribal freedom fighter, 'Dharti Aaba' Birsa Munda on his birth anniversary, at Parliament House today. #JanJatiyaGauravDivas2022 #BirsaMunda

Om Birla and 2 others

9 · 88 · 593

सोशल मीडिया

A. Bharat Bhushan Babu
@SpokespersonMoD

रक्षा मंत्रालय एवं जनजातीय कार्य मंत्रालय की संयुक्त प्रस्तुति #आदि-शौर्य को देखने के लिए एंट्री फ्री है। इस #पराक्रमदिवस के अवसर पर 23-24 जनवरी को #जवाहरलालनेहरूस्टेडियम में सेना का शौर्य प्रदर्शन मिलिट्री बैंड की धुनों पर होगा और देश के विभिन्न 20 जनजातीय नृत्य प्रस्तुत होंगे।

Translate Tweet

MyGovIndia @mygovindia · Nov 15

A tribute to the tribal hero, Bhagwan Birsa Munda, on his birth anniversary. A man of conviction & courage who spearheaded the tribal revolution against the British, his ideals will continue to inspire generations of Indians.

#MyGovMorningMusings
#JanJatiyaGauravDivas

8 115 235

You Retweeted

SansadTV @sansad_tv · Feb 16

PM @narendramodi inaugurates #AadiMahotsav, the mega National Tribal Festival at Major Dhyan Chand National Stadium in Delhi.

PM Modi also paid floral tribute to tribal freedom fighter Birsa Munda.

@VanDhanSeVikas @TribalAffairsIn #AadiMahotsav2023

15 66 8,033

Arjun Munda Retweeted

President of India @rashtrapatibhvn · 19h

राष्ट्रपति के रूप में ,मध्यप्रदेश की अपनी पहली यात्रा में, मुझे इतनी बड़ी संख्या में यहां उपस्थित भाई-बहनों के बीच आकर, बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

32 370 3,759

Ministry of Tribal Affairs, Govt. of India @TribalAffairsIn · Aug 3

हमने #AmritKaal में पदार्पण किया है, मुझे लगता है जनजातीयों की #भाषा, उनकी #संस्कृति, परंपरा जीवित रहे, लोगों के सामने वह और विकसित हो, इसके पूर्व उनका संरक्षण करना, संजो कर रखना, ये हम सबका दायित्व है : श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, माननीय राष्ट्रपति। #AmritMahotsav #MainBharatHoon

9 25 1,014

रिपब्लिक.भारत
@Republic_Bharat

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा विश्व आदिवासी दिवस पर राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान के प्रोग्राम में हुए शामिल, छात्रों के साथ की चर्चा

Translate Tweet

bharat.republicworld.com
केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा विश्व आदिवासी दिवस पर राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान के प्रोग्रा...
आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वार्तालाप सत्र-संवाद में लिया हिस्सा।

9:44 PM · Aug 9, 2022 · TweetDeck

5 Retweets 54 Likes

बिरसा वाणी 02

अमृत काल के विजन के मार्गदर्शन के लिए सात प्राथमिकताएं सप्तऋषि के रूप में कार्य करती हैं, एक सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था

1) समावेशी विकास
2) अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना
3) अवसंरचना एवं निवेश
4) संभावनाओं को उन्मुक्त करना
5) हरित विकास
6) युवा शक्ति
7) वित्तीय क्षेत्र।

सरकार का प्रयास इलाज की समुचित व्यवस्था घर के नजदीक मिल सके : अर्जुन मुंडा

स्वदेश संवाददाता

सरायकेला : केंद्रीय जनजातीय मामले के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाया जा रहा है, ताकि इलाज की समुचित व्यवस्था लोगों को घर के नजदीक मिल सके। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से मरीजों का डाटा बन रहा है, जिसके बाद उसका फॉलो भी किया जाएगा। यह आयोजन एक दिन के लिए नहीं है, बल्कि दूरगामी लक्ष्यों को लेकर आयोजित किया गया है। टाटा फाउंडेशन तथा आयुष मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सरायकेला के काशी साहू कॉलेज में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। तीन सौ डॉक्टरों की टीम ने शिविर में स्थानीय लोगों का चिकित्सीय परीक्षण किया। लोगों को मुफ्त दवाएं भी दी गईं। कई दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण और ट्राई साइकिल प्रदान किए गए।इस अवसर पर राज्य के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने देश और समाज के विकास के लिए जन सामान्य के अच्छे स्वास्थ्य को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में जन सामान्य की रिकॉर्ड संख्या में भागीदारी यह दर्शाता है कि जनजातीय कार्य मंत्रालय का आयोजन अपने उद्देश्यों में बेहद सफल रहा है। मेला आयोजन स्थल पर आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाने के लिए खास व्यवस्था भी की गई, 1000 से अधिक लोगों ने इसका लाभ आज उठाया। इस आयोजन में जनजातीय कार्य मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष मंत्रालय, टाटा स्टील फाउंडेशन और जिला प्रशासन के प्रयास शामिल हैं। इसके जरिये अपोलो, फोर्टिस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, एम्स आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ डॉक्टर सुदूर जनजातीय इलाकों में जाकर भिन्न-भिन्न प्रकार के रोगों की जांच व निदान करेंगे। इस शिविर को सफल बनाने के लिये ट्राइफेड, एनएसटीएफडीसी और ईएमआरएस का भी सहयोग लिया जा रहा है। मंत्री चंपई सोरेन ने झारखंड सरकार को समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के प्रति कृत संकल्पित बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पहल पर परंपरागत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सदर अस्पताल को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि ऐसे शिविरों का आयोजन करने की आवश्यकता ना हो। कहा कि स्वास्थ्य केंद्र मजबूत होगा तो लोगों को उनके घर तक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम को जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने भी संबोधित किया। इस कैम्प में हजारों की संख्या में जिले के विभिन्न क्षेत्र से मरीज स्वास्थ्य लाभ लेने पहुंचे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सदस्यों को किया संबोधित

पूरी दुनिया में आदिवासियों की कला-शिल्प की मांग बढ़ी : बिरला

शौर्य-पर्व पराक्रम में हैरतअंगेज करतब

मिलेट्री टैटू व जनजातीय नृत्य का आयोजन

नई दिल्ली, 23 जनवरी (नवोदय टाइम्स) : रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर जनजातीय कार्य मंत्रालय अमृत महोत्सव के विशेष अवसर पर 'मिलेट्री-टैटू' और जनजातीय नृत्य उत्सव 'आदि शौर्य – पर्व पराक्रम का' का आयोजन कर रहा है। दरअसल अवसर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती का भी है, जिसके क्रम में 23 और 24 जनवरी को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में पराक्रम दिवस मनाया जा रहा है। इसके आयोजन में भारतीय तटरक्षक समन्वय एजेंसी की भूमिका निभा रहा है।

बता दें कि उत्सव के दौरान 'मिलेट्री-टैटू' के माध्यम से सशस्त्र बलों का दमखम प्रदर्शित किया गया। इस दौरान जनजातीय समुदाय ने भी जोरदार नृत्य की प्रस्तुति दी। जिनमें भारत की विविधतापूर्ण जनजातीय संस्कृति का सौंदर्य नजर आया। ये कलाकार छत्तीसगढ़, केरल, राजस्थान, झारखंड, लद्दाख, मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों के हैं।

दर्शकों को हिमाचल प्रदेश के गद्दी नटी, गुजरात के सिद्धी धमाल, पश्चिम बंगाल से पुरुलिया छाऊ और अन्य नृत्य विधाओं का आनन्द उठाने का अवसर मिला।

मनमोहक कार्यक्रमों खासतौर से जनजातीय नृत्य विधाओं की ड्रेस रिहर्सल कुछ समय पूर्व से लगातार 1200 कलाकार कर रहे थे। लोगों को आकर्षित करने के लिए आयोजन स्थल को बाहर व भीतर से जनजातीय कला से सजाया जा रहा है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर 'मिलेट्री-टैटू' और जनजातीय नृत्य उत्सव 'आदि शौर्य – पर्व पराक्रम का' के आयोजन में हिस्सा लेते कलाकारों ने मनमोहक नृत्य व हैरतअंगेज करतब दिखाकर सभी को चकित कर दिया।

लोन चुकाने के बाद भी मिल रही है धमकी

नई दिल्ली, 23 जनवरी (नवोदय टाइम्स): एप से लोन लेना एक शख्स को भारी पड़ गया है। मामला शाहदरा इलाके का है जहां पीड़ित का दावा है कि उन्होंने छह दिन में लोन चुका दिया था। इसके बाद एप की तरफ से लगातार उनके खाते में जबरन लोन के रुपए भेजे गए। हालांकि उन्होंने अधिक ब्याज पर उस लोन को भी चुकाते रहे। इसके बावजूद उन्हें और रुपए चुकाने के लिए फोन कर जान से मारने की धमकी देने लगे। पीड़ित की शिकायत पर शाहदरा साइबर सेल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रवीण खन्ना परिवार के साथ शाहदरा के बलबीर नगर में रहता है। प्रवीण को लगभग दो महीना पहले उसके पास एक मैसेज आया। जिसमें लोन के लिए लिंक दिया हुआ था। उन्होंने दिए हुए लिंक के जरिए एप डाउनलोड कर लोन ले लिए।

प्रिंट मीडिया

एनीमिया उन्मूलन मिशन के तैयारियों की समीक्षा बैठक

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने की समीक्षा

बिरसा वाणी संवाददाता

नई दिल्ली। आज जनजातीय कार्य मंत्रालय में केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख एल. मांडविया ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के संबंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक की।सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की घोषणा 2023-2024 के बजट में की गई है। मिशन को 2047 तक बीमारी के उन्मूलन के लिए लॉन्च किया जाएगा। इसमें जागरूकता निर्माण, 7 करोड़ लोगों की सार्वभौमिक जांच और सहयोगी प्रयासों के माध्यम से परामर्श शामिल होगा।इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अभियान को जमीनी स्तर पर जन-जन तक पहुँचाने और लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अभियान को जनजातीय मंत्रालय और राज्य नेतृत्व करेंगे और स्वास्थ्य मंत्रालय सहयोग करेगा। सभी मिलकर संयुक्त रूप से काम करेंगे।

जनजातीय समाज का हित रिश्तों और भावनाओं का विषय : मोदी

राष्ट्रपति ने खूंटी में महिला स्वयं सहायता समूह सम्मेलन को किया संबोधित, बोलीं–

झारखंड की महिलाएं परिश्रमी, देश के आर्थिक विकास में योगदान देने में सक्षम

झारखंड अलग राज्य बने 22 वर्ष हो गये, लेकिन जितना विकास होना चाहिये, उतना नहीं हुआ है

मैं ओड़िशा की हूं, लेकिन मेरे शरीर में खून झारखंड का बह रहा है

विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस

एससीडी से निपटने के लिए अभिनव तरीकों पर काम कर रही सरकार : मुंडा

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो. विश्व सिकल सेल दिवस मनाते हुए, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री माननीय अर्जुन मुंडा ने कहा कि सिकल सेल रोग (एससीडी) एक आनुवंशिक स्थिति, भारत में जनजातीय आबादी के बीच व्यापक है, जहां यह अनुमान लगाया गया है कि एसटी के बीच 86 जन्मों में से लगभग 1 एससीडी होता है। रोग लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन को प्रभावित करता है, जिसके परिणामस्वरूप रुग्णता और मृत्यु दर अलग-अलग तरीकों से हो सकती है। इसलिए, एससीडी का शीघ्र पता लगाने, प्रबंधन और उपचार प्रभावित व्यक्तियों को एक लंबा और पूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्र की सामान्य स्वास्थ्य स्थितियों के लिए रोग का उन्मूलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुंडा ने कहा कि शुरुआती पहचान और नए उपचार सहित सिकल सेल स्थिति के प्रबंधन में हाल के विकास पर चर्चा करने के लिए, कार्यशाला ने पूरे भारत से इस स्थिति पर विशेषज्ञों के एक समूह को एक साथ लाया गया। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा सिकल सेल उन्मूलन मिशन मोड में लिया गया है।

हालांकि हम सभी को व्यक्तिगत स्तर पर काम करके लोगों को बीमारी के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष रूप से जमीनी स्तर पर इस मुद्दे को हल करने के लिए एक सहयोगी प्रयास करने की आवश्यकता है। सभी चिकित्सा विशेषज्ञों, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, स्वास्थ्य संगठनों, स्वास्थ्य विभागों को भी अपनी योगदान देना चाहिए। ताकि आदिवासियों के अच्छे स्वास्थ्य मिले और जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव हो इसके अलावा उन्होंने राज्य सरकारों से उचित बुनियादी ढांचा और सुविधाएं सुनिश्चित करके इस लक्ष्य में सहयोग करने का आग्रह किया।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने अमरनाथ

आदिवासी छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देंगे एकलव्य विद्यालय : अर्जुन मुंडा

केन्द्र सरकार ने आदिवासी आबादी की शिक्षा की चुनौती को मिशन मोड में लिया है

स्वदेश संवाददाता

नई दिल्ली : केंद्र में जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने आदिवासी आबादी की शिक्षा की चुनौती को मिशन मोड में लिया है और मंत्रालय उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने के लिए कार्यरत है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय आदिवासी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे। वे विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान में आयोजित कालातीत सह-संवाद में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के छात्रों के साथ चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय प्रकृति पूजक होने के साथ स्वाभिमानी भी होता है। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब भी दिया। कार्यक्रम में 378 स्कूलों के 1 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जनजातीय कार्य मंत्रालय के राज्यमंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने भी छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा की और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया। कार्यक्रम में ईएमआरएस के विद्यार्थियों ने द्रौपदी मुर्मु के देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर खुशी जताई और कहा कि इससे आदिवासी समाज का मनोबल बढ़ा है। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति से मिले कटिहार जिले के सोरिया पहाड़िया अनुसूचित जनजाति के 10 लोग कहा अब होगा हमारा विकास

मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बिहार के कटिहार में वैसे तो आदिवासियों की जनसंख्या कम है।और इन्हीं जातियों में एक विशेष समुदाय के जाति होते हैं जिसका नाम है सोरिया पहाड़िया, दरअसल बताया जाता है कि सोरिया पहाड़िया अनुसूचित जनजाति की संख्या जिले में करीबन पांच सौ के आस-पास पास है।ऐसा भी बताया जाता है कि ये जाति किसी अन्य राज्य से कटिहार जिले में आए हैं। जिले के आजमनगर प्रखंड के शीतलपुर पंचायत के सीगोल गांव में इनकी थोड़ी आबादी है इनकी आबादी करीबन साढ़े तीन सौ की है।यानी 75 घर, जनजाति सोरिया पहाड़ी समूह के 10 प्रतिनिधि महामहिम राष्ट्रपति से मिलकर आज कटिहार वापस लौटे।

जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए कहा जिले से चयनित इन प्रतिनिधियों के माध्यम से महामहिम के समक्ष इनके विकास को लेकर कई चर्चा की गई।इसके साथ ही इन लोगों को लोकसभा राज्य सभा का भी भ्रमण कराया गया।

इस अवसर पर 3 घंटे तक लगातार कार्यक्रम भी चला जहां पर कटिहार से चयनित प्रतिनिधियों को अंग वस्त्र देकर भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा की जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कटिहार जिलान्तर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के दस सोरिया पहाड़ी जनजाति के व्यक्तियों को महामहिम राष्ट्रपति से मिलने हेतु नामित किया गया था। आजमनगर प्रखंड के सभी नामित व्यक्ति राज कुमार पहाड़ी, बैसाखु पहाड़ी, मनोज पहाड़ी, लेबवा पहाड़ी, दीवानन्द पहाड़ी, छेदी पहाड़ी, बबलू पहाड़ी, पप्पु पहाड़ी, गोडडू पहाड़ी, डोमन पहाड़ी एवं सम्पर्क पदाधिकारी विकास कुमार प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, आजमनगर के साथ 12 जून को महामहिम राष्ट्रपति से मिले। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन 2047, सिकल सेल एनीमिया की समाप्ति, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल में जनजाति समुदाय के छात्रों का प्रावधान, नेशनल फैलशिप तथा ओवरसीज स्कॉलरशिप स्कीम में जनजातीय विद्यार्थियों के लिए सीट का आरक्षण, आदिवासी महिला शक्तिकरण योजना, आदि विषयों पर चर्चा की गयी। सभी नामित व्यक्ति सम्पर्क पदाधिकारी के साथ दिनांक 14 जून को वापस कटिहार आ गये।

राष्ट्रपति ने महिला समूह के उत्पादों का किया अवलोकन

खूंटी : झारखंड दौरे के दूसरे दिन गुरुवार पूर्वाह्न 10:00 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु खूंटी पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार सामग्रियों का अवलोकन किया और एक-एक स्टॉल पर जाकर हर उत्पाद की जानकारी ली।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हो, मुंडा भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। इनकी सभ्यता, संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में लगभग 225 महिला हेल्प ग्रुप हैं लेकिन महिलाओं को इसका सही लाभ नहीं मिल पा रहा है। 14 हजार से अधिक गांव हैं, जो वन उपज है लेकिन बिचौलिया कम दाम पर उनसे खरीद कर महंगे दाम पर बेचते हैं।

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के संबंध तैयारियों की समीक्षा बैठक

केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ.मनसुख एल. मांडविया रहे मौजूद

नई दिल्ली, समाचार जगत ब्यूरो। आज जनजातीय कार्य मंत्रालय, शास्त्री भवन नई दिल्ली में केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ.मनसुख एल. मांडविया ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के संबंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक की। सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की घोषणा 2023-2024 के बजट में की गई है। मिशन को 2047 तक बीमारी के उन्मूलन के लिए लॉन्च किया जाएगा। इसमें जागरूकता निर्माण, 7 करोड़ लोगों की सार्वभौमिक जांच और सहयोगी प्रयासों के माध्यम से परामर्श शामिल होगा। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अभियान को ज़मीनी स्तर पर जन-जन तक पहुँचाने और लोगों को बीमारी के बारे में जागरूक करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस अभियान को जनजातीय मंत्रालय और राज्य नेतृत्व करेंगे और स्वास्थ्य मंत्रालय सहयोग करेगा। सभी मिलकर संयुक्त रूप से काम करेंगे।

झारखंड की परिश्रमी महिलाएं देश के विकास में योगदान देने में सक्षम : राष्ट्रपति

लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू : राज्यपाल

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं गांवों को बनाएं रोजगार का केंद्र : अर्जुन मुंडा

जनजातियों के सशक्तीकरण से बनेगा गौरवशाली भारत

अर्जुन मुंडा
केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री

मोदी सरकार जनजातीय समाज के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में रहने वाली दुनिया की 25 फीसदी जनजातीय आबादी इसे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला देश बनाती है।

सरकार ने 15 नवंबर, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को हर साल जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह फैसला जनजातीय गौरव, विरासत, परंपरा, संस्कृति और भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना से ओत-प्रोत है। यह वैश्विक मंच पर भारत की छवि को भी मजबूत करता है। आजादी के इस अमृतकाल में, देश ने संकल्प लिया है कि वह भारत की जनजातीय विरासत एवं परंपराओं तथा उनकी वीरता की कहानियों को और अधिक भव्य रूप से व्यापक पहचान दिलाएगा।

भारत में रहने वाली दुनिया की लगभग 25 प्रतिशत जनजातीय आबादी इसे एक विविध एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला देश बनाती है। नौजवान आदिवासी शिक्षा, खेल जैसे क्षेत्रों में मिल रहे अवसरों का पूरे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठा रहे हैं। वे पद्म पुरस्कार जीत रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहे हैं। जनजातियों के हालात बेहतर हो रहे हैं।

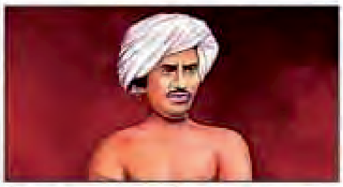

बिरसा मुंडा जयंती : जनजातीय गौरव दिवस कल

अब देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं। इस पद पर उनकी नियुक्ति जनजातीय समाज के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। मोदी सरकार के आठ वर्षों के दौरान हर जनजातीय मसला सुलझाया गया है, जो हमारे सिद्धांत 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के भाव को प्रदर्शित करता है।

मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक : जब मैं भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होने के बारे में विचार करता हूं तो महसूस होता है कि जनजातीय समाज को विकसित करना, उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना, उनके महत्वपूर्ण संस्थागत मसलों को सुलझाना और उनकी सांस्कृतिक विरासत को महत्व देते हुए समाज की मुख्यधारा से जोड़ना अत्यधिक जरूरी है।

विकास के लिए शिक्षा अहम : पीएम ने विकास की जिस रणनीति पर जोर दिया है, वह समग्र शिक्षा है। जनजातीय समाजों में, विशेष रूप से लड़कियों लिए, शैक्षिक उन्नति की परंपरा को प्रोत्साहन जरूरी है। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को तैयार करने की अपनी चुनौतियां हैं।

स्थायी आजीविका को बढ़ावा : भारत@2047 विजन गांवों-शहरों में जरूरी सुविधाएं प्रदान करना और उन्नत बुनियादी ढांचे का निर्माण कर खुशहाली को हासिल करना है। मेरे मंत्रालय ने तय किया है कि इस समाज के स्थायी आजीविका, आय का सृजन, स्वास्थ्य और उनकी विविध जातीय संस्कृतियों को बढ़ावा देना आवश्यक है।

अर्जुन मुंडा ने गिनाईं जनजातीय कार्य मंत्रालय की 9 साल की उपलब्धियां, बोले -

एकलव्य मॉडल स्कूलों में बड़े पैमाने पर शिक्षकों-कर्मियों की होगी नियुक्ति

- स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने गांवों को बनायें रोजगार का केंद्र

स्वदेश संवाददाता

रांची : केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने जनजातीय कार्य मंत्रालय की नौ साल की उपलब्धियों को लेकर दिल्ली के इंटरनेशनल मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जनजातियों के शिक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 200 गैर सरकारी संगठनों को लगभग 250 परियोजनाओं के लिए 900 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं 9 वर्षों में राज्यों को विभिन्न योजनाओं के तहत 5000 से अधिक परियोजनाओं के लिए 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई है।

मुंडा ने कहा कि 2023-24 के केंद्रीय बजट में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की भी घोषणा की गई है। 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को खत्म करने के लिए एक मिशन शुरू किया जाएगा। वहीं, अगले तीन वर्षों में 3.5 लाख आदिवासी छात्रों वाले 740 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए 38,800 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों को केंद्रीय रूप से भर्ती की जाएगी।

प्रधानमंत्री पीवीजीटी विकास मिशन पर जोर : उन्होंने कहा कि 2023 के बजट में सरकार ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के विकास के लिए प्रधानमंत्री पीवीजीटी विकास मिशन शुरू किया गया। लगभग 28 लाख पीवीटीजी आबादी वाले 22,544 गांवों को योजना के तहत बुनियादी सेवाओं की पूर्ति के लिए चिन्हित किया गया है। 2023-24 से 2025-26 के दौरान मिशन के कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय बजट 2023-24 में 15000 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की गई है। मंत्रालय ने प्रत्येक पीवीटीजी समुदाय के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है और वे उनके आवासों/बस्तियों में जा रहे हैं और उनकी आवश्यकताओं को समझने के लिए क्षेत्र में रह रहे हैं।

जेपी नड्डा 22 जून को आएंगे झारखंड

रांची : भाजपा का महा जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 22 जून को गिरिडीह आयेंगे। गिरिडीह परिसदन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की 22 जून को होने वाली जनसभा की तैयारी को लेकर बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि झारखंड की जनता का सौभाग्य है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपना महत्वपूर्ण समय झारखंड को दिया। प्रकाश ने कहा कि झारखंड की धरती से नड्डा का पुराना रिश्ता है। उन्होंने कहा कि उनके ओजस्वी भाषण को सुनने के लिए लाखों लोग पहुंचेंगे। बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहु, बालमुकुंद सहाय, विधायक बिरंची नारायण, पूर्व सांसद रविंद्र पांडेय, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी आदि उपस्थित थे।

15 को बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू जाएंगी राष्ट्रपति मुर्मु

ब्यूरो | नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इस वर्ष होने वाले जनजातीय गौरव दिवस पर होने वाले समारोहों की अगुवाई करेंगी। केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने बताया कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति में झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातु गांव में एक बड़ा आयोजन होगा। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु में उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का आगाज होगा। राष्ट्रपति वहां महिला सम्मेलन सह जनजातीय महिला स्वयं सहायता समूहों को भी संबोधित करेंगी। मुंडा ने कहा कि 15 नवंबर 2022 को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ संसद भवन परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि 15 से 22 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस मनाने के लिए बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक और गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। राज्यों की राजधानियों व अन्य शहरों में राज्य सरकारों और राज्य जनजातीय अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से युवाओं और जनजातीय कलाकारों का मार्च होगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, निबंध, गीत, नृत्य, खेल, चित्रकला प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान जैसे अनेक कार्यक्रमों की भी योजना बनाई गई है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। इसका मकसद देश के इतिहास और संस्कृति में जनजातीय समुदायों के योगदान का याद करना है।

माननीय प्रधानमंत्री का जनजातीय समाज के प्रति विशेष प्यार और लगाव है। मन कीबात कार्यक्रम के 100 सत्रों में से प्रधानमंत्री जी ने 25 सत्रों में जनजातीय समाज के बारे में विस्तृत चर्चा की है।

भगवान बिरसा मुंडा को कौन भूल सकता है जिन्होंने अपनी वन्य भूमि की रक्षा के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया... आदिवासी समुदाय के ऐसे बहुत से उदाहरण हैं जो हमें सिखाते हैं कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर कैसे रहा जाता है और आज हमारे पास जो जंगलों की सम्पदा बची है, इसके लिए देश हमारे आदिवासियों का ऋणी है। आइये ! हम उनके प्रति आदर भाव व्यक्त करें।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 28 अक्टूबर 2018

बैम्बू से बनने वाले Boxes, कुर्सी, चायदानी, टोकरियाँ, और ट्रे जैसी चीजें खूब लोकप्रिय हो रही हैं। यही नहीं, ये लोग बैम्बू घास से खुबसूरत कपड़े और सजावट की चीजें भी बनाते हैं। **इससे आदिवासी महिलाओं को रोजगार भी मिल रहा है, और उनके हुनर को पहचान भी मिल रही है।**

आज सारा विश्व विशेष रूप से पश्चिम के देश पर्यावरण संरक्षण की चर्चा कर रहे हैं और संतुलित जीवनशैली balance life के लिए नए रास्ते ढूंढ रहे हैं। वैसे आज हमारा भारतवर्ष भी इस समस्या से अछूता नहीं है, लेकिन इसके हल के लिए हमें बस अपने भीतर झाँकना है, अपने समृद्ध इतिहास, परंपराओं को देखना है और खासकर अपने जनजातीय समुदायों की जीवनशैली को समझना है। प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर के रहना हमारे आदिवासी समुदायों की संस्कृति में शामिल रहा है। हमारे आदिवासी भाई-बहन पेड़-पौधों और फूलों की पूजा देवी-देवताओं की तरह करते हैं।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 28 अक्टूबर 2018

ये सच है कि आदिवासी समुदाय बहुत शांतिपूर्ण और आपस में मेलजोल के साथ रहने में विश्वास रखता है, पर जब कोई उनके प्राकृतिक संसाधनों का नुकसान कर रहा हो तो वे अपने अधिकारों के लिए लड़ने से डरते भी नहीं हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे सबसे पहले स्वतंत्र सेनानियों में आदिवासी समुदाय के लोग ही थे।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 28 अक्टूबर 2018

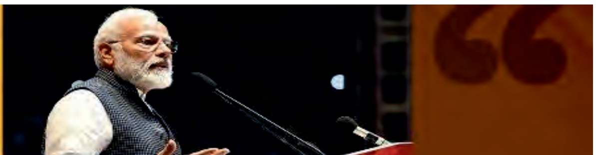

जबलपुर के चिचगांव में कुछ आदिवासी महिलाएं एक rice mill में दिहाड़ी पर काम करती थीं। कोरोना वैश्विक महामारी ने जिस तरह दुनिया के हर व्यक्ति को प्रभावित किया, उसी तरह ये महिलाएं भी प्रभावित हुईं। उनकी rice mill में काम रुक गया। **स्वाभाविक है कि इससे आमदनी की भी दिक्कत आने लगी, लेकिन ये निराश नहीं हुईं, इन्होंने हार नहीं मानी। इन्होंने तय किया कि ये साथ मिलकर अपनी खुद की rice mill शुरू करेंगी।**

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 31 जनवरी 2021

देश के अनेक क्षेत्र में बांस से अनेक सुन्दर और उपयोगी चीजें बनाई जाती हैं। विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में बांस के कुशल कारीगर, कुशल कलाकार हैं। **जब से देश ने बैम्बू से जुड़े अंग्रेजों के जमाने के कानूनों को बदला है, इसका एक बड़ा बाज़ार तैयार हो गया है।** महाराष्ट्र के पालघर जैसे क्षेत्रों में भी आदिवासी समाज के लोग बैम्बू से कई खुबसूरत Products बनाते हैं।

"
धानीराम टोटो,
जानुम सिंह सोय और
बी. रामकृष्ण रेड्डी जी के
नाम, अब तो पूरा देश उनसे
परिचित हो गया है। **सिद्धी, जारवा और ओंगे जैसी आदि-जनजाति के साथ काम करने वाले लोगों को भी इस बार सम्मानित किया गया है।** जैसे – हीराबाई लोबी,
रतन चंद्र कार और ईश्वर चंद्र वर्मा जी।

मन की बात
29 जनवरी, 2023

"
कांकेर में लकड़ी पर
नक्काशी करने वाले
अजय कुमार मंडावी और
गढ़चिरौली के प्रसिद्ध
झाड़ीपट्टी रंगभूमि से जुड़े परशुराम कोमाजी खुणे
को भी ये सम्मान मिला है। इसी प्रकार नॉर्थ-ईस्ट में
अपनी संस्कृति के संरक्षण में जुटे रामकुईवांगबे निउमे,
बिक्रम बहादुर जमातिया और करमा वांगचु को
भी सम्मानित किया गया है।

मन की बात
29 जनवरी, 2023

जिस मिल में ये काम करती थीं, वो अपनी मशीन भी बेचना चाहती थी। इनमें से मीना राहंगडाले जी ने सब महिलाओं को जोड़कर 'स्वयं सहायता समूह' बनाया और सबने अपनी बचाई हुई पूंजी से पैसा जुटाया, जो पैसा कम पड़ा, उसके लिए 'आजीविका मिशन' के तहत बैंक से कर्ज ले लिया, और अब देखिए, इन आदिवासी बहनों ने वही rice mill खरीद ली, जिसमें वो कभी काम किया करती थीं। आज वो अपनी खुद की rice mill चला रही हैं। इतने ही दिनों में इस mill ने करीब तीन लाख रुपये का मुनाफा भी कमा लिया है। इस मुनाफे से मीना जी और उनकी साथी, सबसे पहले बैंक का लोन चुकाने और फिर अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए तैयारी कर रही हैं।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 31 जनवरी 2021

बिहार के पश्चिमी चंपारण में, सदियों से थारु आदिवासी समाज के लोग 60 घंटे के lockdown या उनके ही शब्दों में कहें तो '60 घंटे के बरना' का पालन करते हैं। प्रकृति की रक्षा के लिये बरना को थारु समाज ने अपनी परंपरा का हिस्सा बना लिया है और सदियों से बनाया है। इस दौरान न कोई गाँव में आता है, न ही कोई अपने घरों से बाहर निकलता है और लोग मानते हैं कि अगर वो बाहर निकले या कोई बाहर से आया, तो उनके आने-जाने से, लोगों की रोजमर्रा की गतिविधियों से, नए पेड़-पौधों को नुकसान हो सकता है। बरना की शुरूआत में भव्य तरीके से हमारे आदिवासी भाई-बहन पूजा-पाठ करते हैं और उसकी समाप्ति पर आदिवासी परम्परा के गीत, संगीत, नृत्य जमकर के उसके कार्यक्रम भी होते हैं।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 30 अगस्त 2020

"
जनजातीय समुदायों से जुड़ी चीज़ों के संरक्षण और उन पर research के प्रयास भी होते हैं। ऐसे ही
टोटो, हो, कुइ, कुवी और मांडा जैसी
जनजातीय भाषाओं पर काम करने वाले
कई महानुभावों को पद्म पुरस्कार मिले हैं।
यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मन की बात

"
Karbi Anglong जिले के सिकारी टिस्सौ जी पिछले 20 सालों से Karbi भाषा का documentation कर रहे हैं। किसी जमाने में किसी युग में 'कार्बी आदिवासी' भाई बहनों की भाषा 'कार्बी' आज मुख्यधारा से गायब हो रही है। श्रीमान सिकारी टिस्सौ जी ने तय किया था कि अपनी इस पहचान को वो बचाएंगे और आज उनके प्रयासों से कार्बी भाषा की काफी जानकारी documented हो गई है। उन्हें अपने इस प्रयासों के लिए कई जगह प्रशंसा भी मिली है, और award भी मिले हैं।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 28 मार्च 2021

सत्यमेव जयते

जनजातीय कार्य मंत्रालय

भारत सरकार